

राज
कॉमिक्स
विशेषांक

मूल्य 20.00 संख्या 53

हत्यारी राशियां

सुपरकमांडो
ग्रुप

इस विशेषांक के
साथ एक आकर्षक
स्टीकर मुफ्त

राज कॉमिक्स विशेषांक

हत्यारी राशियां



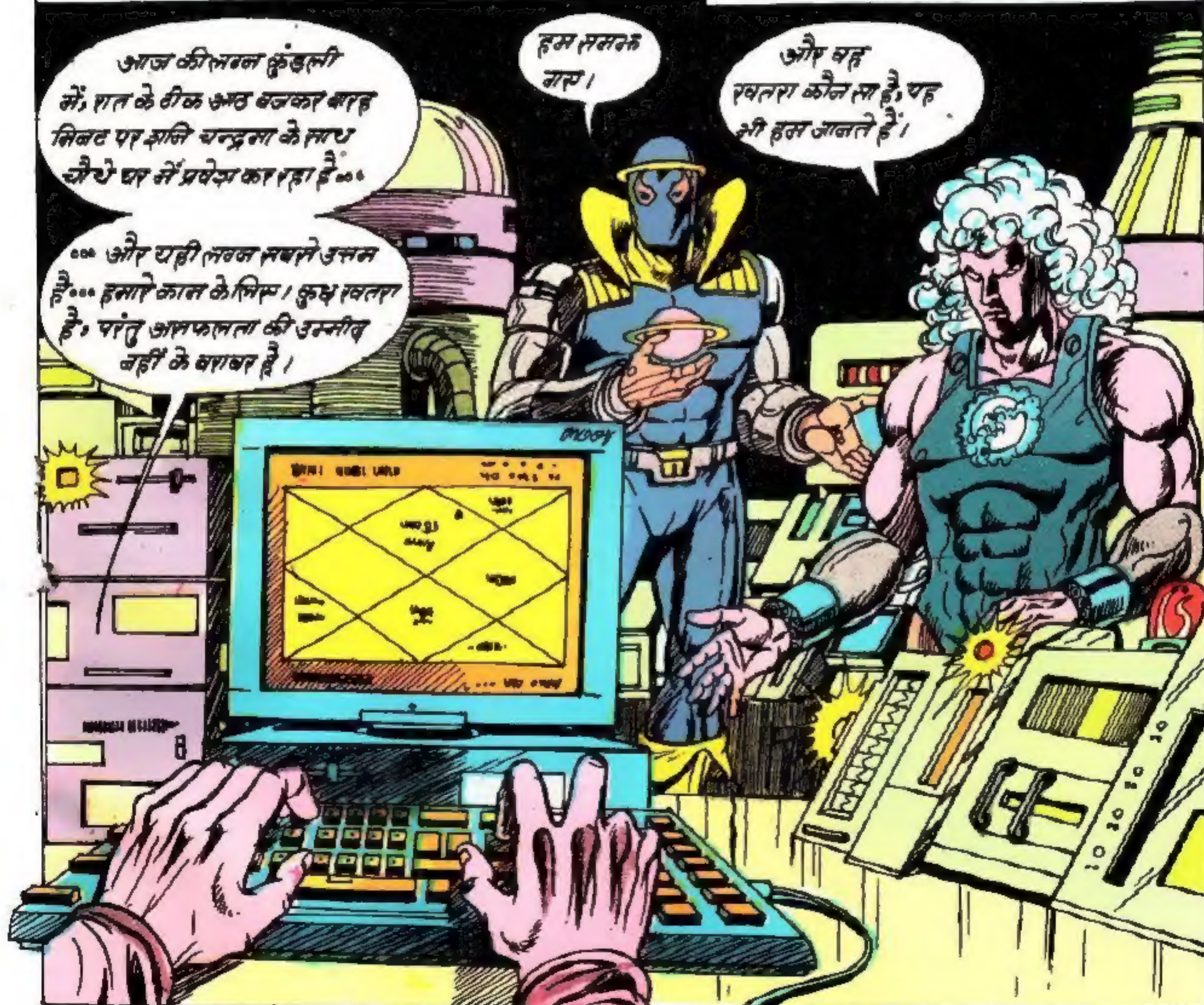


हत्याारी राशियां

कथा: अनुपम सिन्हा, चित्र: अनुपम सिन्हा, इंकिंग: विनोद कुमार, संपादन: मनीष गुप्ता

रात के काले आकाश में घूमते-घूमे- कवियों के लिए कल्पना का स्रोत है। वैज्ञानिकों के लिए रहस्यों का भंडार है, और अधिकतर लोगों के लिए है, ज्योतिष विज्ञान का आधार—

इन ग्रहों के बारे में महाराष्ट्र से जन्मे वाला, ग्रहों की स्थिति की गणना करके, कुछ भी जान सकता है। भूत, वर्तमान... और भविष्य —





कुछ और गैंग भी इस मौके की तलाश में थे! हो सकता है कि उनमें से ही कोई एक हमारे काम में अड़ंगा डालने की कोशिश करे!

अगर वे ऐसा करेंगे भी तो सफल नहीं हो पाएंगे।

क्योंकि आज के समय में सफलता सिर्फ एक आदमी की किस्मत में निपटी है... मेरी किस्मत में...

... नाप्रेवास की किस्मत में!

राजनगर के दूसरे भाग में-

धुब भइया, आज रात को तुम बाहर मत निकलना।

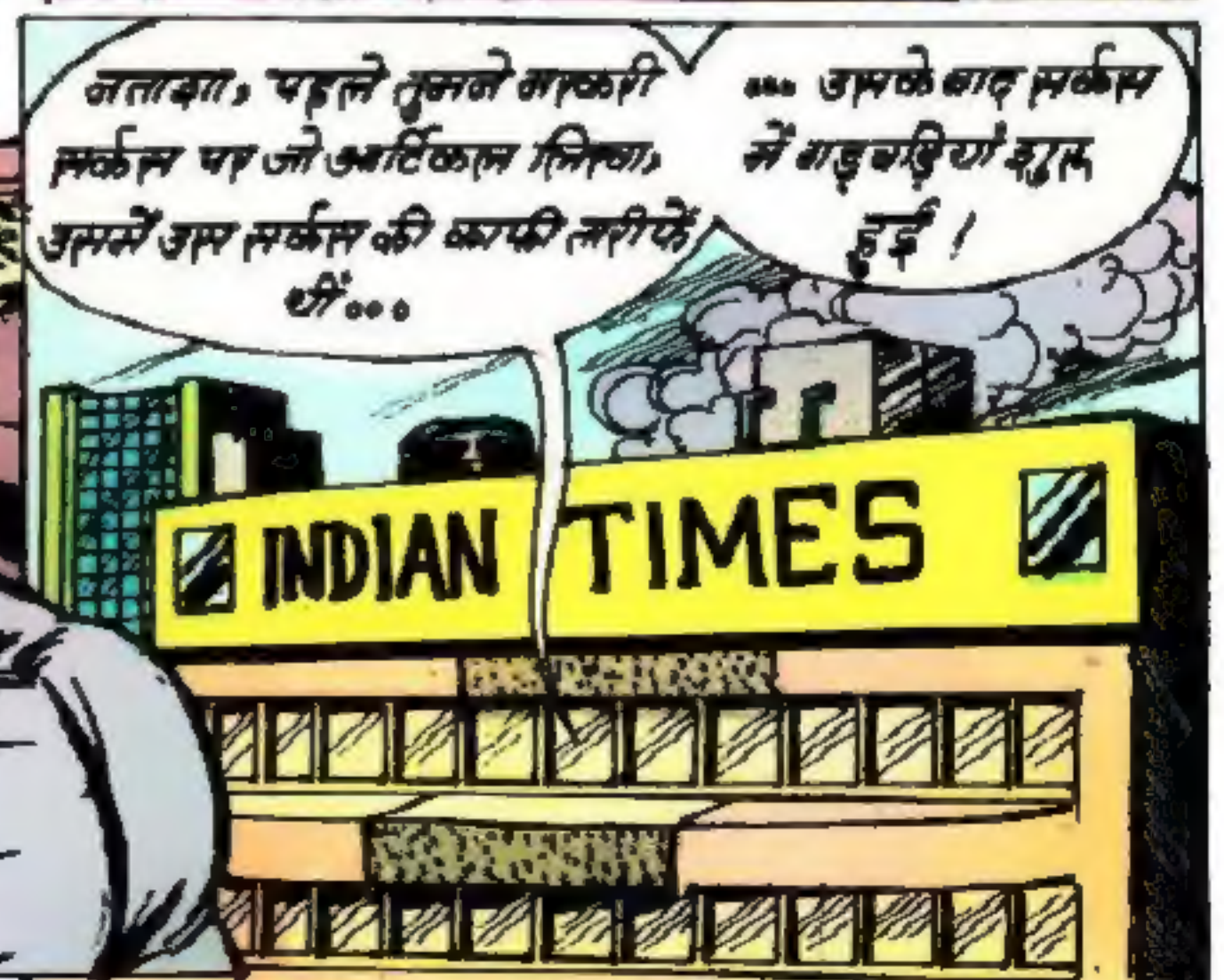
आज तुम्हारी पिटाई होने वाली है!

अब तुम्हारे आज के अविवेकाल में यह वहीं लिएवा है।

लिएवा है कि... रात्रि के प्रथम प्रहर में बहर न जायें। शारीरिक क्षति होने की प्रबल संभावना है।

अच्छा! लगे हाथों यह भी बता दीजिए ज्योतिषीजी, कि मेरी पिटाई कबसे कबसे?

ओह!!
बुलबुल प्रतापक अविवेक!







इतने खूबसूरत
चेहरे पर भुर्रियां... मेरा
मतलब है... डिकन !
गुरुमे की डिकन ?

?



क्या हुआ
नतशा ?

ओवर !

तुमसे कितनी बार
कहा है कि बकवास
कम किया करो !

लो ! मैं तो समझता था
कि लड़कियां तारीफ सुनकर
खुदा होती हैं ! फिर भी क्या
हुआ ?

ओ वही अपना
नया स्टुडेंट बन चिक !
किसी की पर्सनल प्रॉब्लम
को समझना ही नहीं
सकता !



अभी मूड
नहीं है,
ओवर !
वैसे एक बात बताओ !
हर बार एक ही जवाब
सुनकर तुम बोर नहीं
होते ?

क्या करें ? बस
पूछे दिल भी तो नहीं
भरता ! किसी न
किसी दिन तो हो
कहोगी !

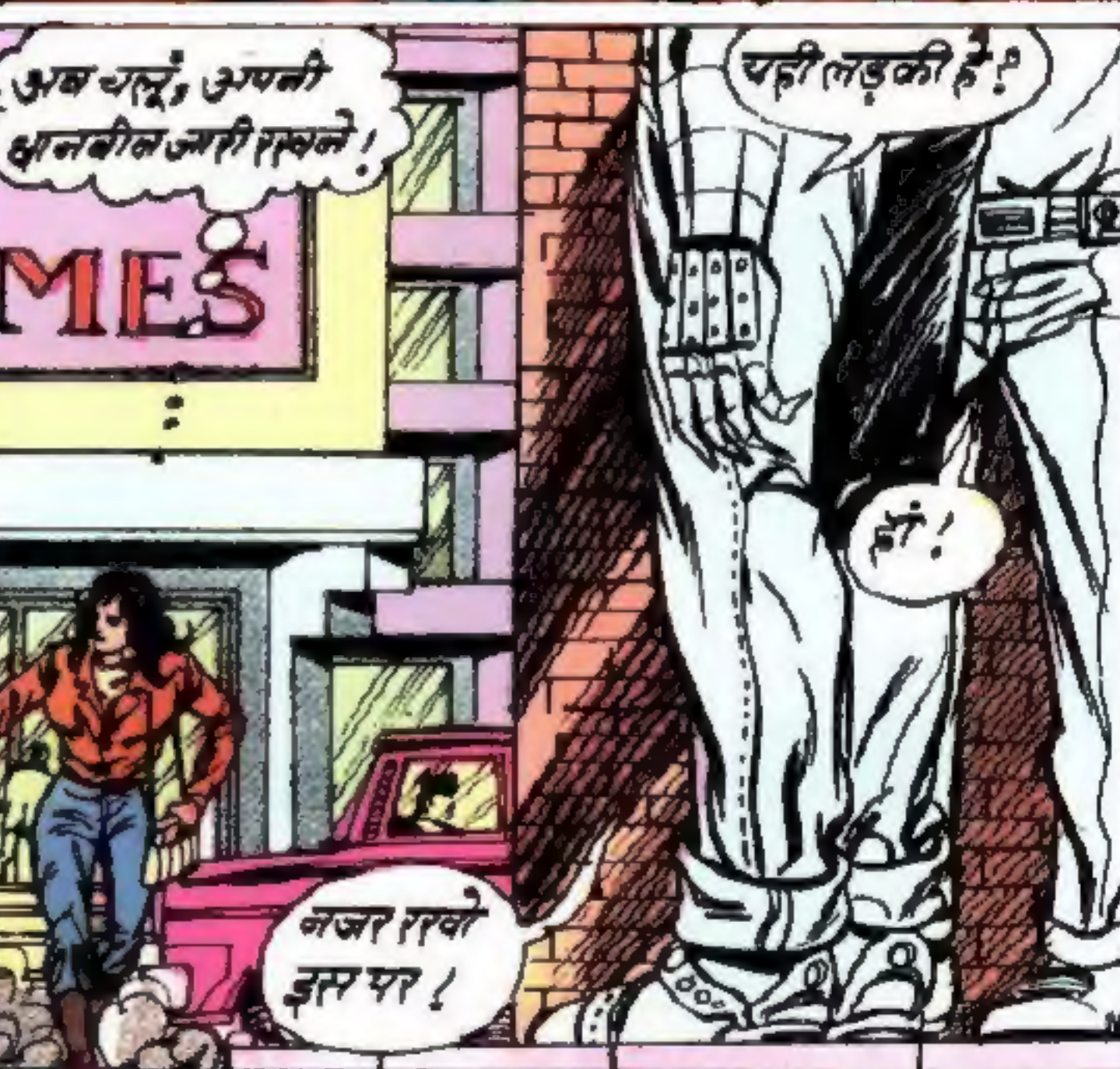
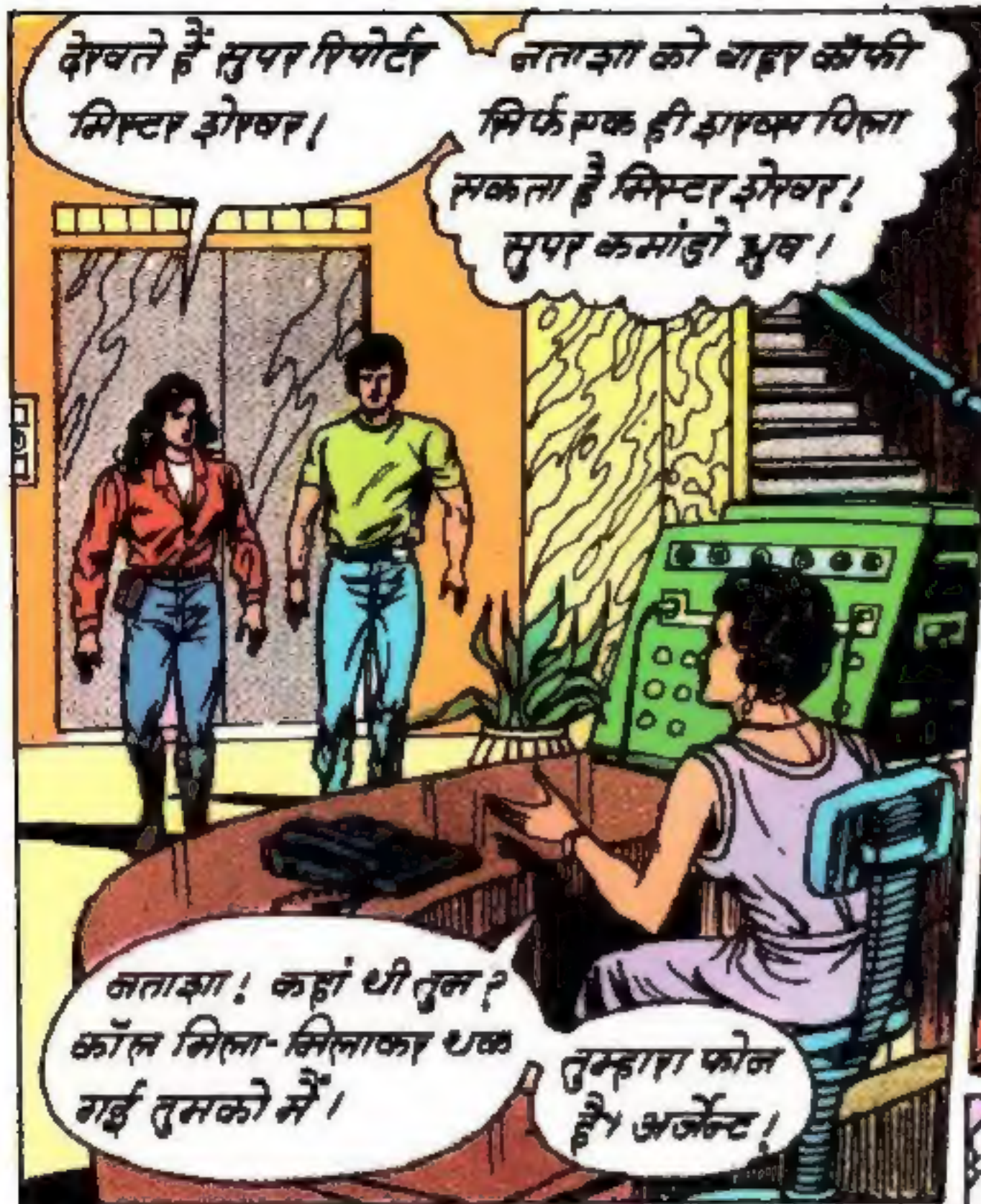
अब मैं कोई ज्योतिषी तो
हूँ नहीं ! ओ पता चलेगा,
वही निरवंगी न !

नास्त्रेदमस से पूछ
लिया करो ! वैसे बाहर
चलकर एक-एक कप कॉफी
पीने के बारे में क्या रवताल
है ?



LIFT



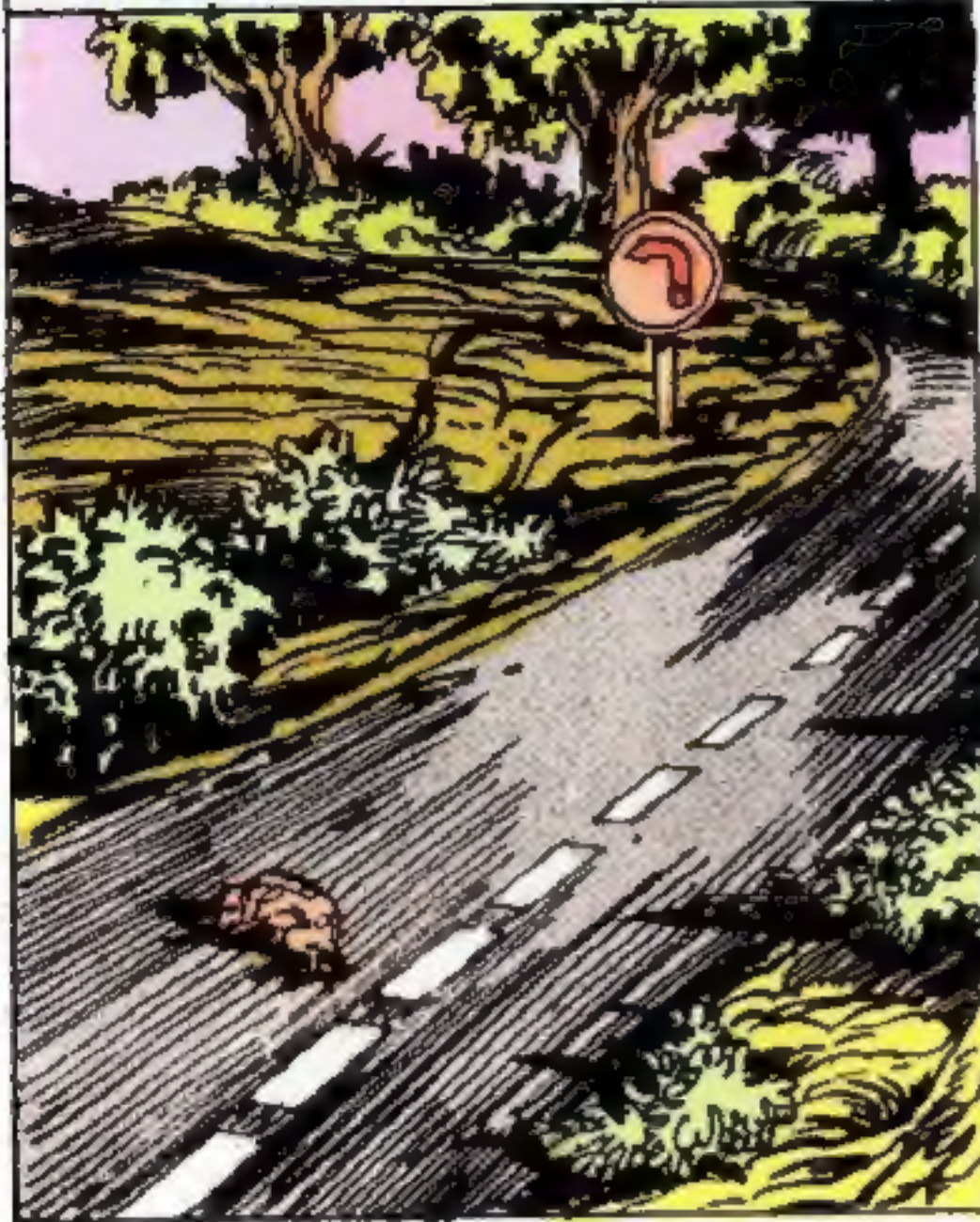


राजनगर में, आठ बजे रात के आसपास कई स्थानों पर जाम लगना, मामूली बात होती है -



हत्यारी राशियां

और कुछ स्थान ऐसे भी होते हैं, जहां पर राज होता है सन्नाटे का...



००० तेज गति से दौड़ते गहलो का -



और दिकार की ललाटा में धातु लगाए दिकारियों का—



इतना महंगा कंसाइनमेंट ले
जाते हूँ धुक धुकी लगी रहती हूँ
चार जन्म पाल !

ओर, किस बात की धुकधुकी
अर्न्तः ? गोदान से ऐसे तीन द्रव,
और हमारे साथ ही निकले हैं। और
वे सभी अलग-अलग रास्तों से होते
हूँ। वहीं पहुँचेंगे जहाँ हमें जाना
है।

किसी भी लुटेरे के लिए यह जानना
असंभव है कि असली माल किस
दुक में...

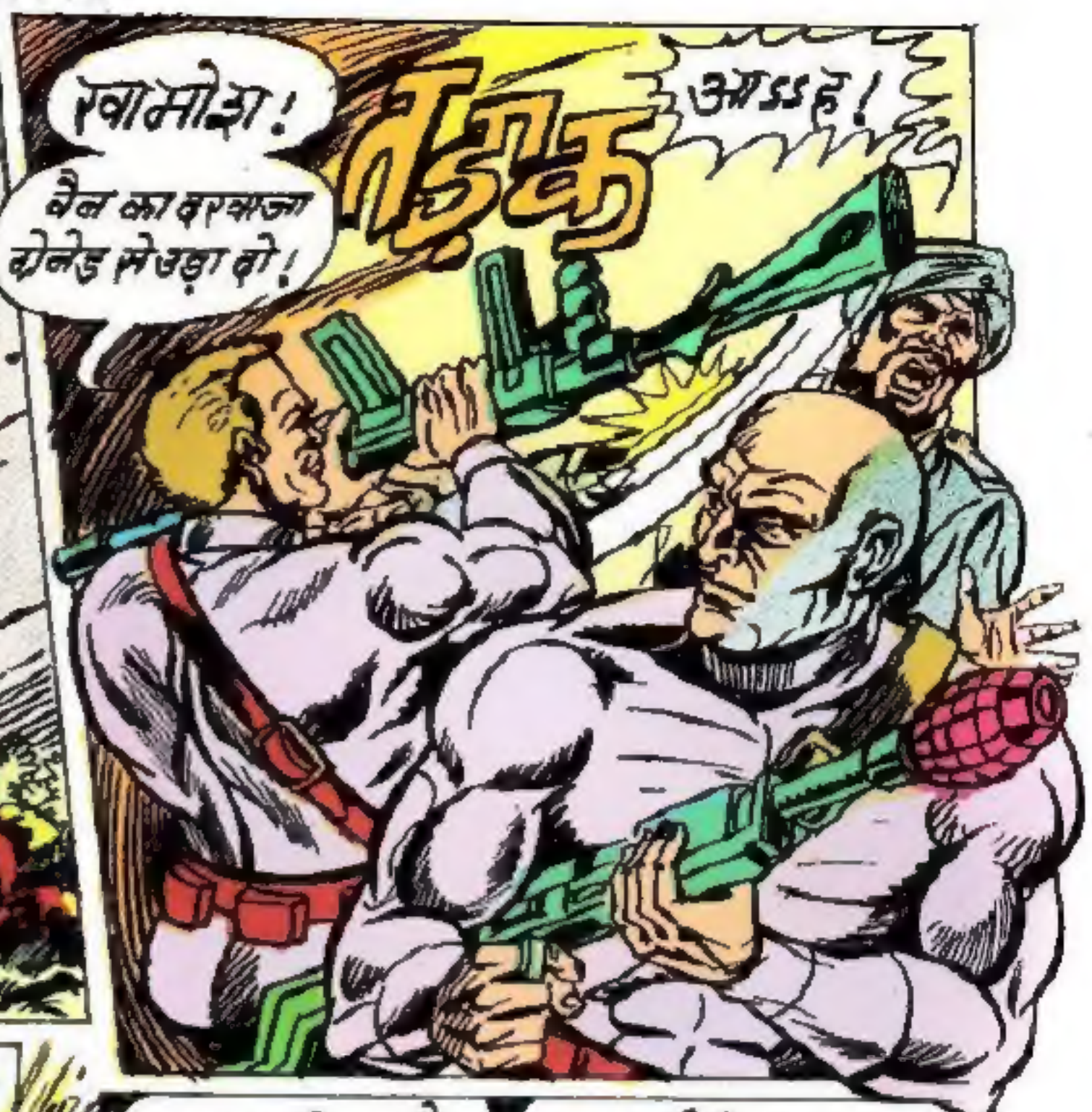
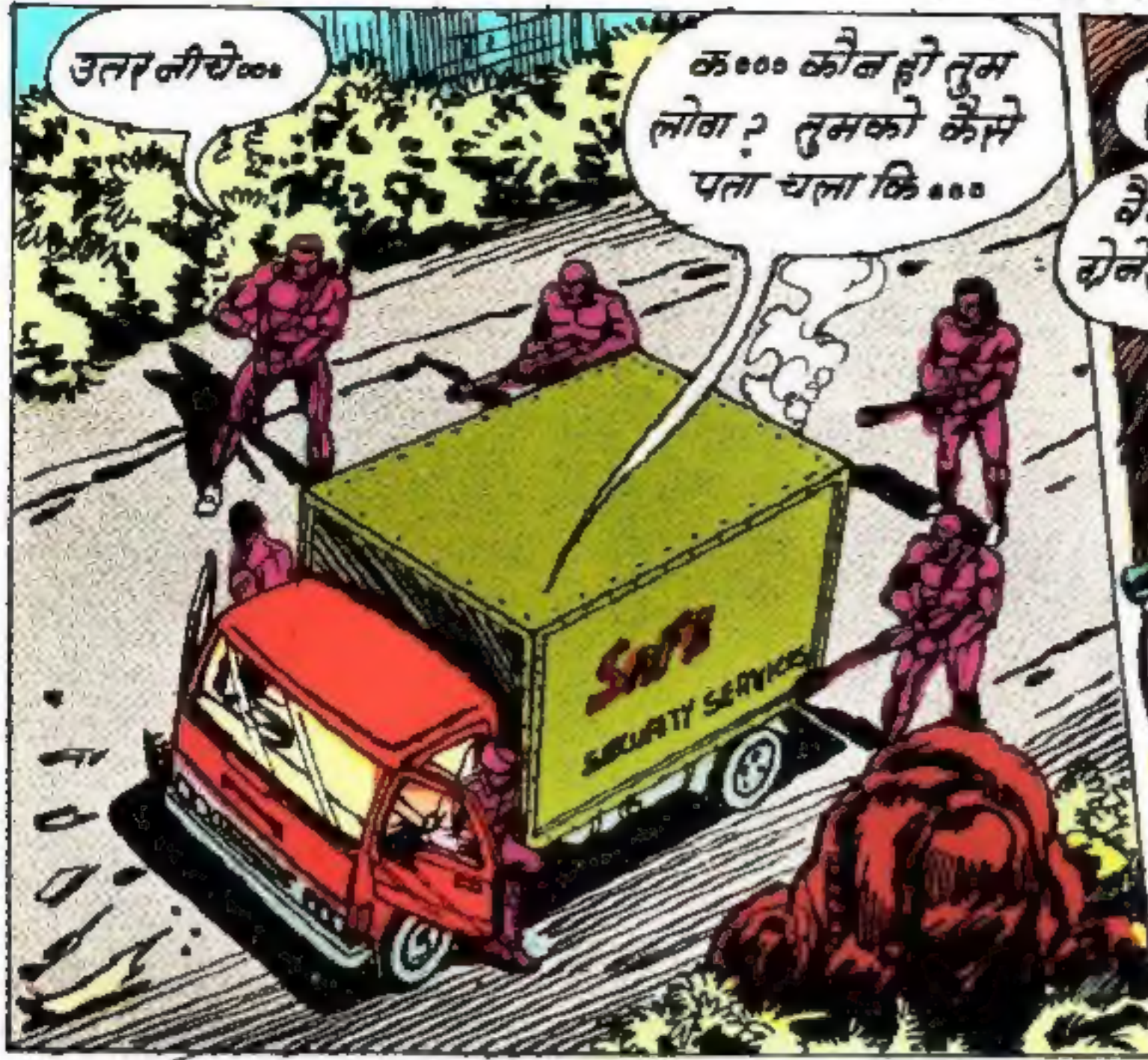


आइं डी इंडिया

शर्मा के पैर ब्रेक पर दबते चले गए—

किसी ने ये हमारा
गवदारी की है ही इंतजार...
डार्म...
डार्म...





रॉकेट प्रोपेल्लेड दोनेड, एक भीषण आवाज के साथ, दरवाजे से जाटकराया-

लेकिन दरवाजे और लॉक पर जरा भी असर नहीं हुआ-

दरवाजा स्पेशल मेटल इस पर दोनेड का कुछ भी का बना लगता है! असर नहीं हुआ!



और अगर इसमें वह धोरा बॉक्स नहीं रखा हुआ तो?

तो हमारा इंफार्मर उसकी कीमत अपनी जान देकर चुकाएगा!



लेकिन इससे पहले कि लुटेरे वैन में चढ़ पाते...

... हवा में कुछ धमका-

स्टार ब्लेड!

और इन्होंने वैन के टायरों को पंच कर दिया है। इसका एक ही मतलब है...

... कि सुपर कमांडो भूब यहां पर आ चुका था!

तुम्हारे कहा था कि मोटरसाइकल की आवाज का ध्यान रखना...

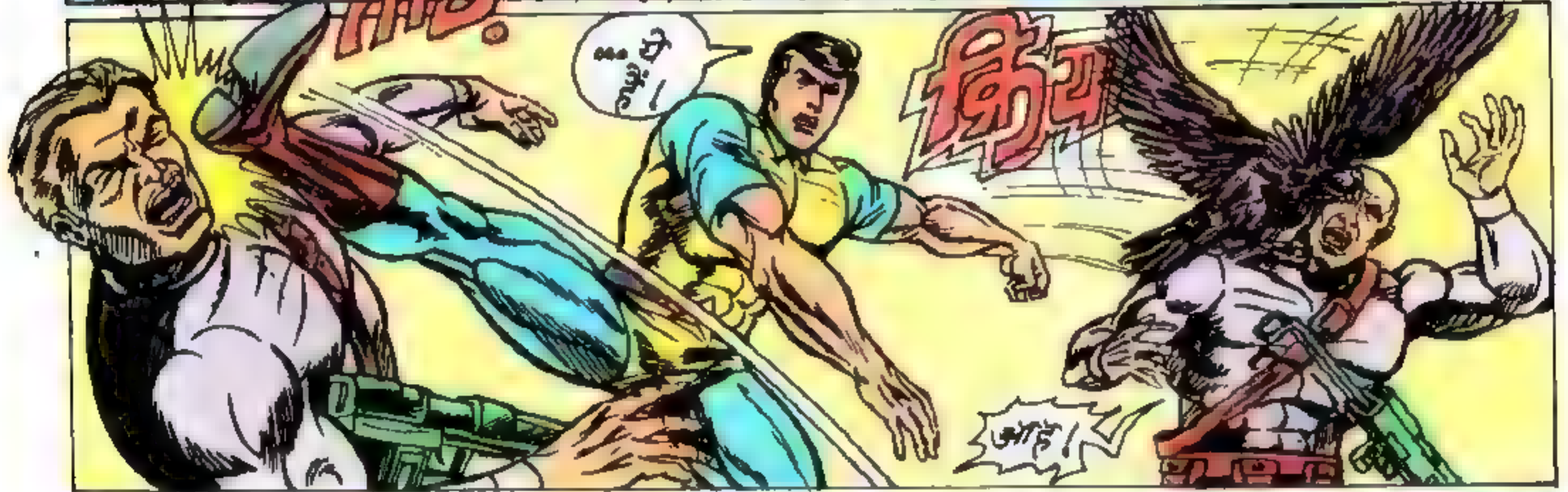
ओके...

ध्यान तो रख था। पर आवाज आई ही नहीं...

ईया या या।

आवाज आती कहाँ से? मैं मोटरसाइकल से आया ही नहीं। इस समय के ट्रैफिक में मोटरसाइकल से कहीं पर भी जल्दी पहुंच पाता असंभव काम है।

मोटरसाइकल आधी रात की सुनसान सड़कों पर रात के लिए ही ठीक है। इस समय तो सड़कों के रास्ते, भ्रूलते हुए आना ही सबसे अच्छा तरीका है।



क्योंकि उसकी जानना थी कि-

क्या हो रहा था वहाँ पर?
इस वैन में ऐसा क्या है, जिसके
पीछे ये गुंडे पड़े हुए थे?

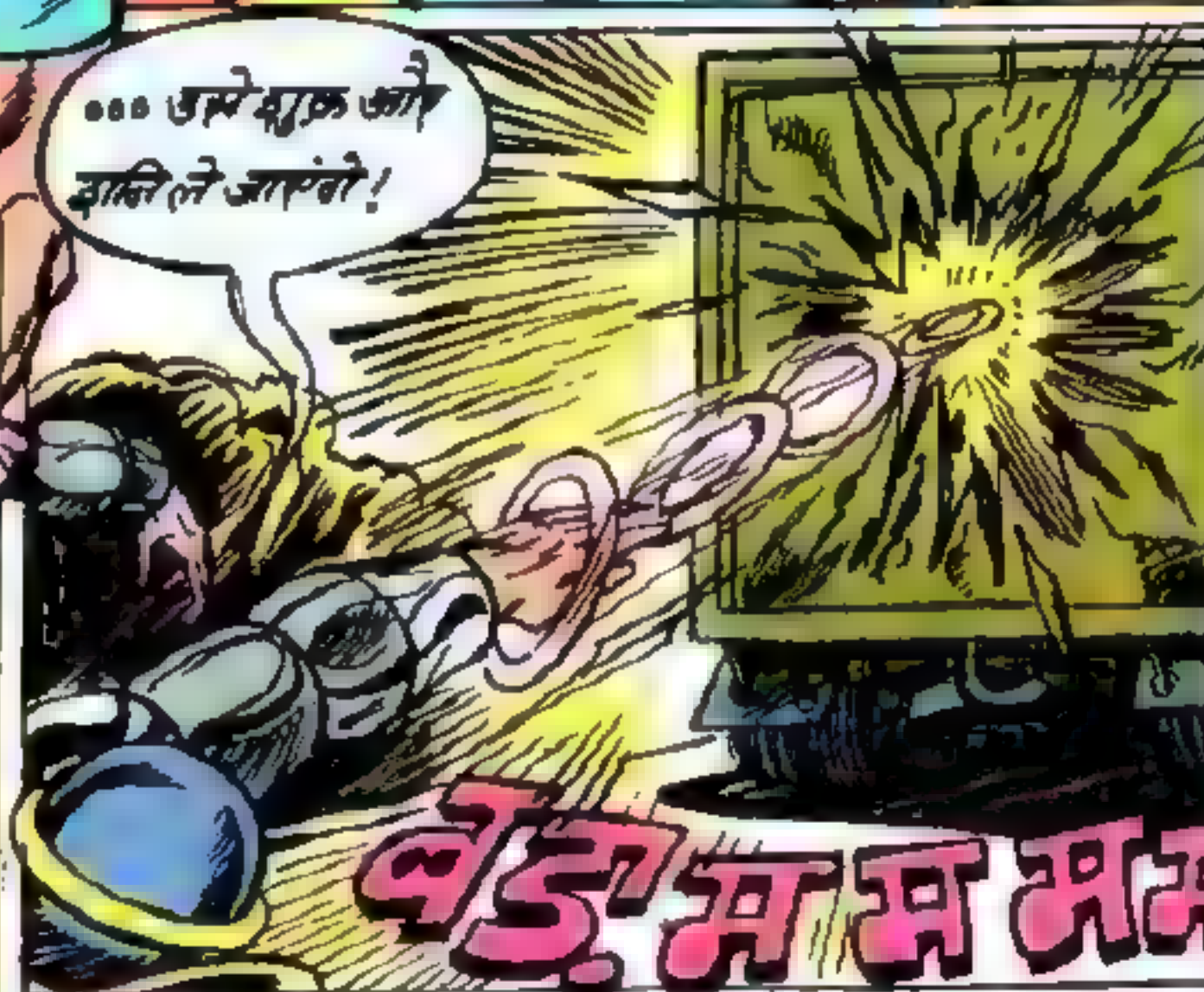
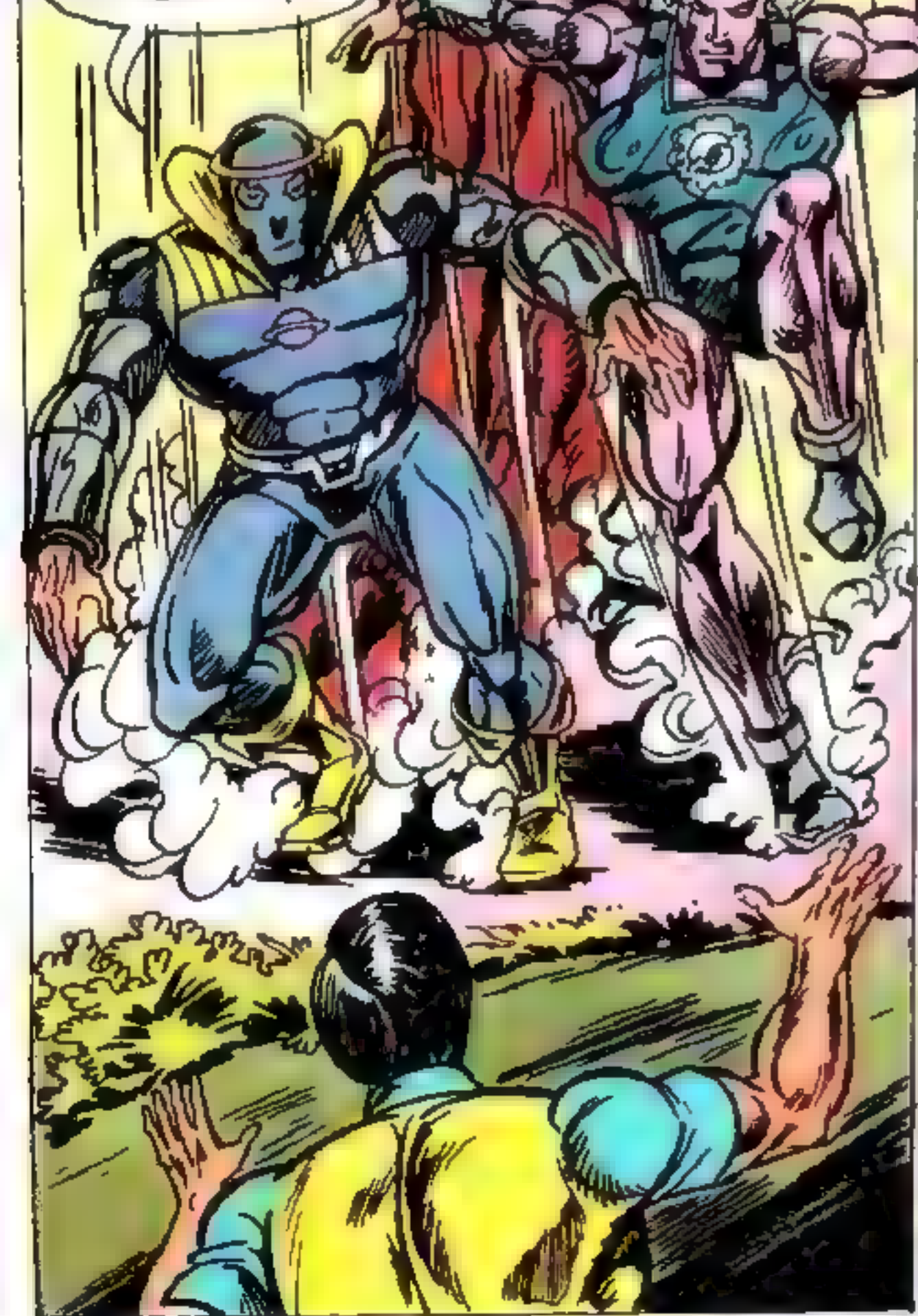


ये जानकर तू
क्या करेगा,
कनाहो?



... उससे दूर आओ
झगड़ने जाएंगे!

... क्योंकि इस वैन
में जो कुछ भी है...



बड़ा म म म म

ओह! हार्ड स्ट्रक्स फनोमिक्स
रिजस! झगड़ने के चलते!

एक बार में ही वैन के दरवाजे
के परत चचे उड़ा दिए!



धुव के कुछ समकाल पाने से पहले ही, शुक बैन में से एक छोटा सा बॉक्स लेकर बाहर आ चुका था—

आपस से आओ। ये भुवो हमको रोकने की हिम्मत नहीं करेंगे!

रोको इन्हें। इस बॉक्स में सुपा हाई क्वालिटी के रक्त रत्ने हैं। एक्सपोर्ट के लिए!

इनकी कीमत अपनों में है!

धुव के लिए अगर कुछ सुनने की जरूरत नहीं थी—

अचानक ही दस्त—

बॉक्स, धुव के हाथ में था—

लेकिन, धुव को उसी पल शुक से दूर उधल जाना पड़ा—

एक भुज्जो ने
हमको काट रखने की
क्रीड़ा कर ही डाली।
इसको तुरन्त मारल
डालना चाहिए।

ओह! एकसप्तलोमिव
रिंग! इनका अलग तो
मैं देख ही चुका हूं।

धुक, रिंग से तो
बच गया—

शुक को होकर
रखते देखकर, इसी क्षण से घबरा
हो गया—

सांध्य

एकसप्तलोमिव रिंग हवा में टिड्डियों की तरह धाधाध—

लेकिन धुव को एक भी रिंग नहीं छू पाया—

इन रिंगों को
ज्यादा देर तक छोड़ा
दे पाना मुश्किल
लगता है!

लेकिन हवा में उड़े, चट्टान के
असंख्य टुकड़ों ने अपना-अपना निशाना वृंदा लिया—

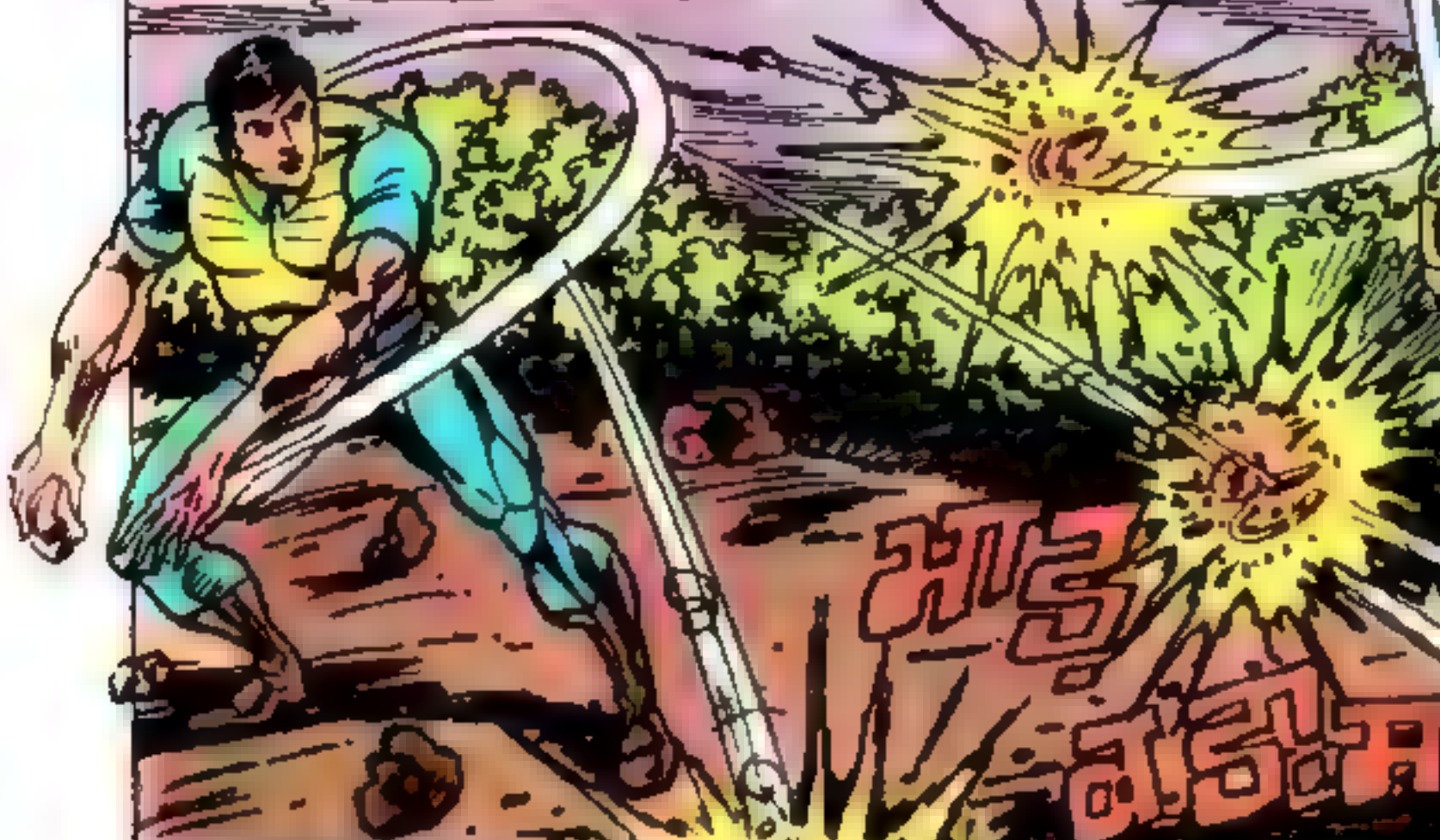
इनका मुकाबला
करके इनको हवा में ही लपट
करना होगा!

और ये काम करेंगे, चढ़ाक के ये... और ये अब दूटे दूकड़े। पहले एक्सप्लोसिव रिंग्स एक्सप्लोसिव रिंग्स ने इसको तोड़ा...

इधर लुटेरे भी होख में आ रहे थे—

ये दोनो कौन हैं?

पता नहीं। मगर जो भी हैं, हैं ये उसी साल के पीछे, जिसके पीछे हम हैं।



चढ़ाक के दूकड़े हवा में उड़ती रिंग्स से टकराए—

और रिंग्स हवा में ही लपट होके लगीं—

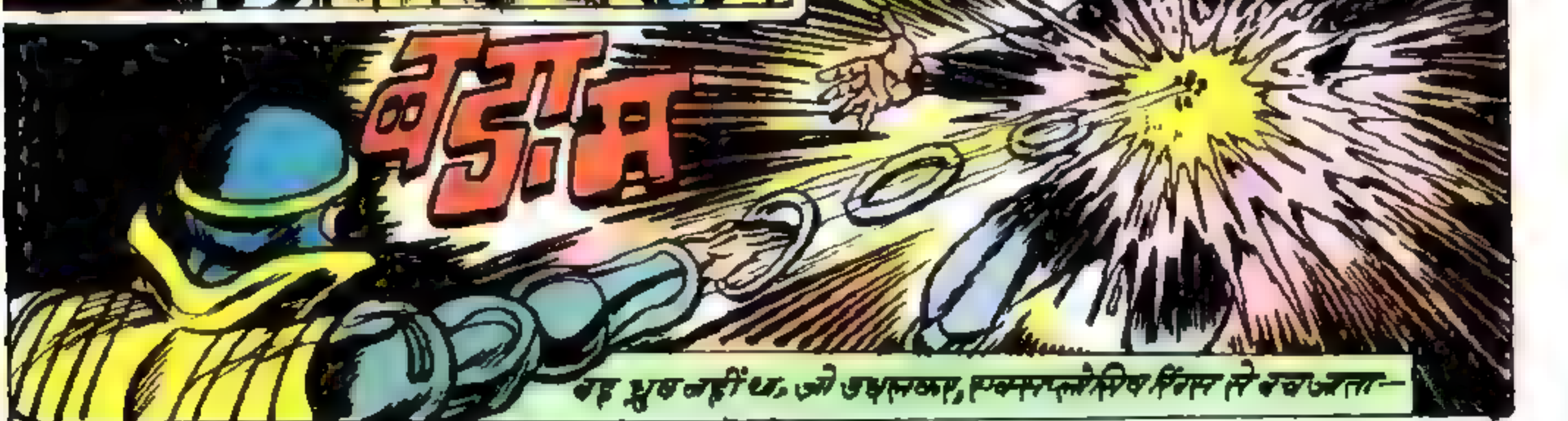
अभी बॉक्स अभीक पर पड़ा है। और ये दोनो लख ने में बिजी हैं। दूसरा बेहोका पड़ा हुआ है।

यही मौका है, साल उठाओ और फूट लो।

बिजली की सी तेजी से एक गुंडे के हाथ, बॉक्स पर कम गार।



और अचानक ही पता उसके चिपड़े उड़ गए—

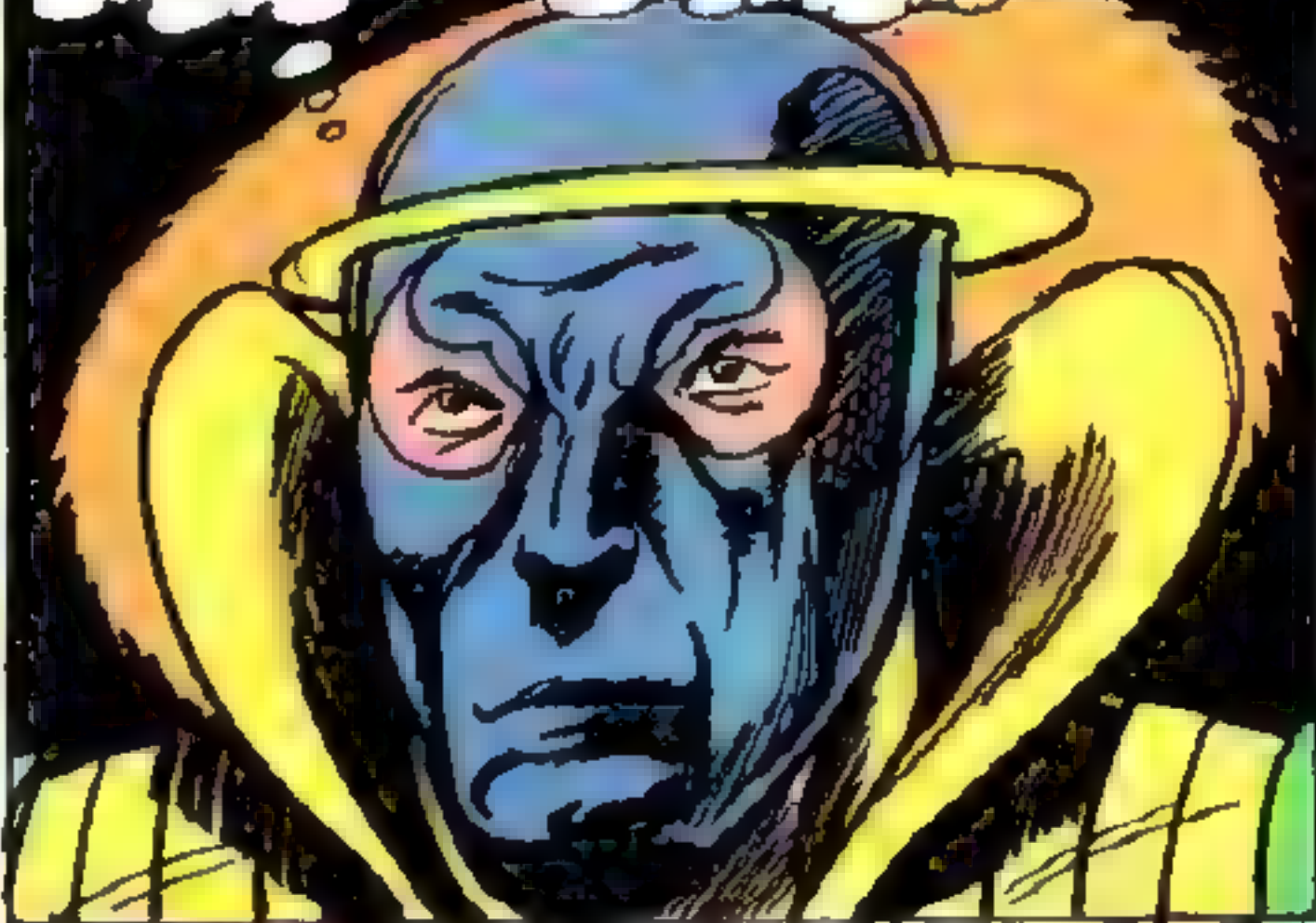
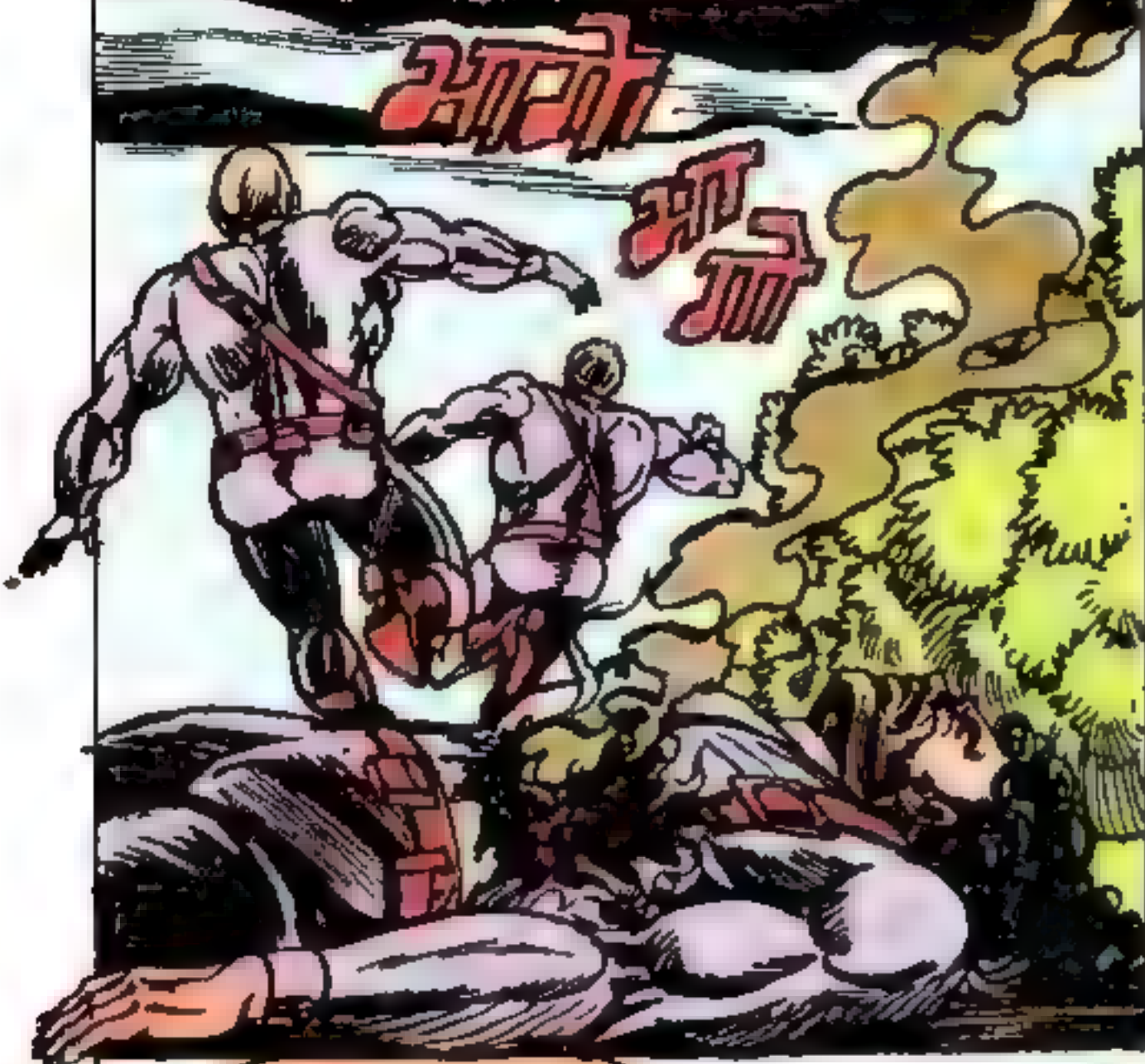


बड़ भुल नहीं था, जो उधलकाए, एक्सप्लोसिव रिंग्स से बच जाता—

ये छोटा सा बमूना ही, तुम्हें के दिलों में दहकात
बसा देने के लिए काफी था—

अब लड़ाई सिर्फ धुल और झाल के बीच में थी—

इस पर एकमात्रासिख ... उनको तो ये उधल-उधलकर
रिंग का धार करना बेकार कर देता है। इससे दूसरे तरीके
बेकार है... से निबटना होगा।

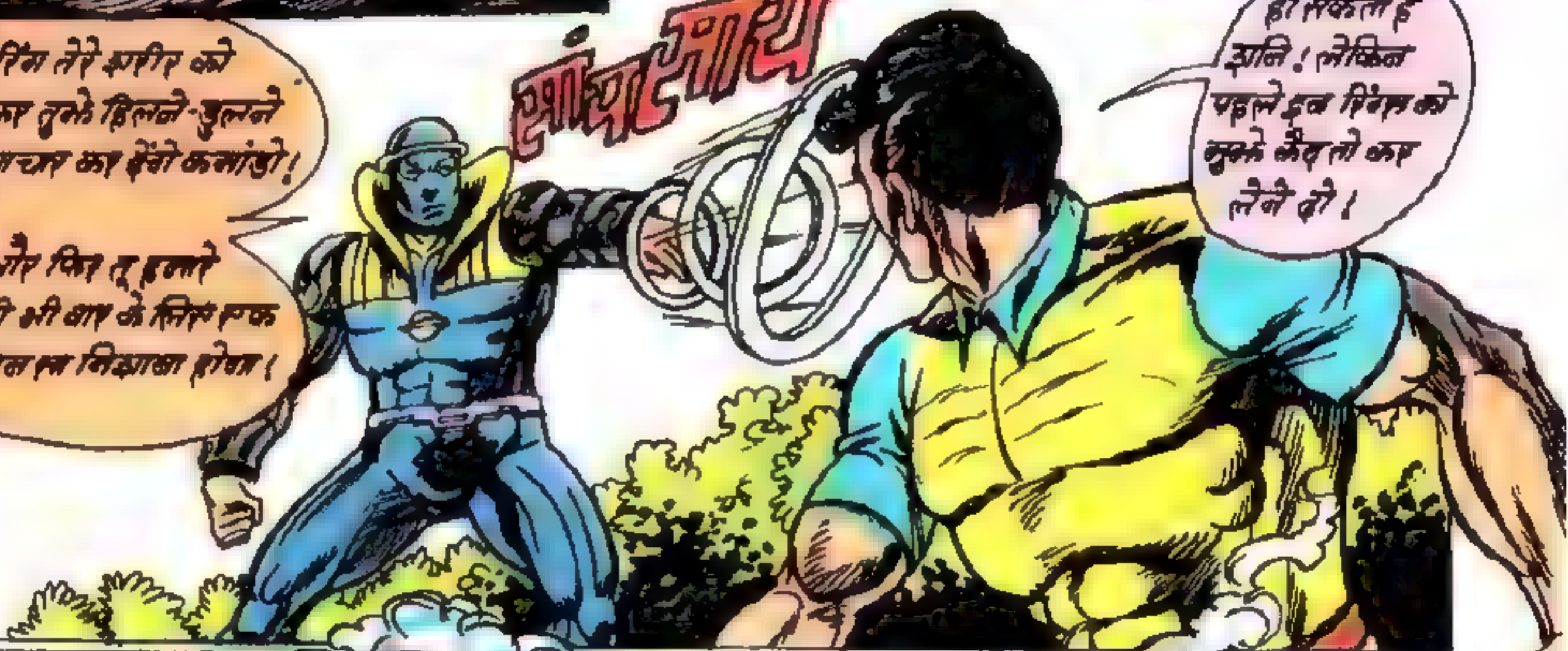


ये रिंग तेरे शरीर की
जकड़कर तुम्हें हिलने-डुलने
से भी लाचार कर देंगे कसांडो!

और फिर तुम्हारे
किसी भी धार के लिए एक
असमर्थता निबटाता होगा।

झाल

हो सकता है
झाल! लेकिन
पहले इस रिंग को
तुम्हें कैद तो कर
लेनी दो!

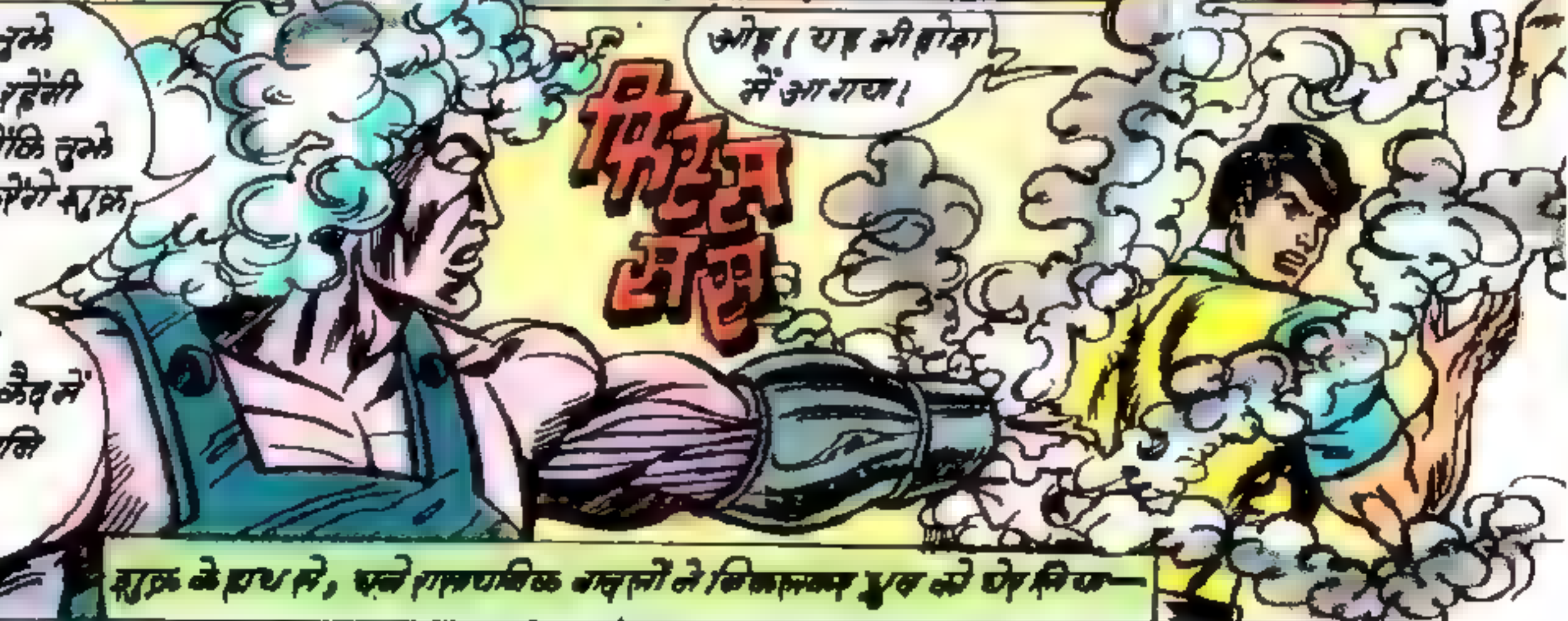


ये रिंग तो तुम्हें
कैद करके ही रहेंगी
कसांडो! क्योंकि तुम्हें
पहले बेकार करेंगे शूट
के बावत।

और फिर
तुम्हें अपनी कैद में
पीस डालेंगी झाल
के धतने।

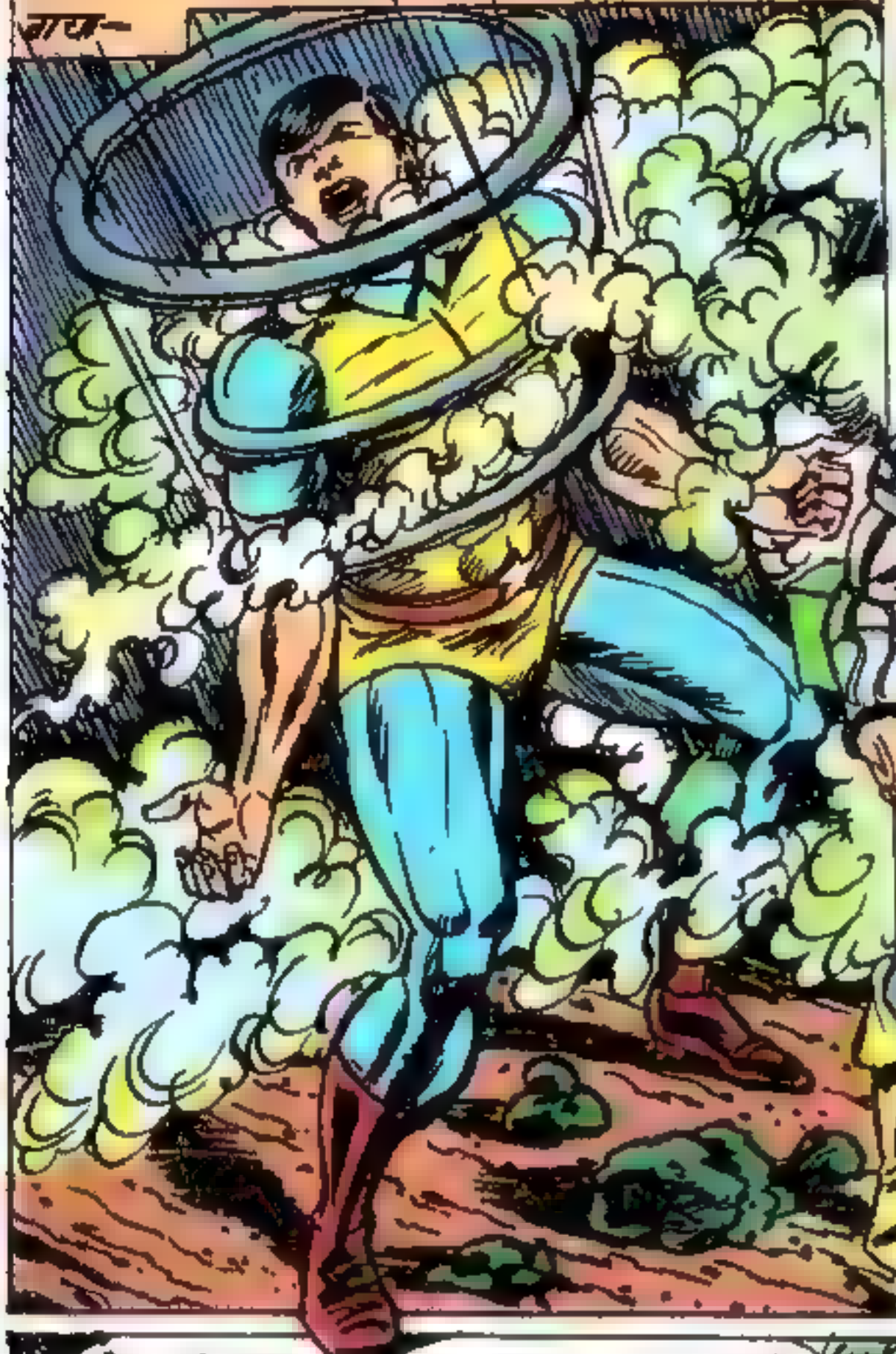
ओह! यह भी होका
में आ गया!

झाल



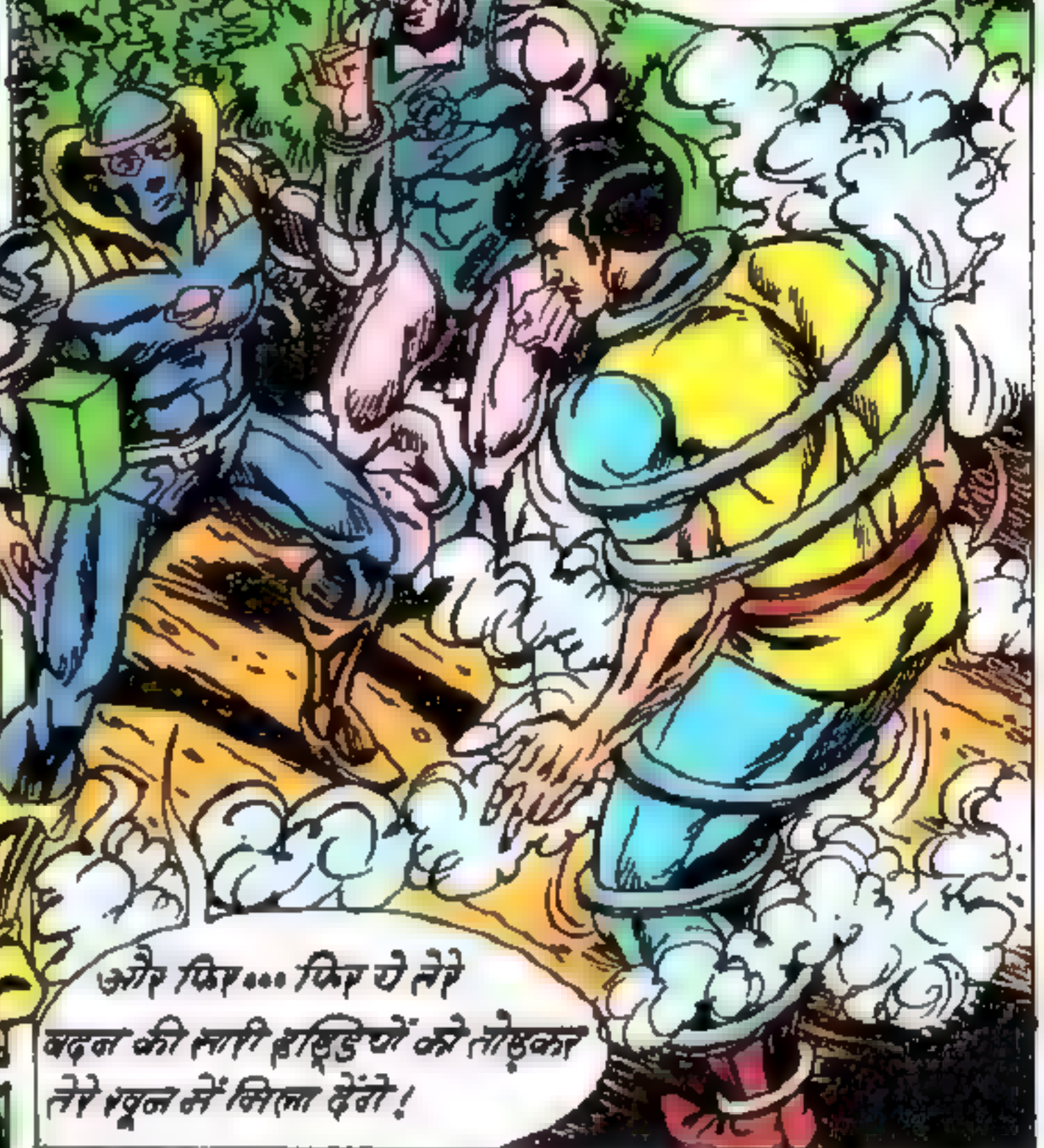
शूट के साथ से, धने रासपविक बचलों ने बिकसक धुल को धे सिख—

असोनिया और कर्बन-डाइ-ऑक्साइड गैस के घने बादलों में घिरकर धुब कुछ पलों के लिए चकरा गया—



हा हा हा ! सुपर कमांडो धुब ! अब इन धूलों के बाहर तेरी लाड़ा ही जाएगी !

ये धूलने हवा की कमी मोर-कर पहले आकाश में बढ़ते हैं; अब ये जैसे-जैसे तेरे दायरे की रास्ते से नसी उड़ती जाएगी, ये धोटे होते जाएंगे !



और फिर... फिर ये तेरे बदन की सारी हड्डियों को तोड़कर तेरे रगड़ में मिला देंगे !

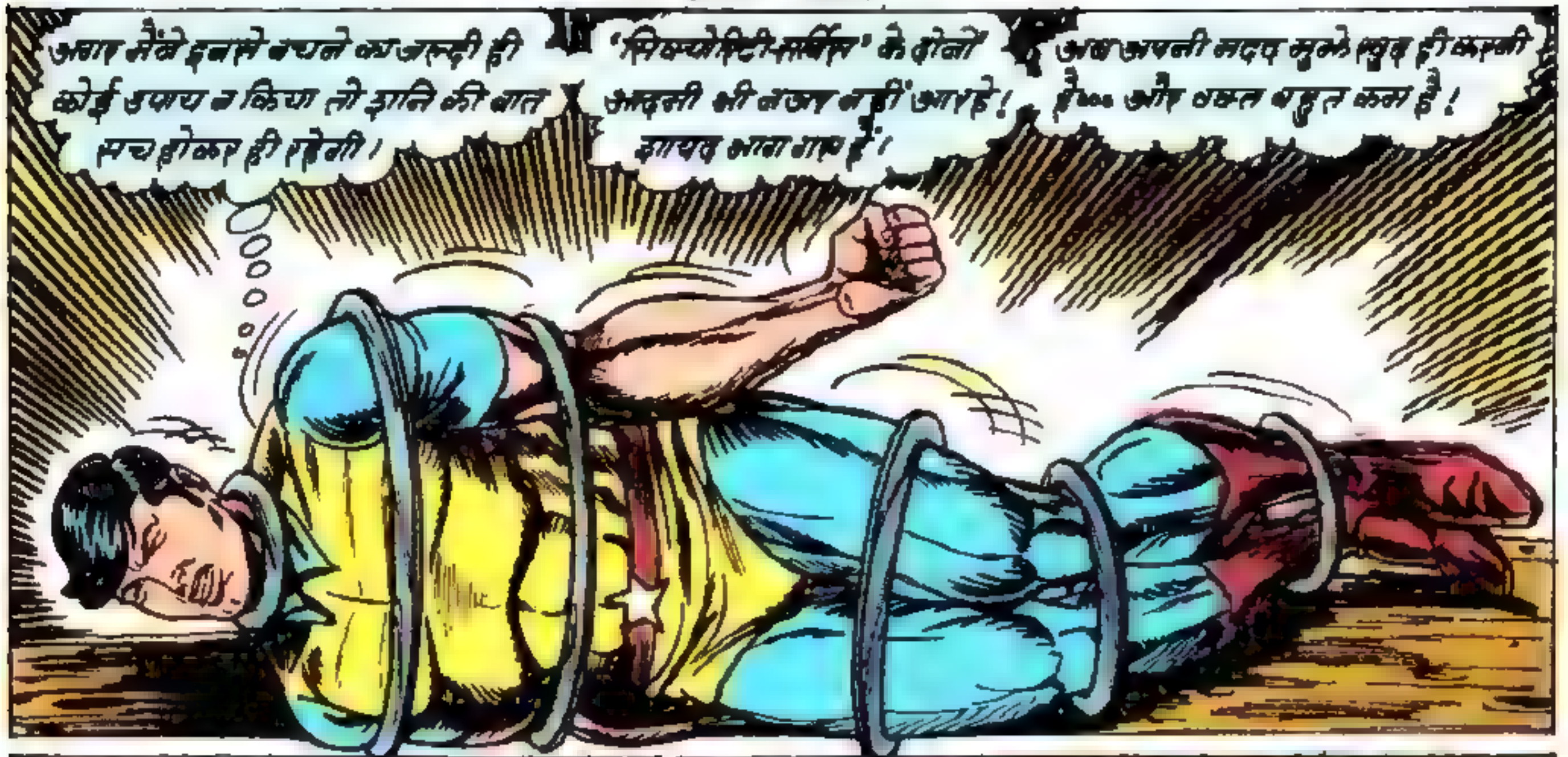
और तुम्हें मिलेगी गुड बाय, सुपर कमांडो ! एक भयानक अब नर्क में मुलाकात होगी !



ओह ! ये बोलो भरा रहे हैं, और मैं इनको रोकने के लिए कुछ भी नहीं कर सकता ! क्योंकि फिलहाल तो मुझे अपनी जान बचाने का रास्ता सोचना है !



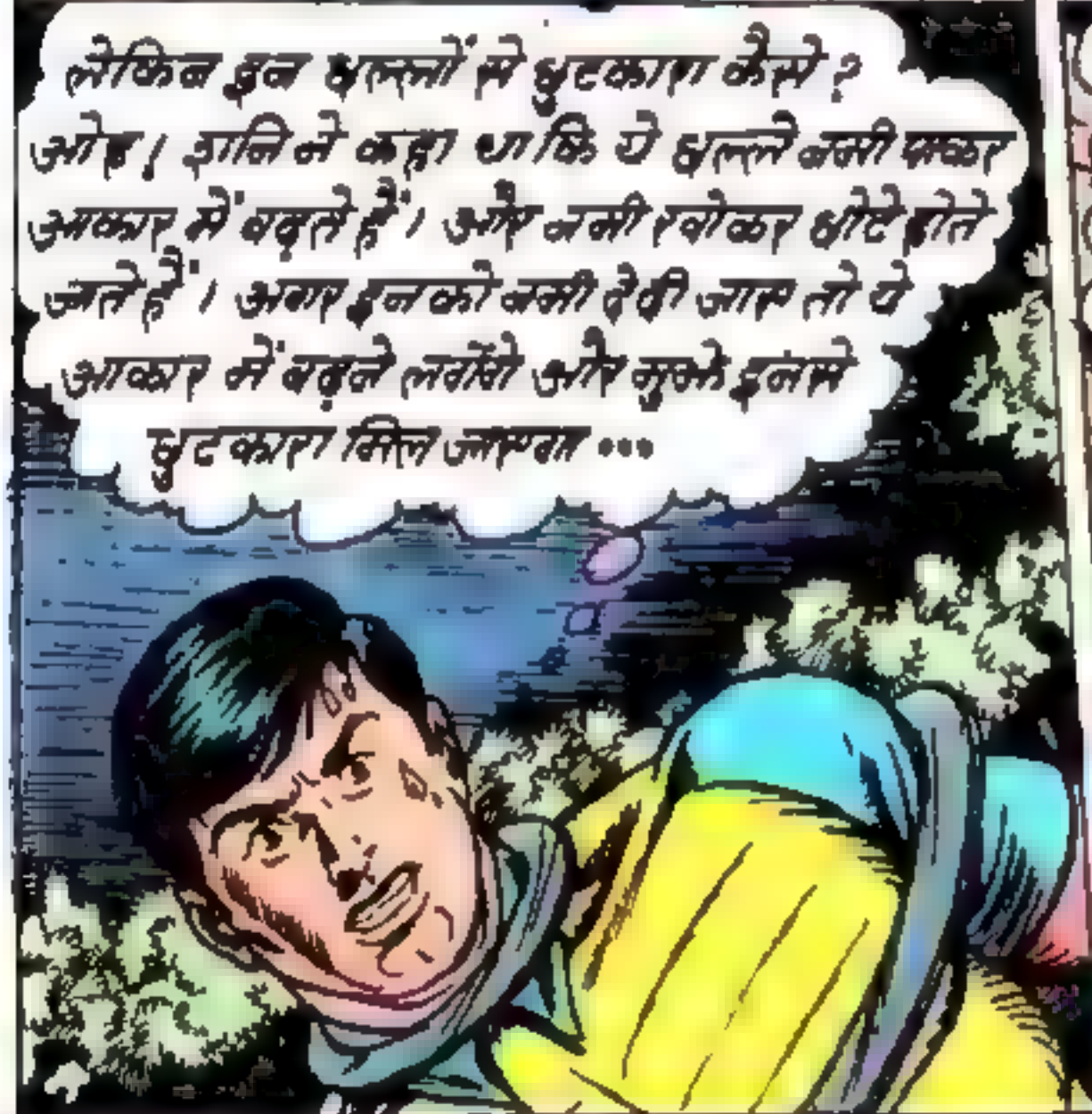
क्योंकि ये धूलने मेरे दायरे को काटते जा रहे हैं !



अगर मैंने इनसे बचने का जल्दी ही कोई उपाय न किया तो डानि की बात सच होकर ही रहेगी।

'सिम्प्योपिटी-सर्विस' के दोनो आदमी भी नजर नहीं आ रहे! डायव भाग गए हैं।

अब अपनी मदद मुझे खुद ही करनी है... और वक़्त बहुत कम है!



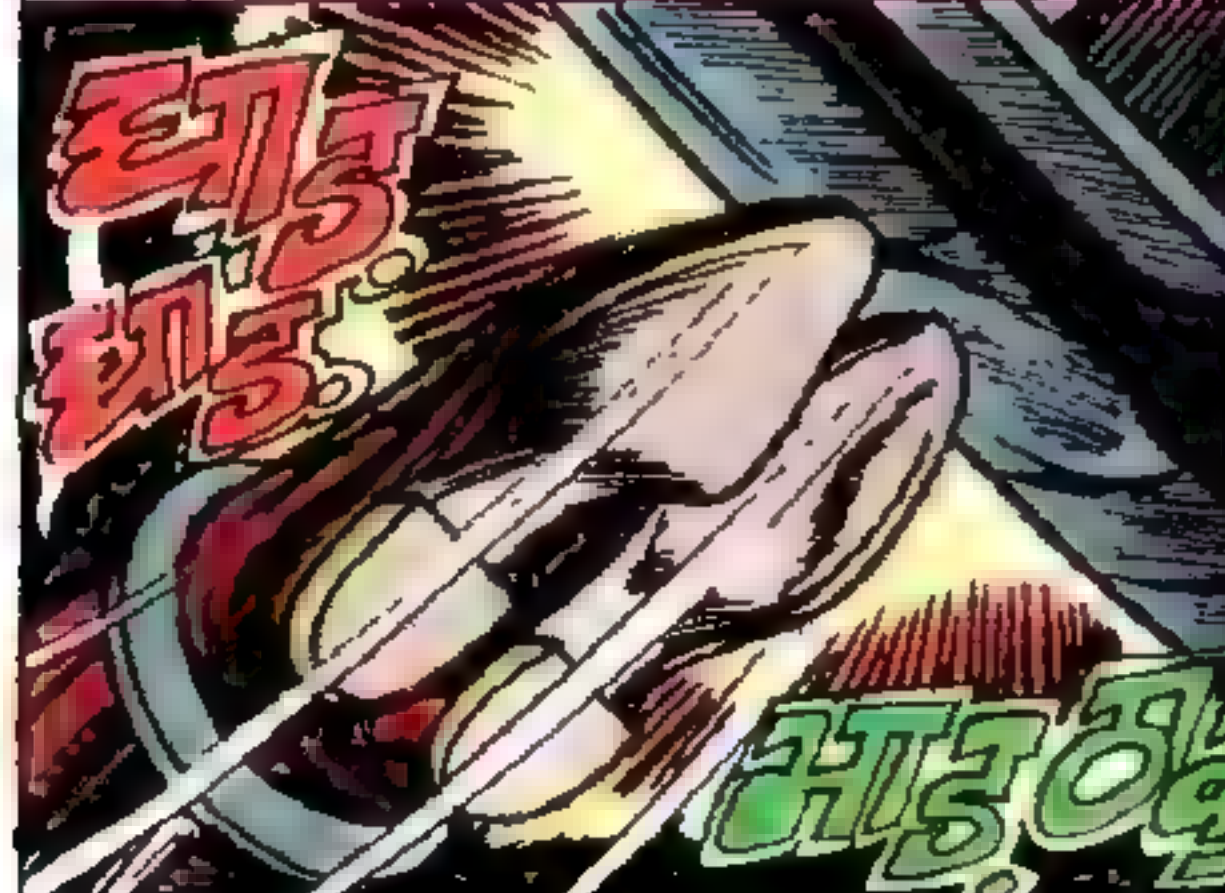
लेकिन इन धूलनों से धुटकारा कैसे? ओह! डानि ने कहा था कि ये धूलने जमीन फकर आकार में बढ़ते हैं! और जमीन खोकर छोटे होते जाते हैं! अगर इनको जमीन देवी जाए तो ये आकार में बढ़ने लगेंगे और मुझे इनसे धुटकारा मिल जाएगा...



... और इन धूलनों को जमीन देगा...
... इस वैन के रेडिस्टर में भरा पानी!

और 'रेडिस्टर' पर कुछ मछो हल कारों के बाव...

धुव का बदम, लुढ़कता हुआ, वैन तक पहुंचा—

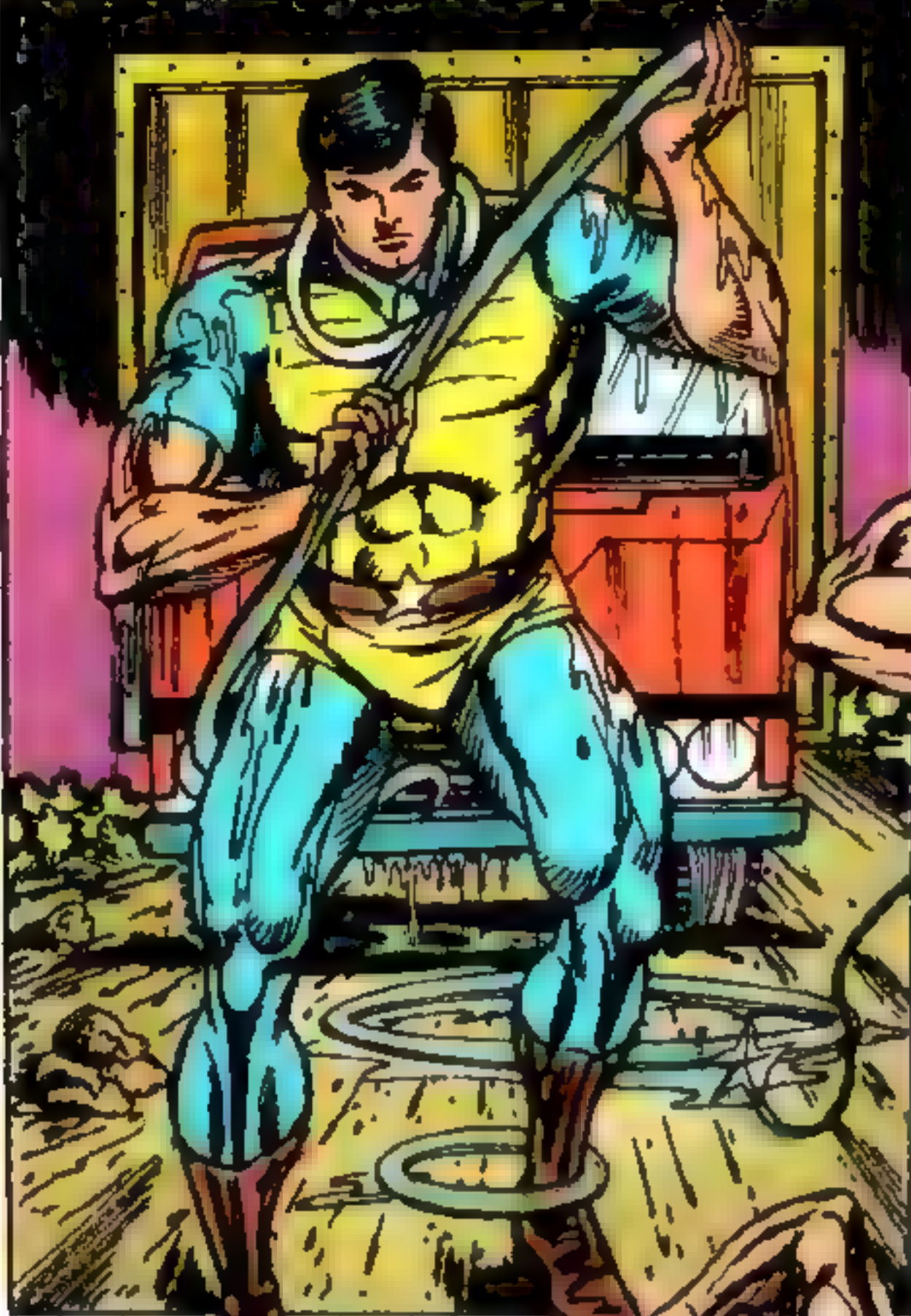


... 'रेडिस्टर' में धड़ हो गया—

धड़
धड़
धड़

और पानी की बूंदें टपककर धूलनों को निगाले लगीं—

कुछ ही पलों का भ्रम, धूलों से अजाब था—



इतनी देर में मेरे अलावा सभी लोग यहाँ से भाग चुके हैं। और वैन का बेड़ा कीमती कंसाइनमेंट भी लुट चुका है!

अब यहाँ पर लकने का कोई फायदा नहीं है!



रात का अंधेरा भ्रम को बिगड़ गया—



और इसी वक़्त— राजेंद्र की सबसे बालकाइ इसलतों से ले एक से—

तुमको इंडियन लाइफ्स का चीफ एग्जीक्यूटिव मैनेजर बनाया है भैंरे! याद है न?
तुम्हारी नौकरी और इज्जत भी मेरे हाथों— कलम पर है...

Shri. Laxmi



इस मूर्ख बेद्वे को यह पता नहीं है, कि मेरे दो आदमी, लताड़ा के पीछे पाँच फीट की दूरी पर उसके लिए को रकींचकर पहले से ही लगे हुए हैं... उसके धड़ से अलग कर देंगे!

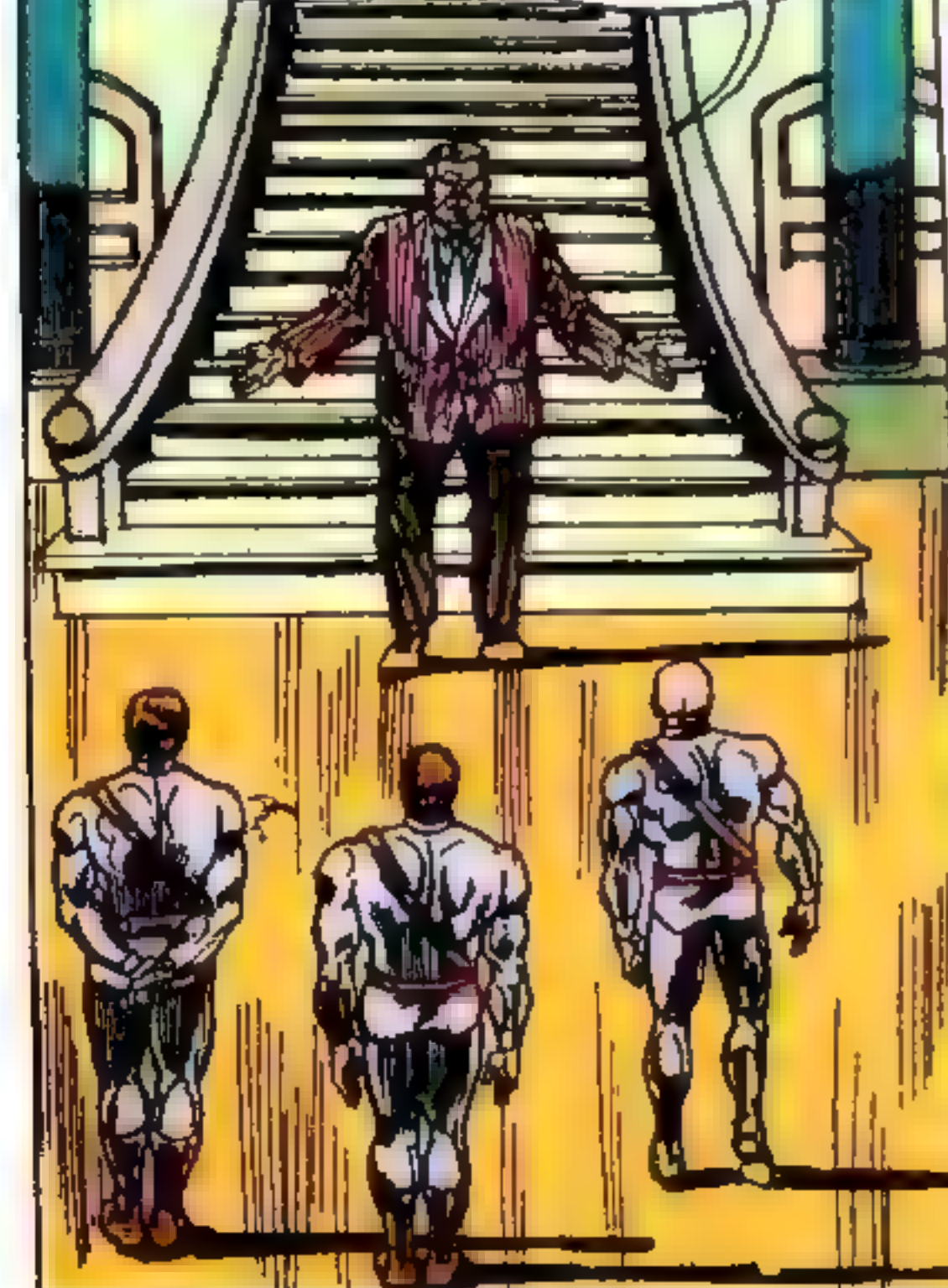


हमारे आदमी ज़पस आ गए हैं, बाकी सर!

आ गए? चलो, मैं आता हूँ!



लाओ, बैली, और... समूल खान कहाँ हैं वे अबसोल नजर नहीं आ रहा। वह रत्न? कहाँ रह गया?



अच से थर-थर कांपता बैली सब कुछ हाइ स्पीड टेप की तरह उबालता चला गया—

ओह! बे रत्न तुम्हें इसलिये चाहिए थे, ताकि मैं उसको बेचकर पैसा कमा सकूँ, और उस पैसे से राजनीतिज्ञों को खरीद-खरीदकर अपनी जेबों में रख सकूँ।

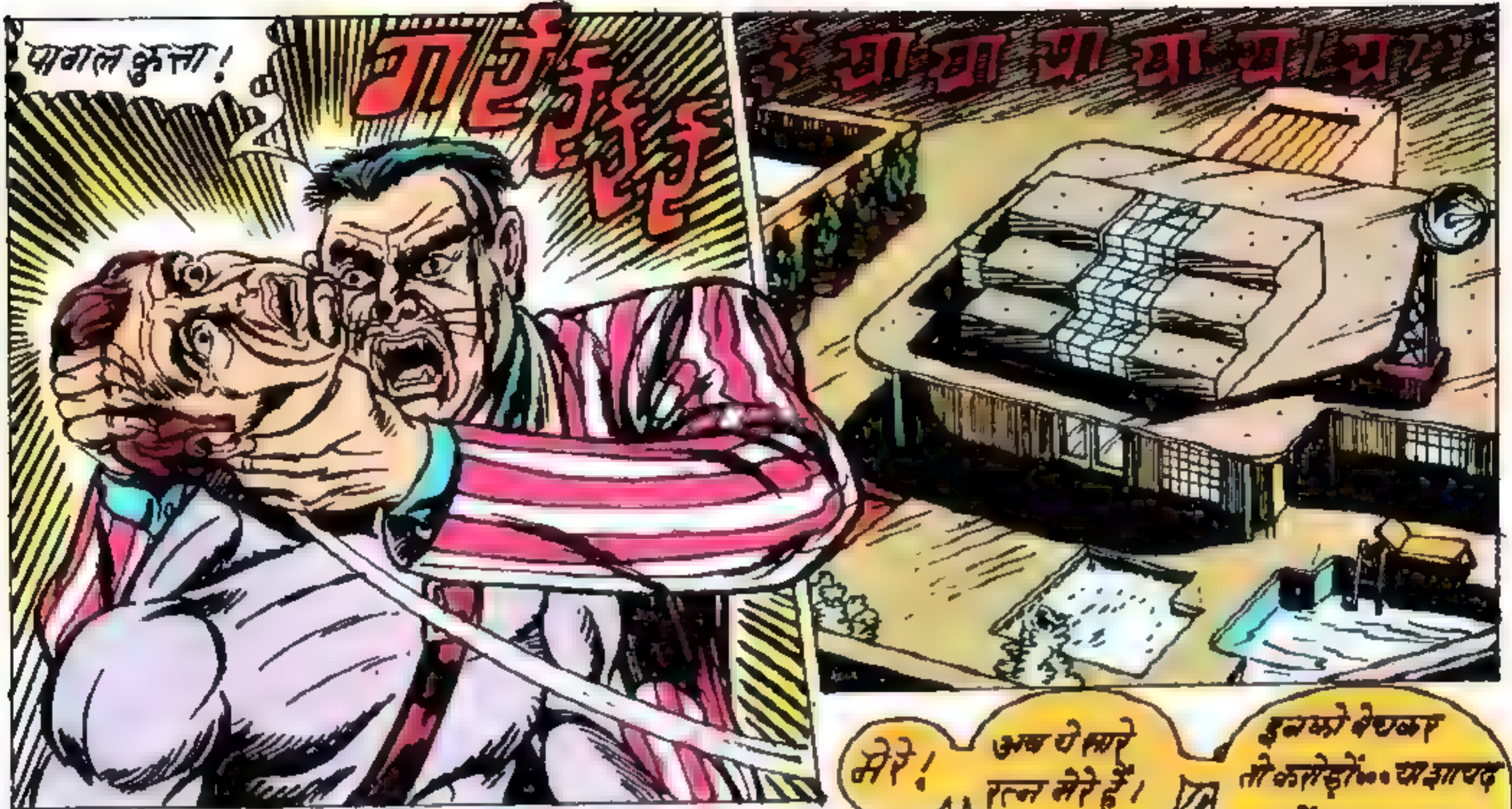
बुनिया की नजरों में मैं एक बिजनेसमैन हूँ। बहुत बड़ा बिजनेसमैन। लेकिन मेरे पैसे कमाने का जरिय तो अपना ही है।



और उस जरिय को तुम्हने मुझसेल पहुंचाया है। और ऐसा करके तुम्हने मुझे गुस्सा दिलाया है...

...और बाकी को जब गुस्सा आता है, तो वह बल जता है...





पागल कुत्ता!

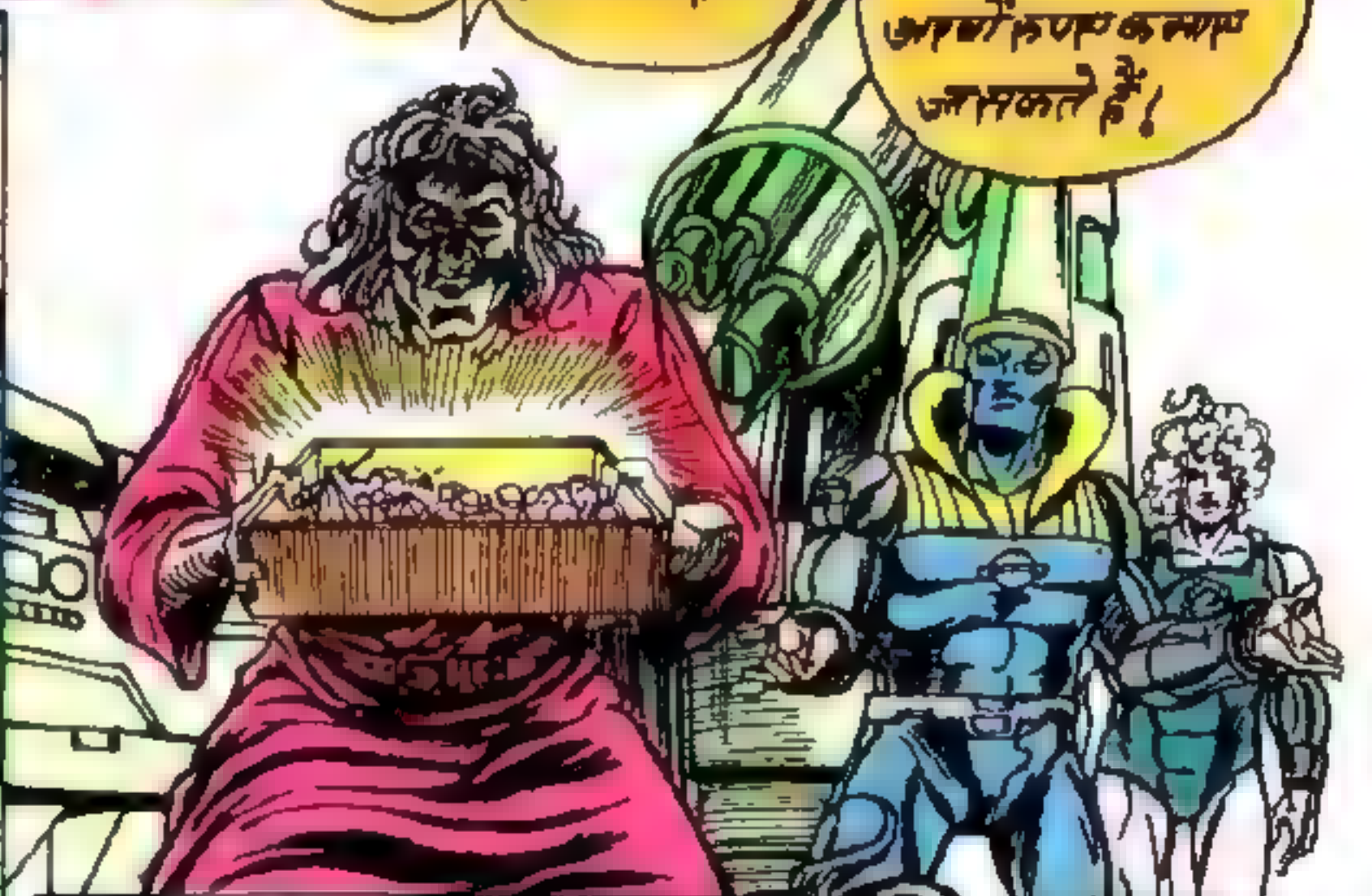
गार्हपत्य

इ या या या या या या

मेरे! अब ये सारे रत्न मेरे हैं।
इन्हें बेचकर ती करोड़ों... या ड्वायड अफवां कपड़ों का सामान जमा सकते हैं!

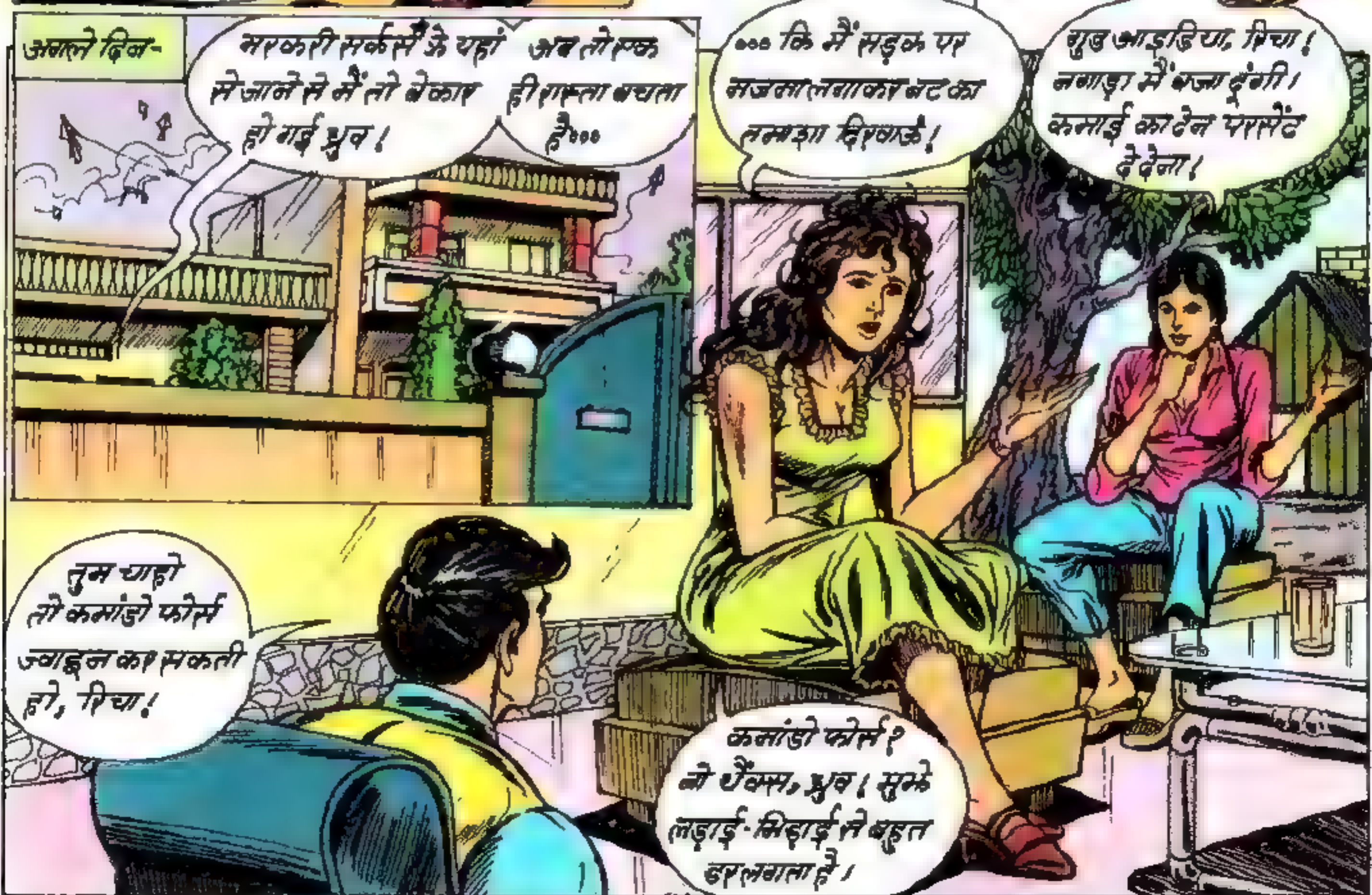
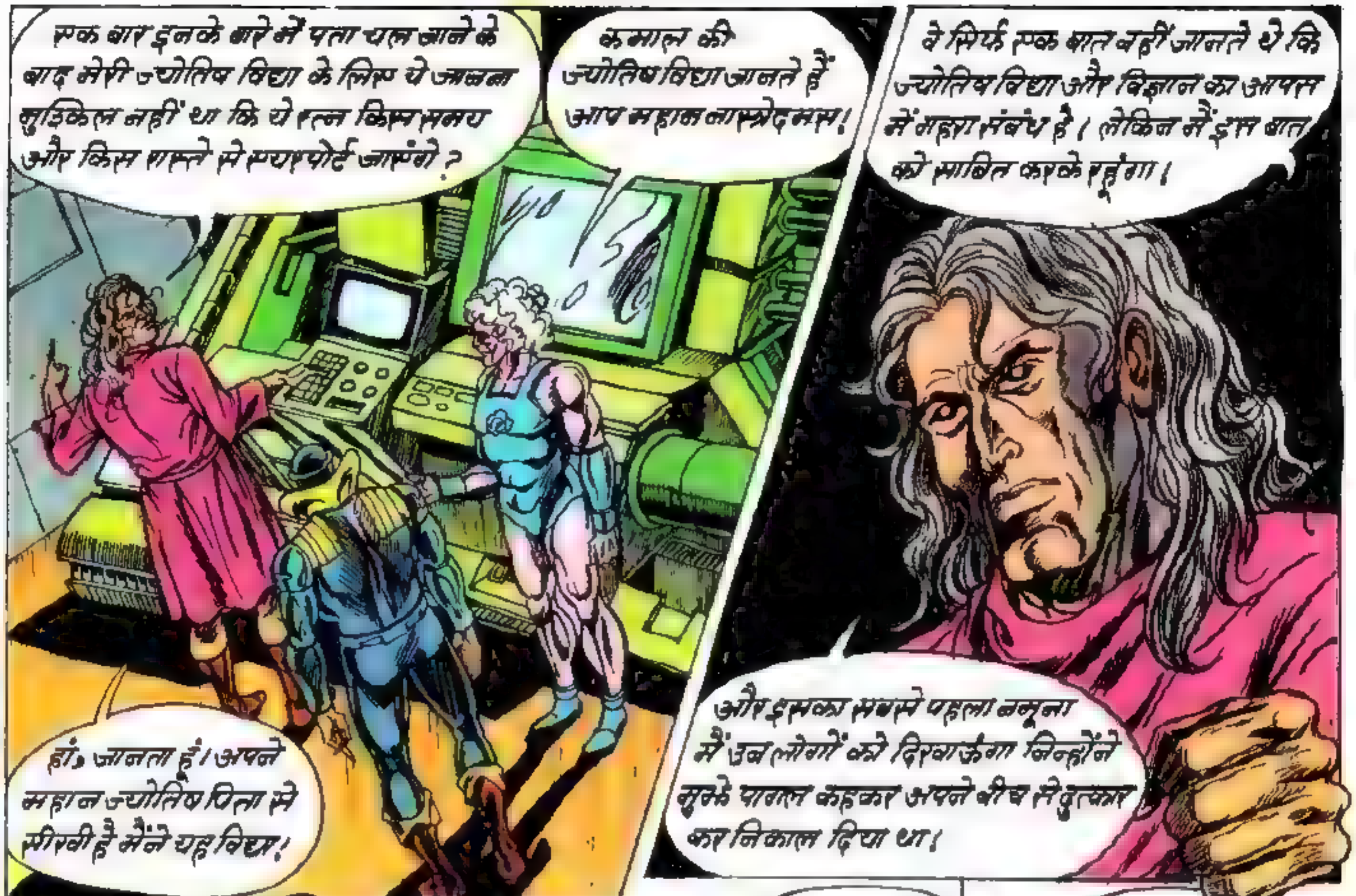


ले जकर फेंक दो इस लुची हुई लाश को समुद्र में!
और यह पता लगाओ कि वे दो लो आदमी कौन थे और किसके थे?



ये रत्न पैसा जमा कर सकते हैं लेकिन बिककर नहीं।
ये सारे रत्न हीरा, पन्ना, युवराज, नीलम, मूंगा बहुत हाई क्वालिटी के हैं। एक भी नुकसान नहीं है इनमें। इसलिए इनको एक खास अंतर्राष्ट्रीय कीलामी के लिए भेजा जा रहा था।







तो फिर मुझे यह बताओ कि तुम्हारी फ्रिज जिम्नास्टिक के अलावा और किस किस चीज में है!

कंप्यूटर!

वाह! तब तो तुम कमांडो हैडक्वार्टर के नाम सुपर कंप्यूटर को संभाल सकती हो!



हुम! संभाल ले सकती लेकिन काम करने के हैं। मैं एक सक्सेसफुल सिनियर प्रोफेशनल की कंप्यूटर-प्रोबलम हूँ। अकारण होती है। मैं कमांडो हैडक्वार्टर में बैठकर काम नहीं कर सकती!

जो प्राबलम! मैं तुम्हारे अपार्टमेंट में एक 'कंप्यूटर टर्मिनल' लगाकर उसे अपने सुपर कंप्यूटर से कनेक्ट करवा देता हूँ...

... उसके बाद तुम घर बैठे मेरे सुपर कंप्यूटर को हैंडल कर सकती हो!

काम भी हो जाएगा और तुमको प्रकान्त भी मिल जाएगा!

रुड आइडिया, धुब! मुझे तुम्हारा प्रस्ताव मंजूर है!

बाकी बातें बाद में करेंगे, तुम कंप्यूटर टर्मिनल रिच। अभी मुझे कुछ जरूरी लगावजो, मैं बाद में काम निबटाने हैं।

तुमसे मिलता हूँ।

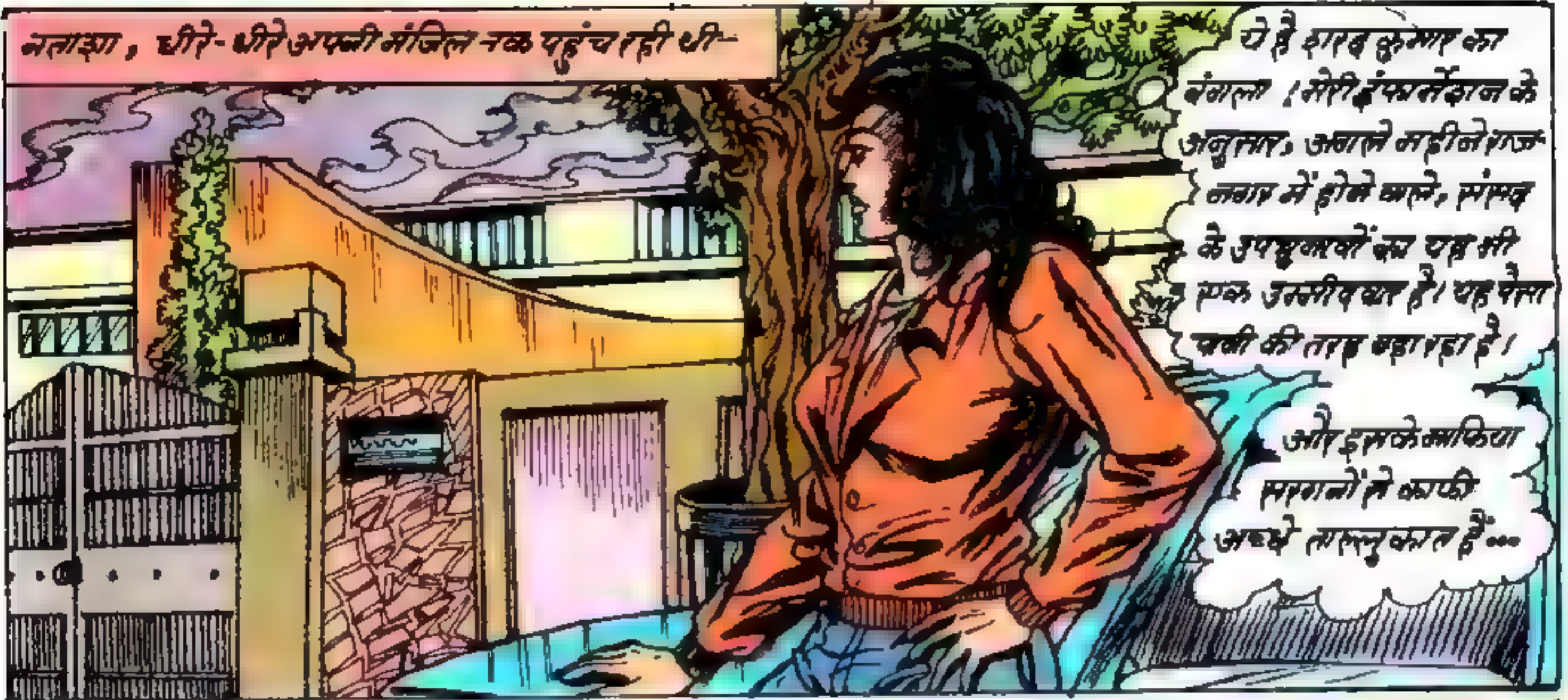


तुमने अपनी बुद्धिमत्ता अब जब तक तुमसे सुझाव नहीं लेते कैंकर्ट को भी अपना मिलती, तब तक मेरा सल्लय कैसे भक्त बना लिया है कहेगा, यह तो मुझे भी नहीं धुब! मालूम!



ले ००० लंबाता है एक और कन्या भद्रय पर धराकायी हो गई!

नताशा, धीरे-धीरे अपनी मंजिल तक पहुंच रही थी-



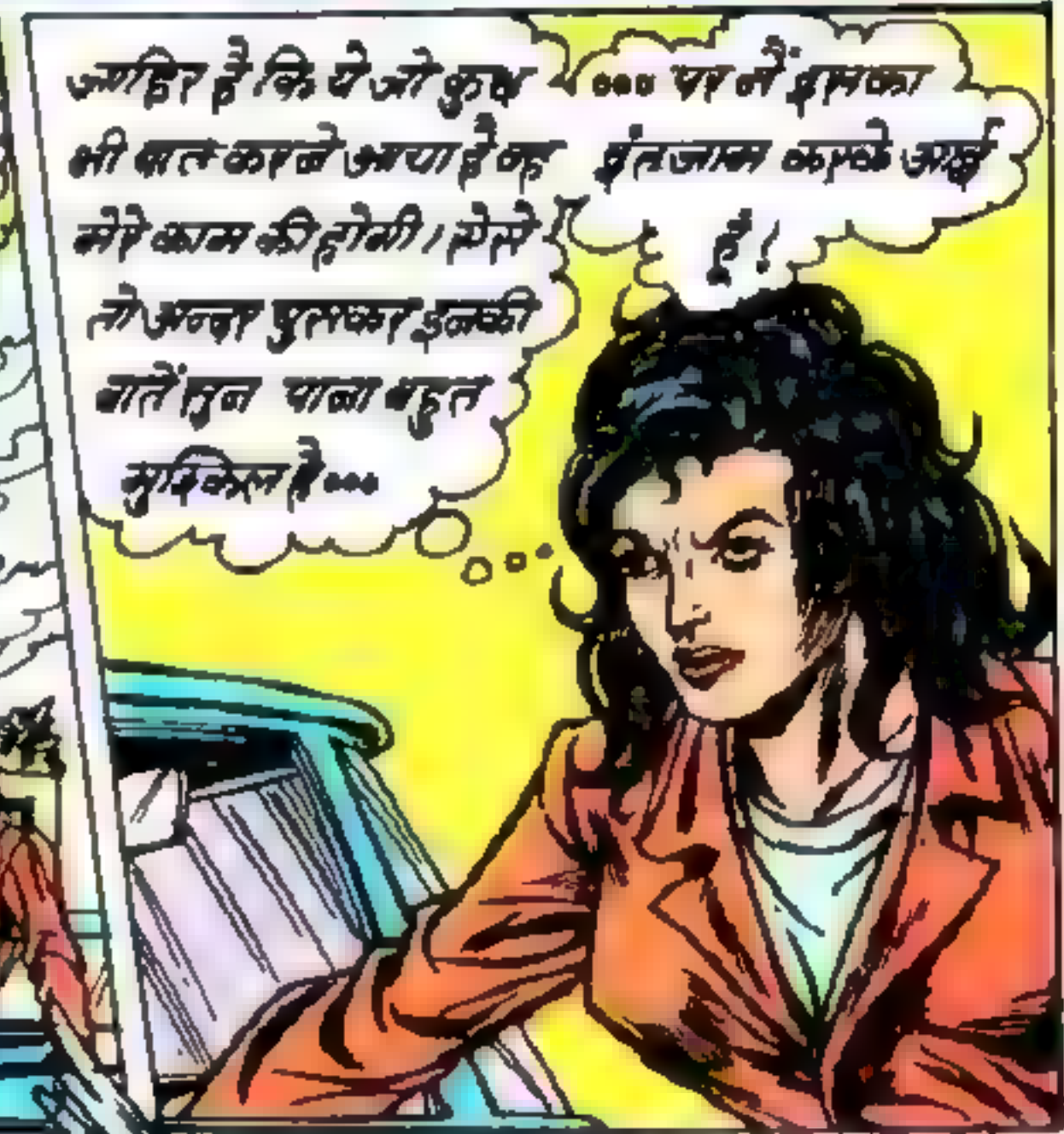
ये है दारु कुमार का बंगला ! मेरी इंफॉर्मेशन के अनुसार, अगले महीने राज-नगर में होने वाले, संसद के उपसभाओं का यह भी एक उत्सव है। यह पैसा खरी की तरह बहा रहा है।

और इस के माफिया सरगनों ने काफी अच्छे ताल्लुक रखे हैं...

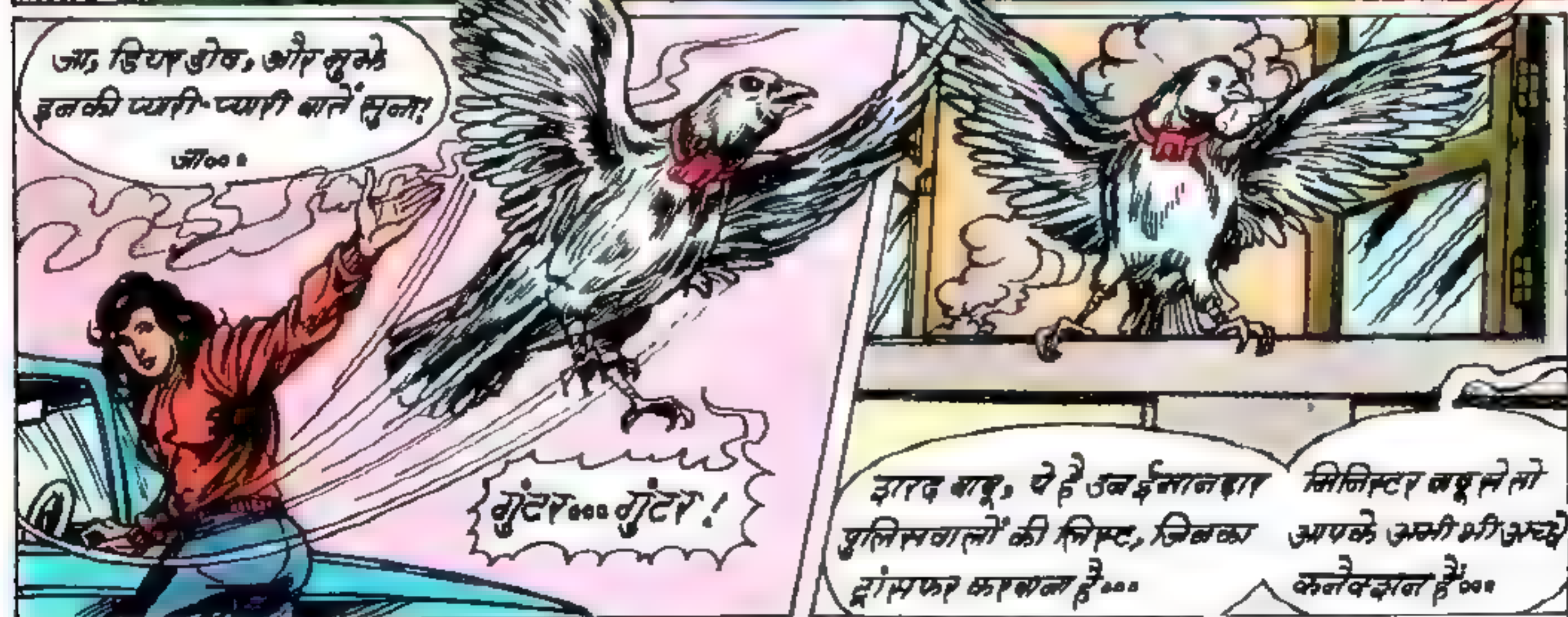


... और इस वक्त भी इसके बंगले में मेरा यहां पर एक घुसने वाला यह आवसी किसी भी कोण घंटे का इंतजार, अचिर से कारीफ नही लगा रहा है !

मेरा यहां पर एक घंटे का इंतजार, अचिर से कारीफ नही लगा रहा है !



जगह है कि ये जो कुछ भी बात करने आया है वह इंतजार करके अर्क मेरे काम की होगी। मेरे तो अच्छा पता है इसकी बातें सुन घना बहुत मुश्किल है...



आ, डिप्टी डायरेक्टर, और मुझे इसकी प्यारी-प्यारी बातें सुना!

जी...

गुंटर... गुंटर !

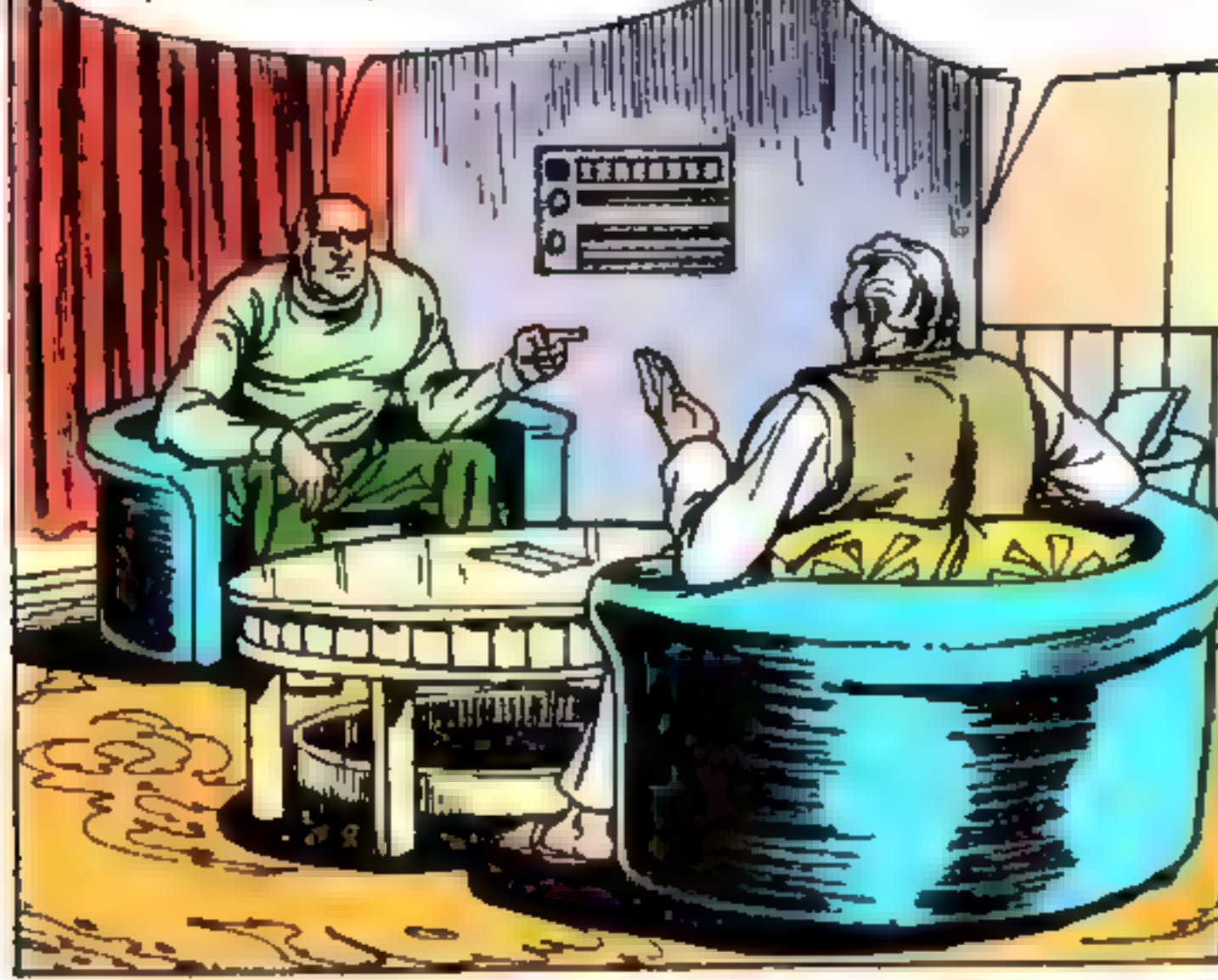
दारु बाबू, ये है उन ईमानदार पुलिस वालों की लिस्ट, जिन्हें आपका अमी भी अच्छे कनेक्शन है...

मिनिस्टर कबूते तो आपके अमी भी अच्छे कनेक्शन है...

...वैसे भी, ये बात तो वो भी समझ ही रहे होंगे कि इस चुनाव क्षेत्र से तो आपको ही जीतना है!

बी० आई का सहयोग रहा, तो इसको जीतने से कौन रोक सकता है...

...तुम बी० आई को बोल देना कि उनका काम हो जाएगा! उनके इलाके में ये पुलिस वाले बुबारा नजर नहीं आएंगे।

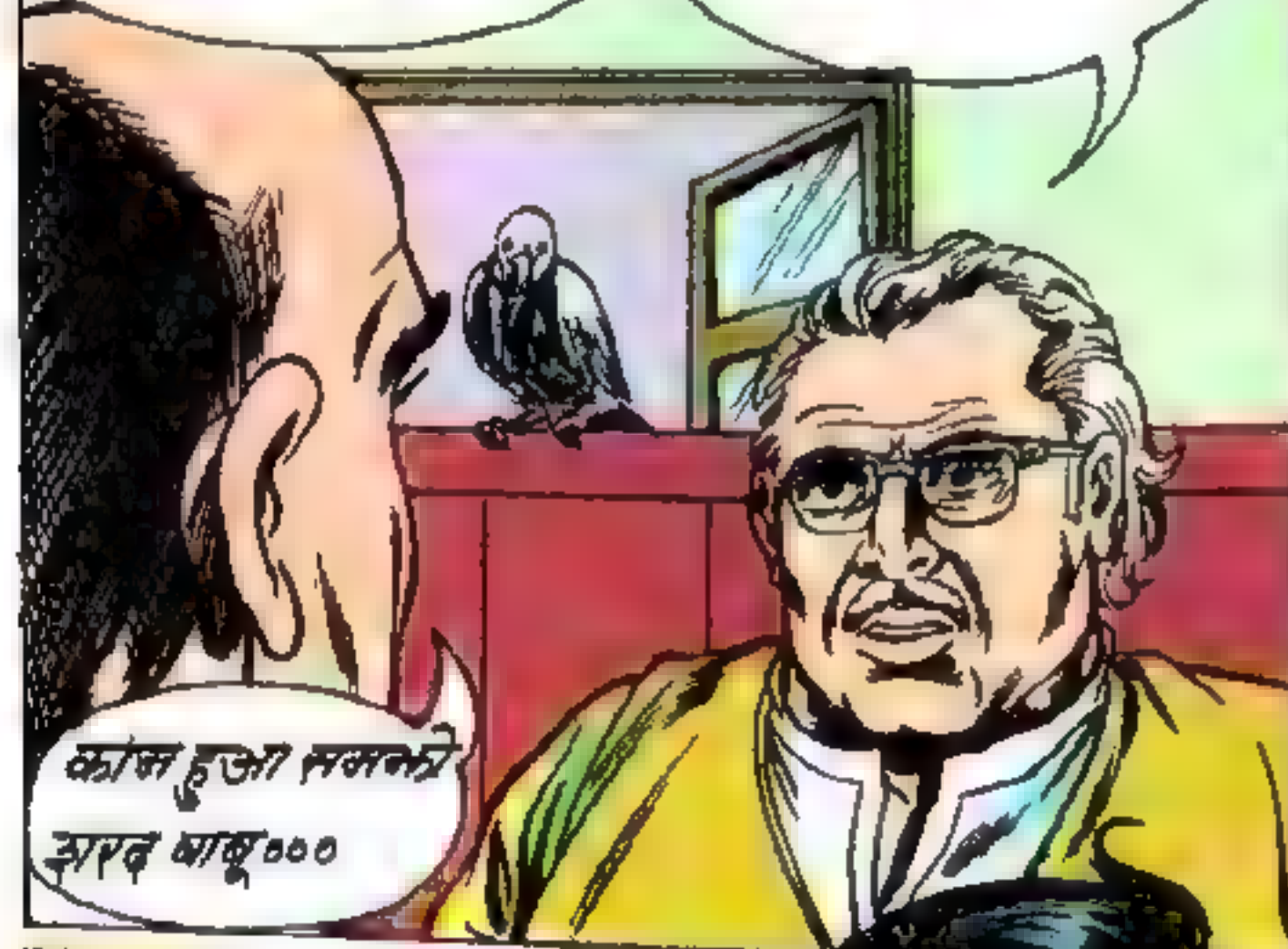


बी० आई तक हमारी तक और ... हमारे खिलाफ सबूत इकट्ठा पहुंचा देना! चार-पांच तक बिपत्ती उसीद्वारा के आदमी भेज दें...

होड़ा ठिकाने लगाने हैं।

... अब हम जमत हैं। जमाकार झारद बाबू...

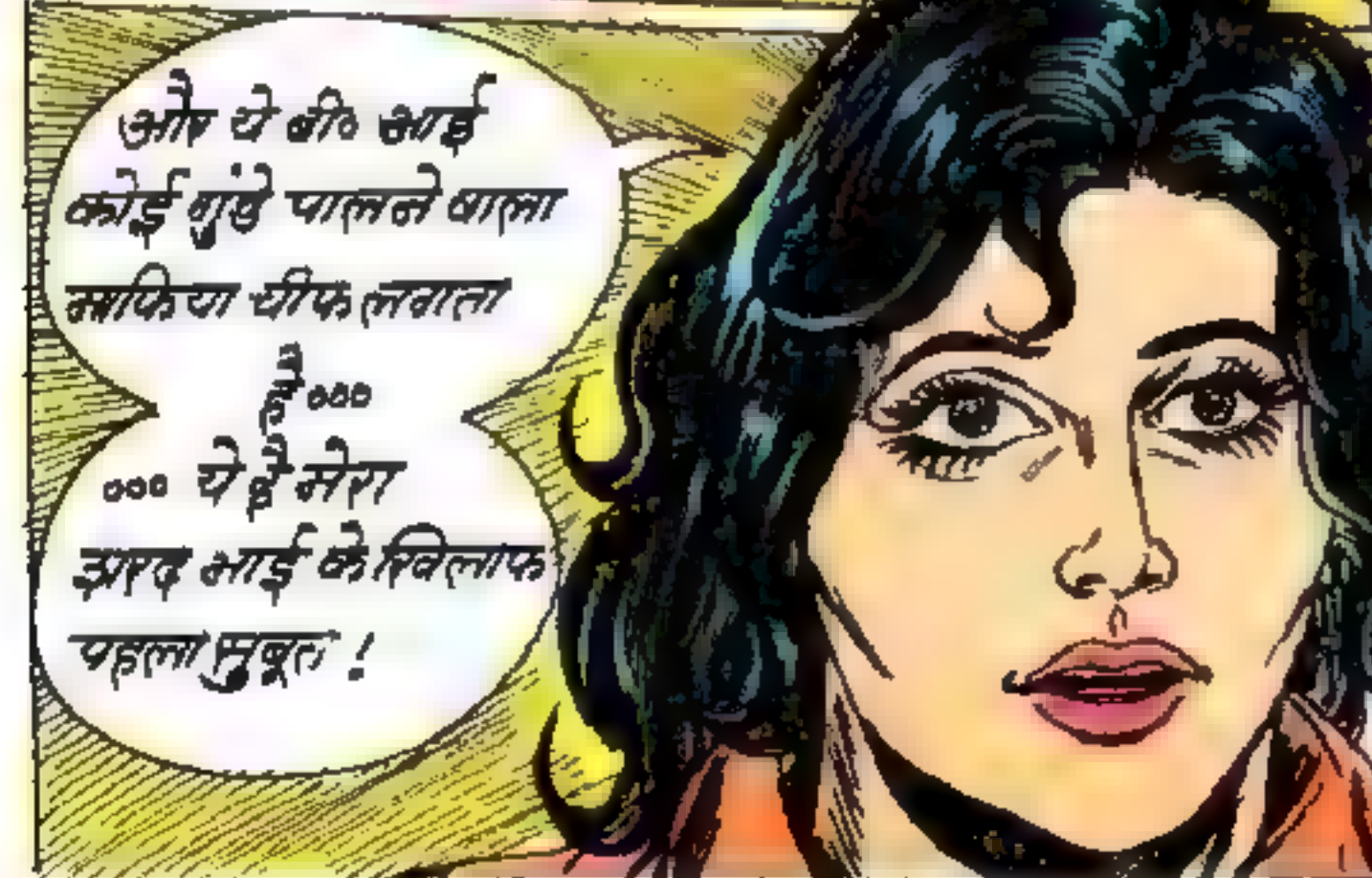
कबूतर की गर्दन में बंधा हुआ साक्षरों ट्रांसमीटर, एक-एक शब्द को नताका के टैपिकार्ड तक पहुंचा रहा था—



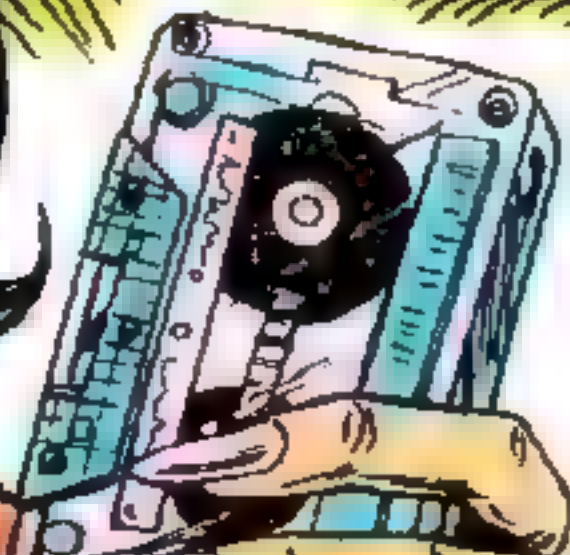
काज हुआ समझी झारद बाबू...

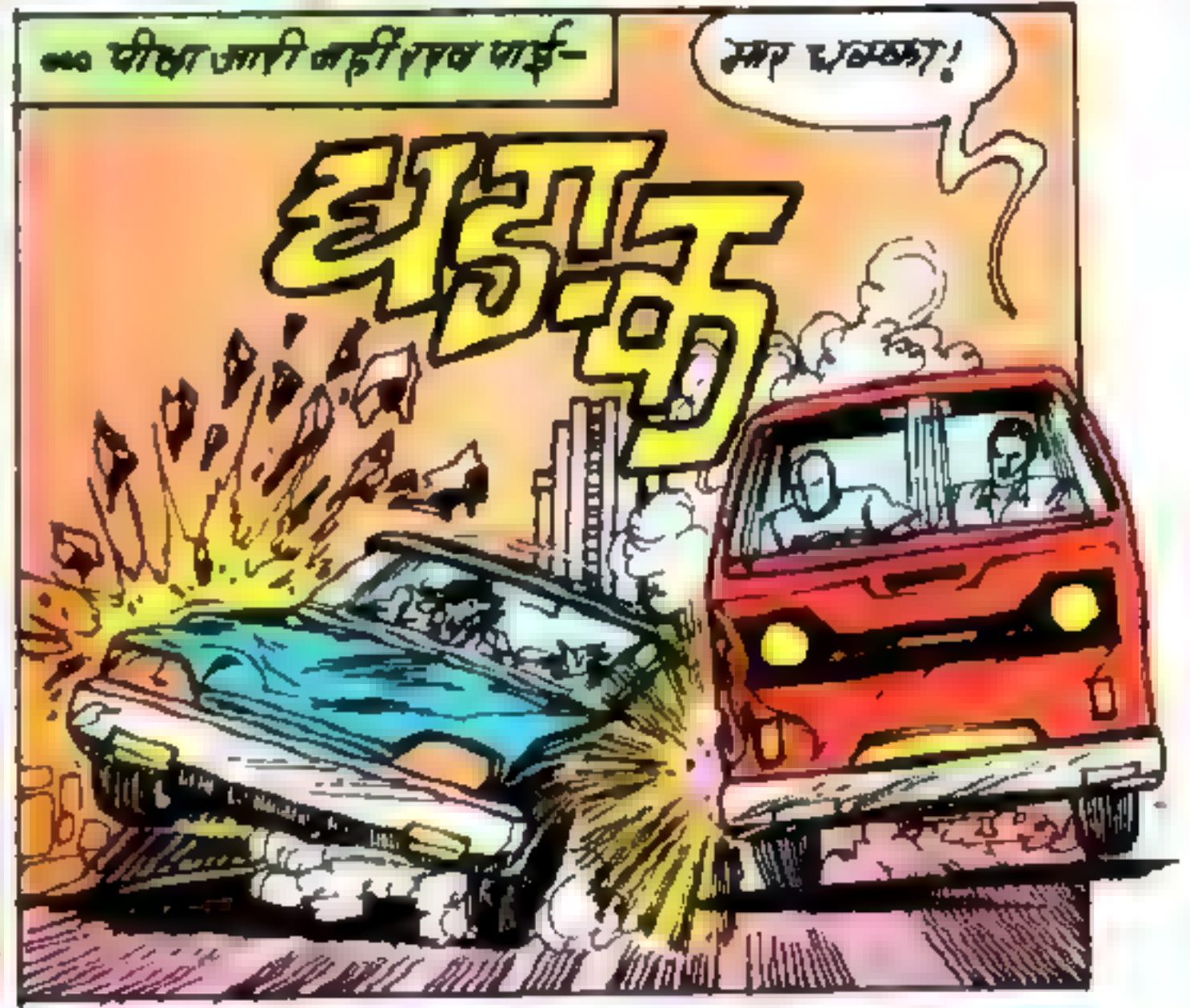
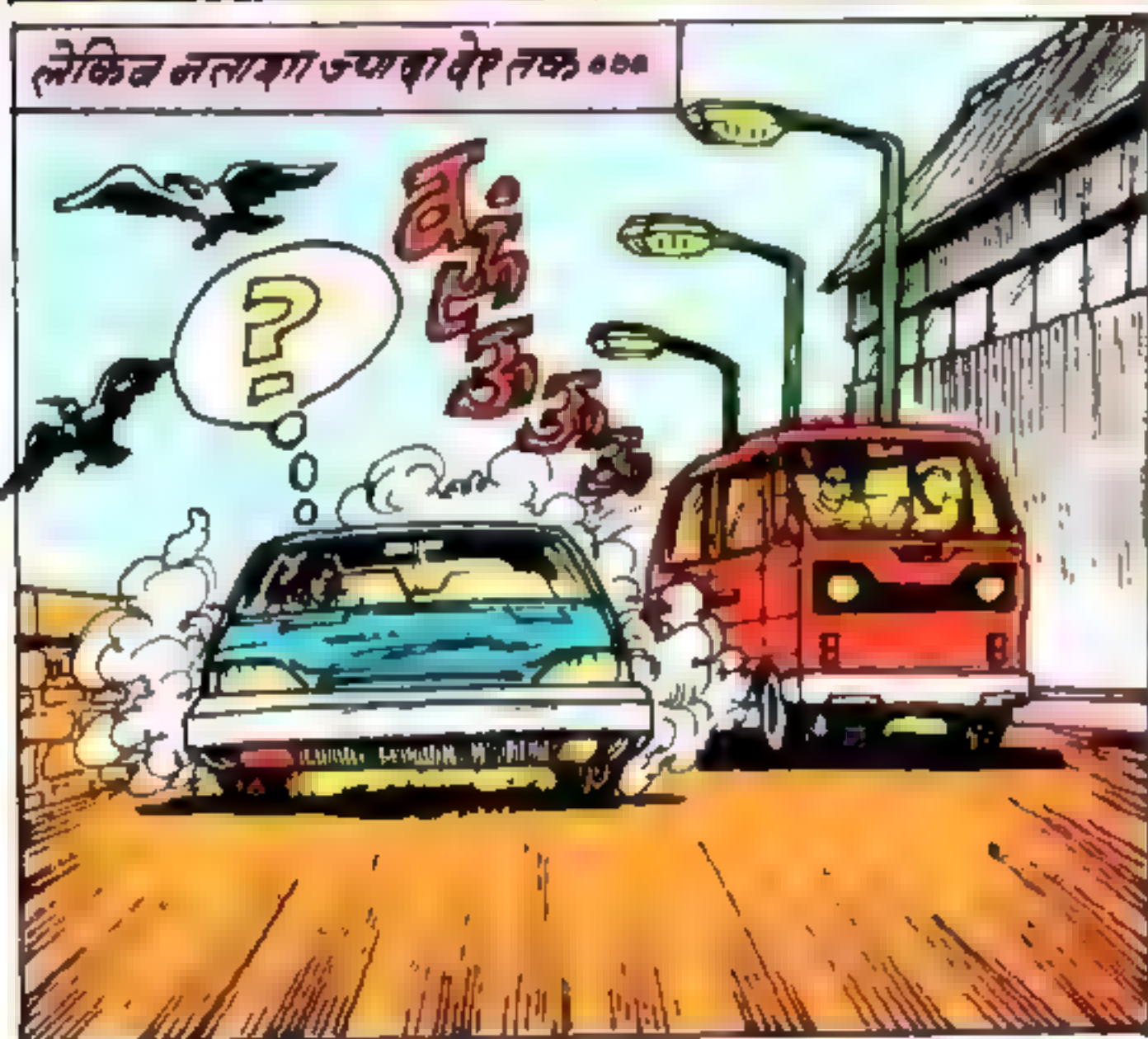
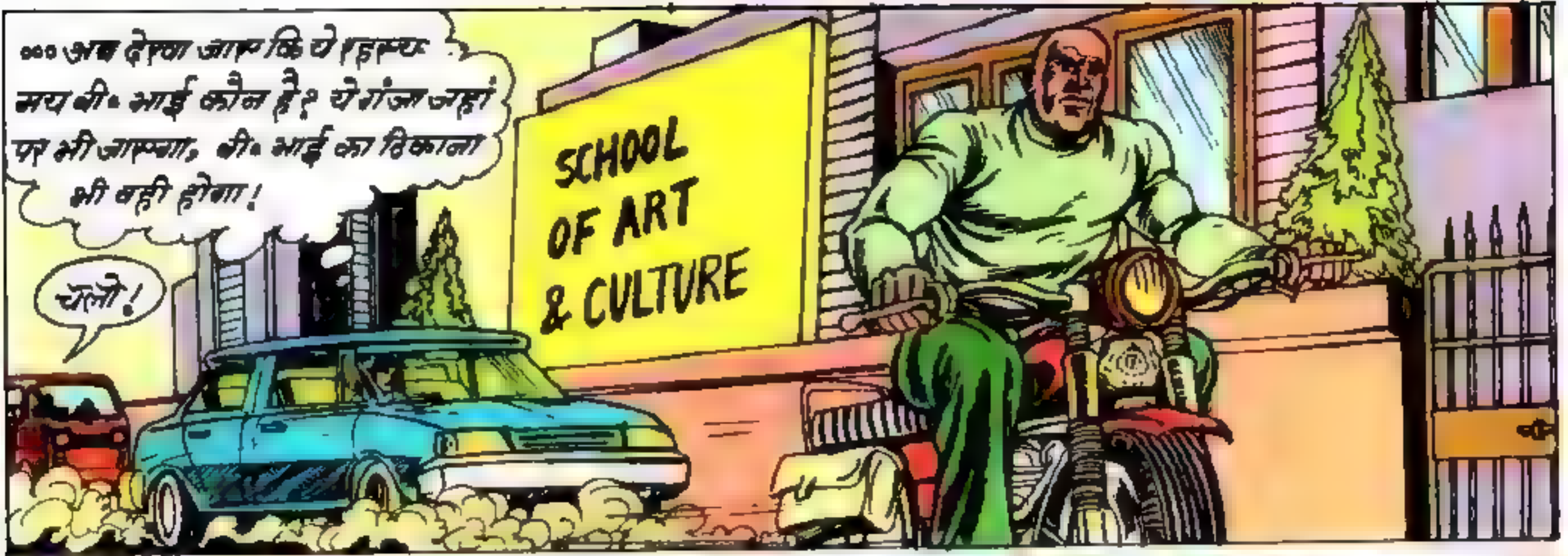


मेरा लयाल सही निकला! झारद कुमार का किसी बी० आई से संपर्क है!



और ये बी० आई कोई गुंथे पालने वाला मफिया चीफ लगता है...
... ये है मेरा झारद आई के खिलाफ पहला मुकदमा!





और इसी दौरान राजनगर के सेंट्रल गवर्नमेंट हॉस्पिटल के बाग़रुह में-



इसके बारे में
कुछ पता चल चुका है
सही?

हमने अपनी सारी काइने
खान सारी भुख! यह राजनगर
का गुंडा नहीं है। इसको कहीं
बाहर से बुलाया गया था।



उस 'जेल कंस्ट्रक्शन' के पीछे
सुटेरों के बोरुट पड़े हुए थे! और
उन दोनों सुटेरों के बारे में ही इसको
कुछ नहीं पता!

को तुम्हारे बुरा और
कालि? उनका अपराध कोई
बोस होगा तो जल्द कोई
पगल स्पेसिफ़िक होगा...



होता है न? कोई बोस
पगल वैज्ञानिक होता है,
कोई विलेज प्रोफेसर!
बात, वैसे ही...

बायबल आपकी
कह रहे हैं। आइडिया
सोचने लायक है!



इंसपेक्टर खन्ना मुझ पर चंवर
कसते-कसते, आचरु मलती से
सही बोस गया!
बुरा और कालि के
अपराध करने के तरीके से साफ
पता लगता है कि उनका अपराध
करना गृहों की वास्तविक शक्तियों
पर आधारित है।

वे कहीं न कहीं खजाले काश्र खानी 'स्पेसो-
फिजिक्स' में जुड़े हुए हैं। आचरु राजनगर-
ऑब्जरवेटरी के डायरेक्टर मेरी कुछ मदद
कर सकें। उनसे मिलना होगा मुझे!

नलाइया पर रखता मंडरा रहा था-

कैसे हमको दे दे लड़की!

कैसे चाहिए तो किसी में यह बिजनेस ऑफिसो- वीडियो लायब्रेरी नहीं करती! में जाकर मांगो!

में सोच रहा था कि तुमसे कैसे लेने के बाद तुम्हें खत्म किया जाए, या तुम्हें खत्म करने के बाद कैसे ले ली जाए...

...तुने पंजारा जहाँ की मुश्किल आसान कर दी!

धड़

नलाइया वह वार बचा न सकी-

कुछ पलों के लिए उसका सिर धूम गया-

और उसकी गर्दन एक डिकेंजे में फँस गई-

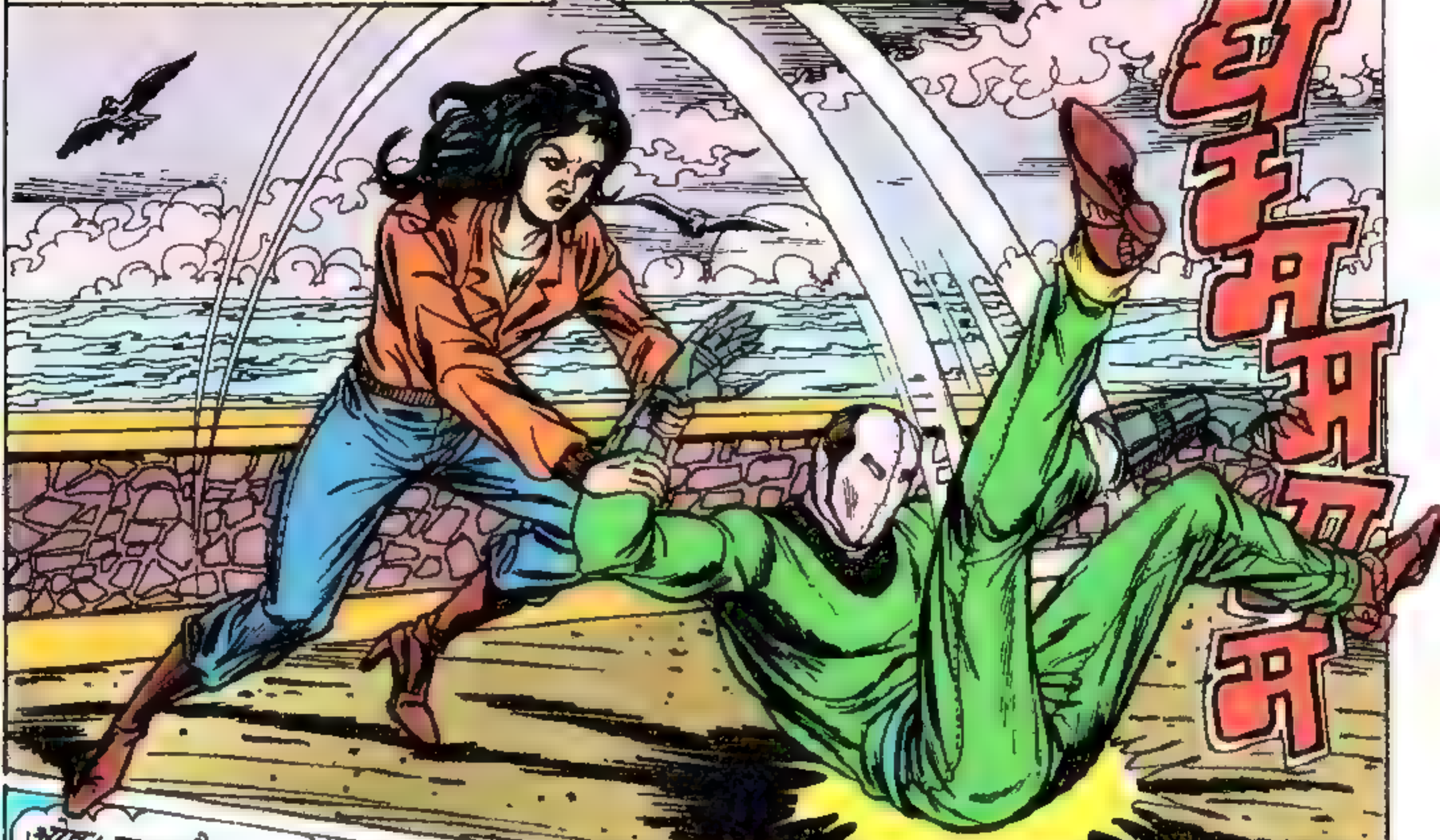
वारा अग्रत्यादित था-

असीमित ताकत थी उन पंजों में! नलाइया का सिर धड़ से उखड़कर अलग हो जाने को बेताब हो रहा था-

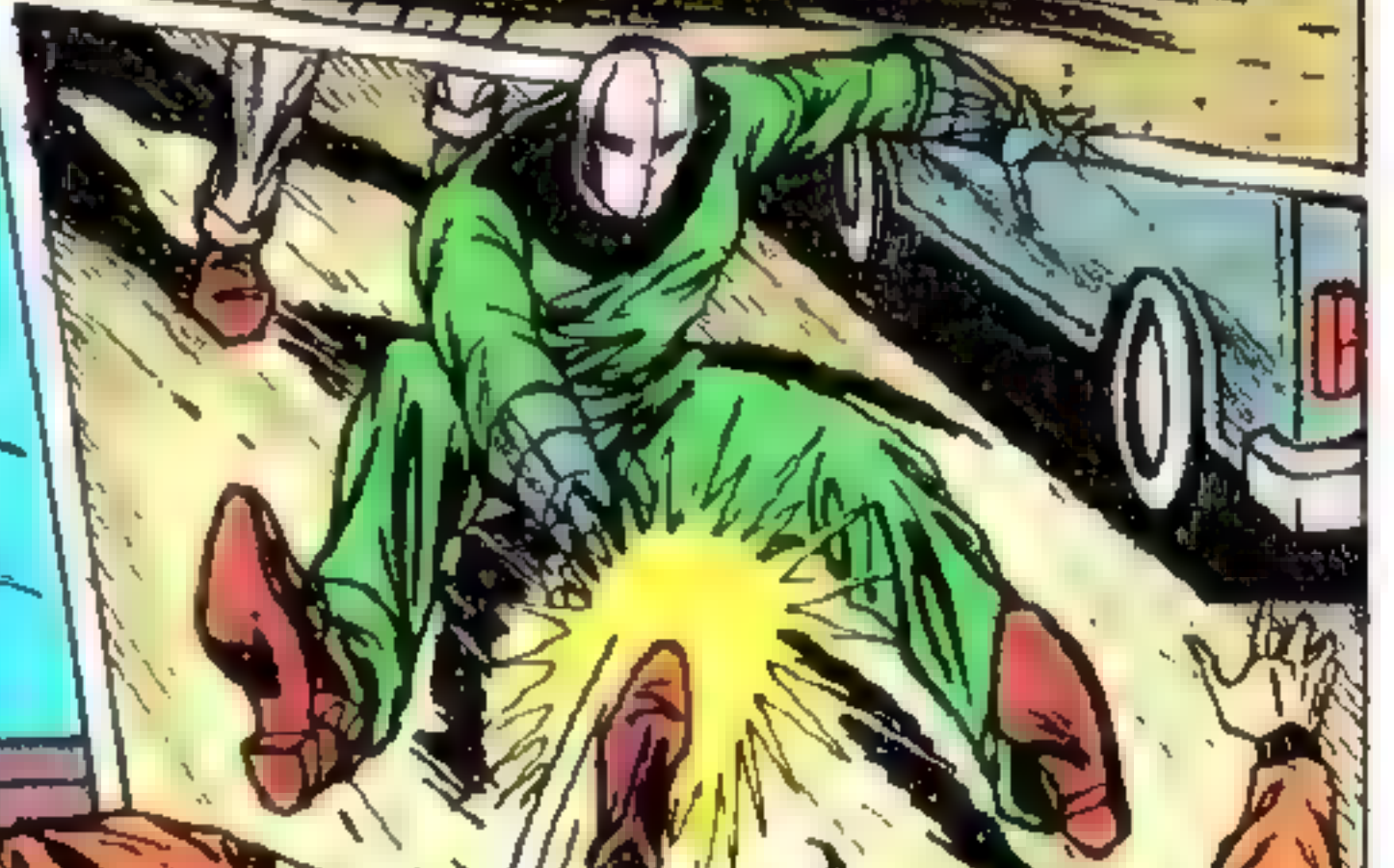
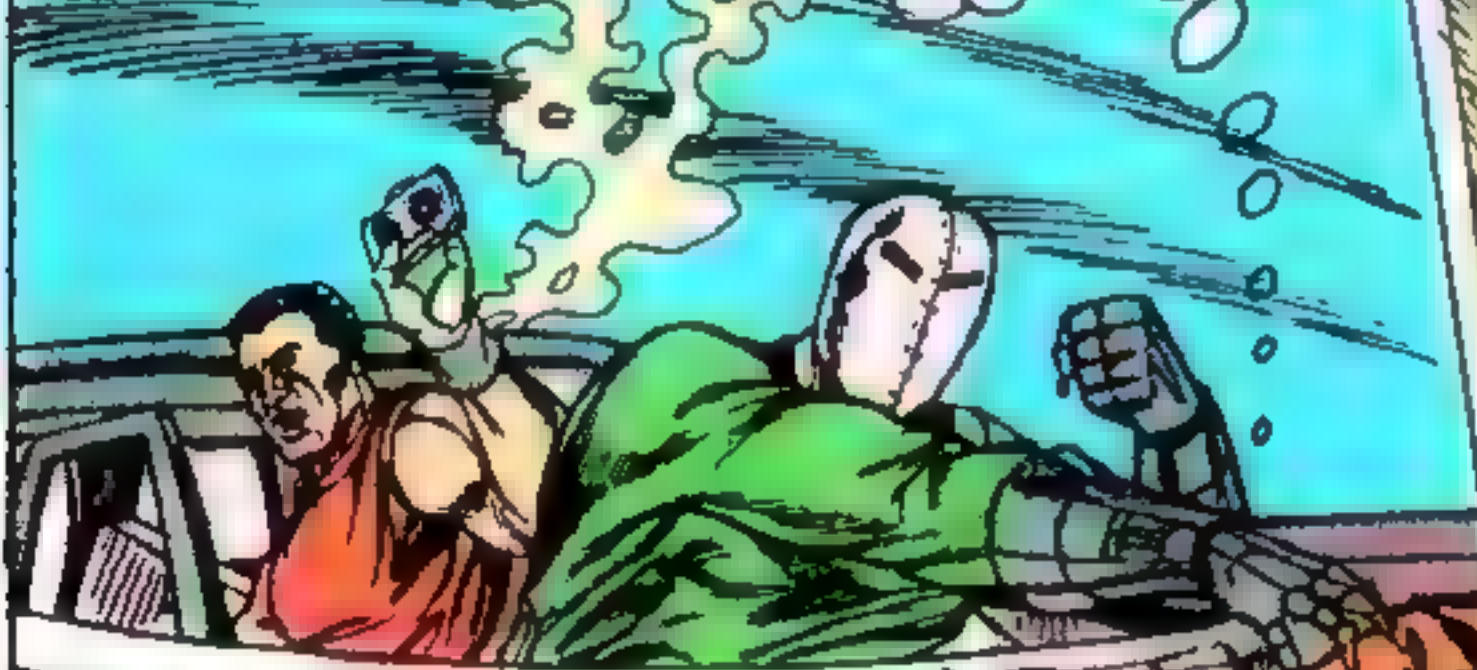
लेकिन न ताशा, एक आम लड़की नहीं थी-

दांक बेंच उसे भी आते थे-

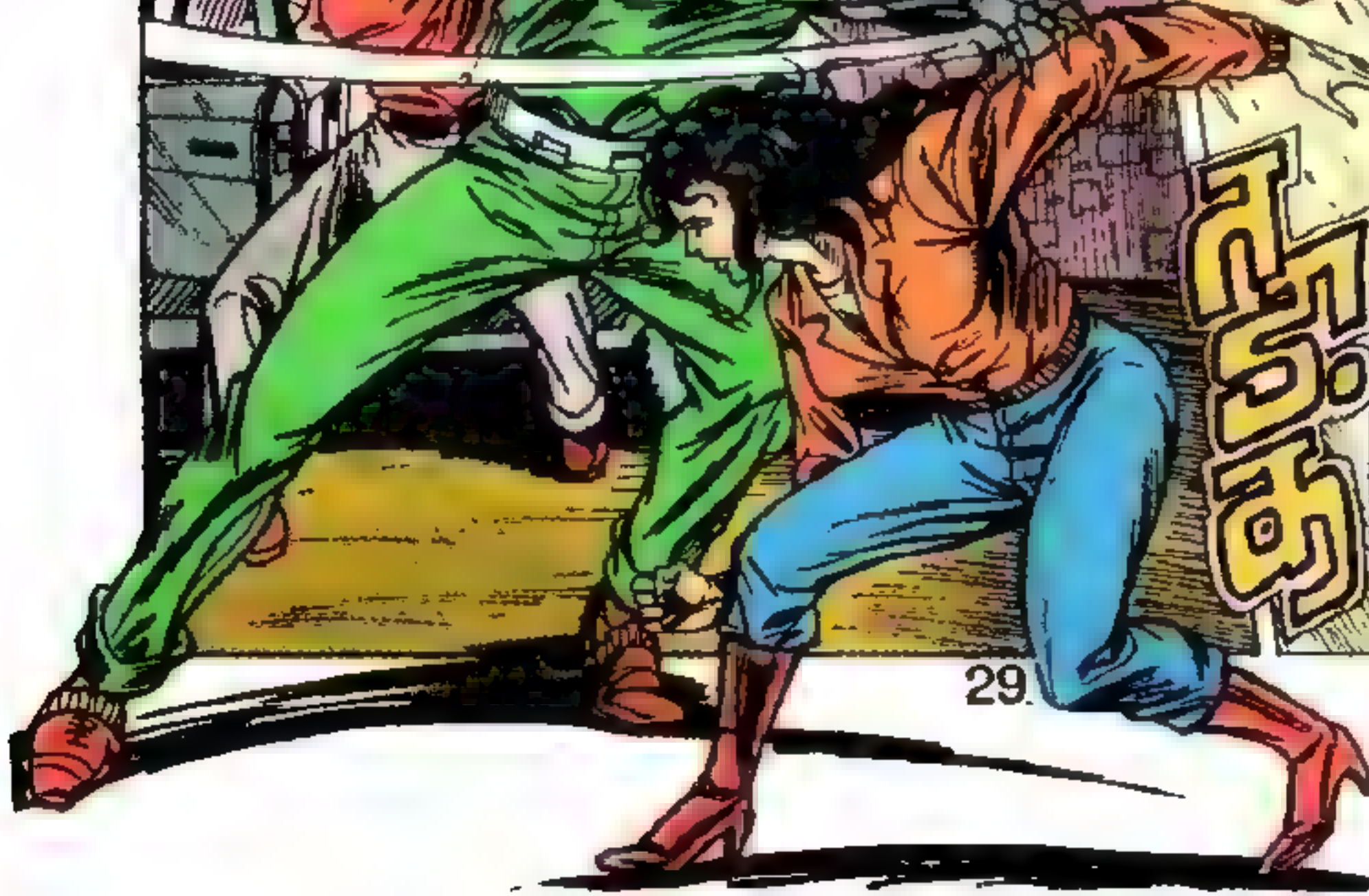
धड़मधड़म



ओह! इधर मैं इस पंजा... और उधर वो नीकाले मेरी राजा से लिपट रही हैं... कार से कैसे निकाल चुका है!



धड़मधड़म

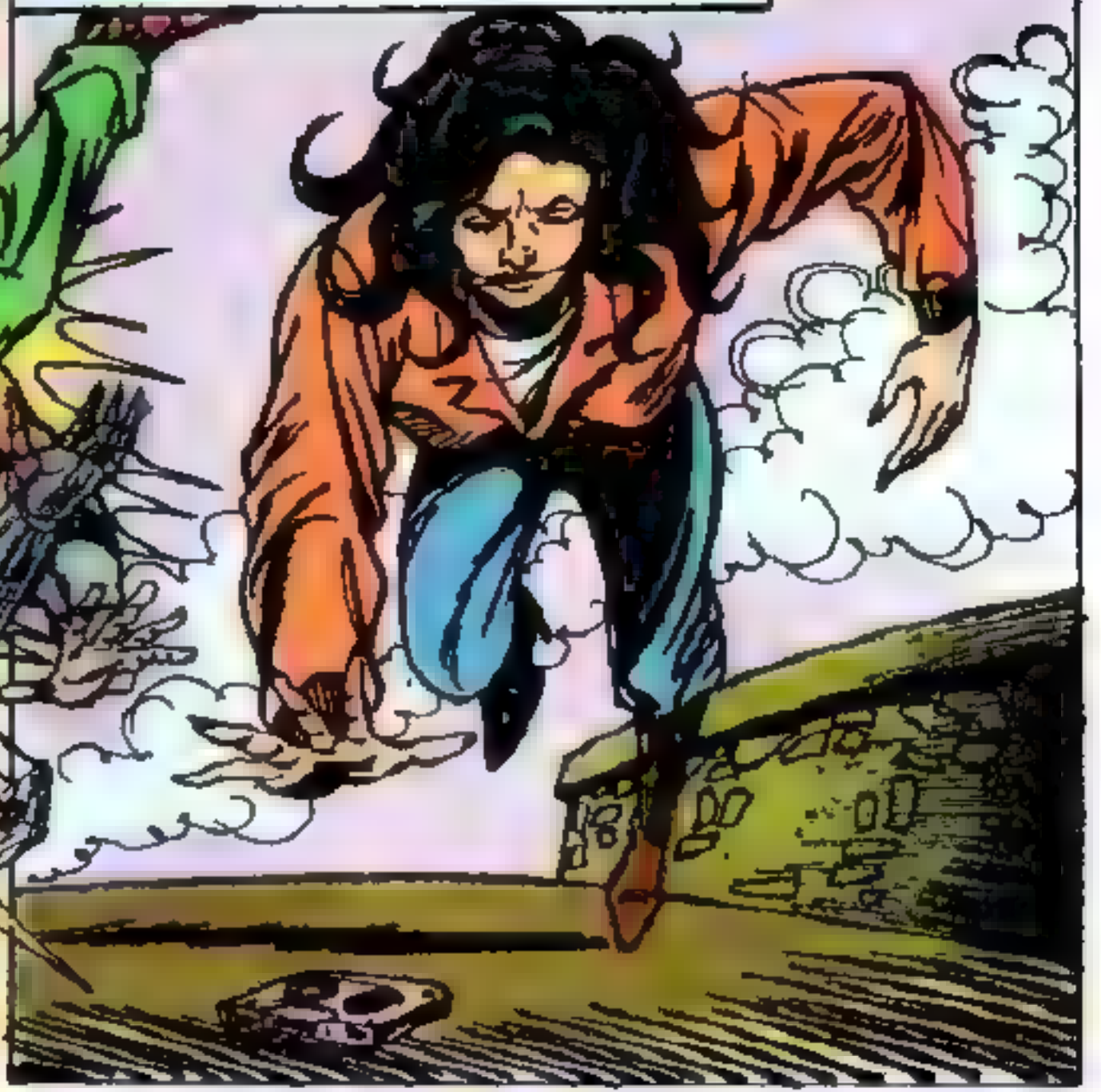


कैप्टेन, नीचों के हाथ
से धूट गई-

झूँक



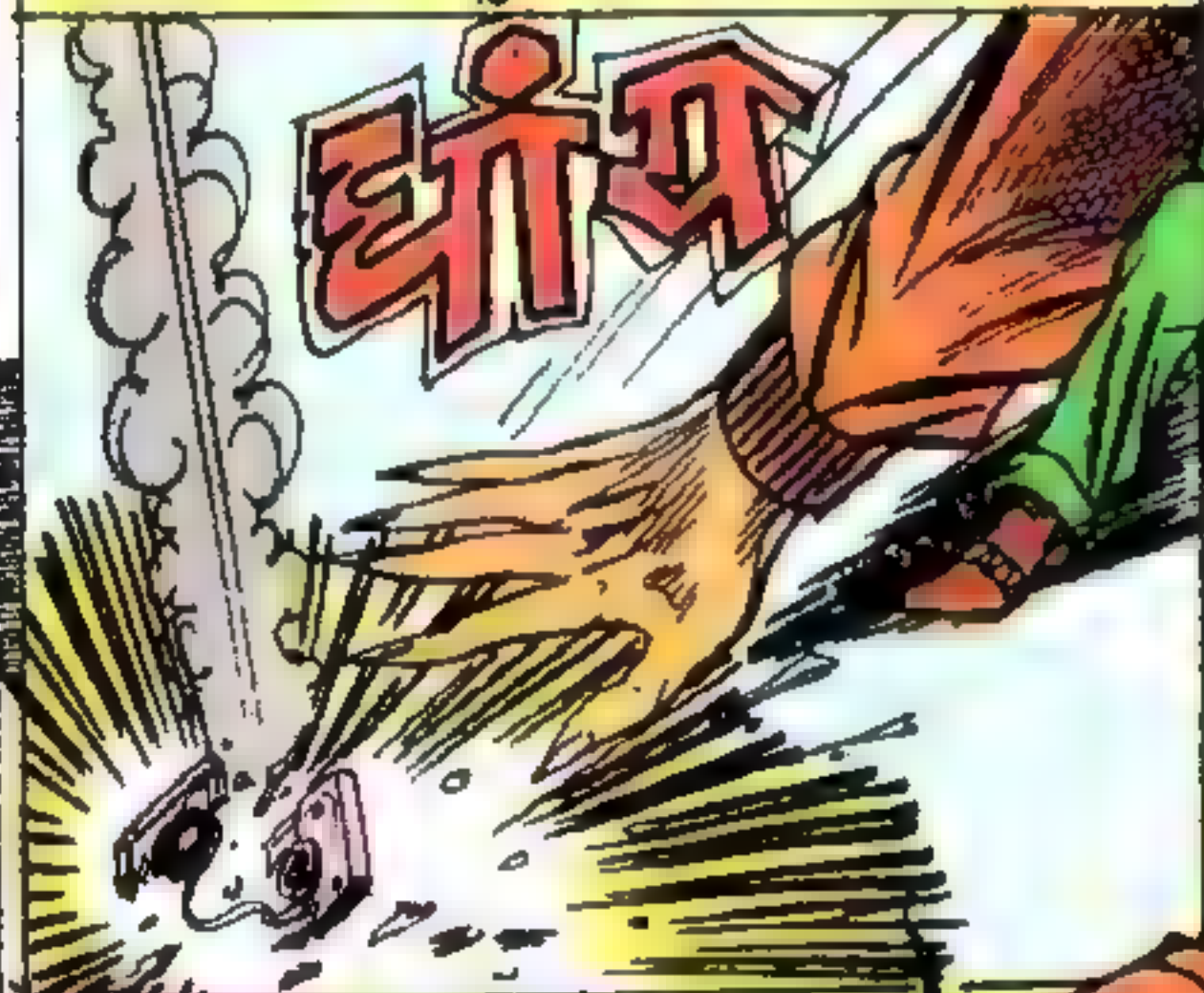
और बलराम कैप्टेन की तरफ लपकी-



... नीचों अपनी पिस्तौलें निशाने पर तन चुका थी-

लेकिन कैप्टेन तक पहुंच जाने से पहले ही...

झांझ



आंध्र आंध्र

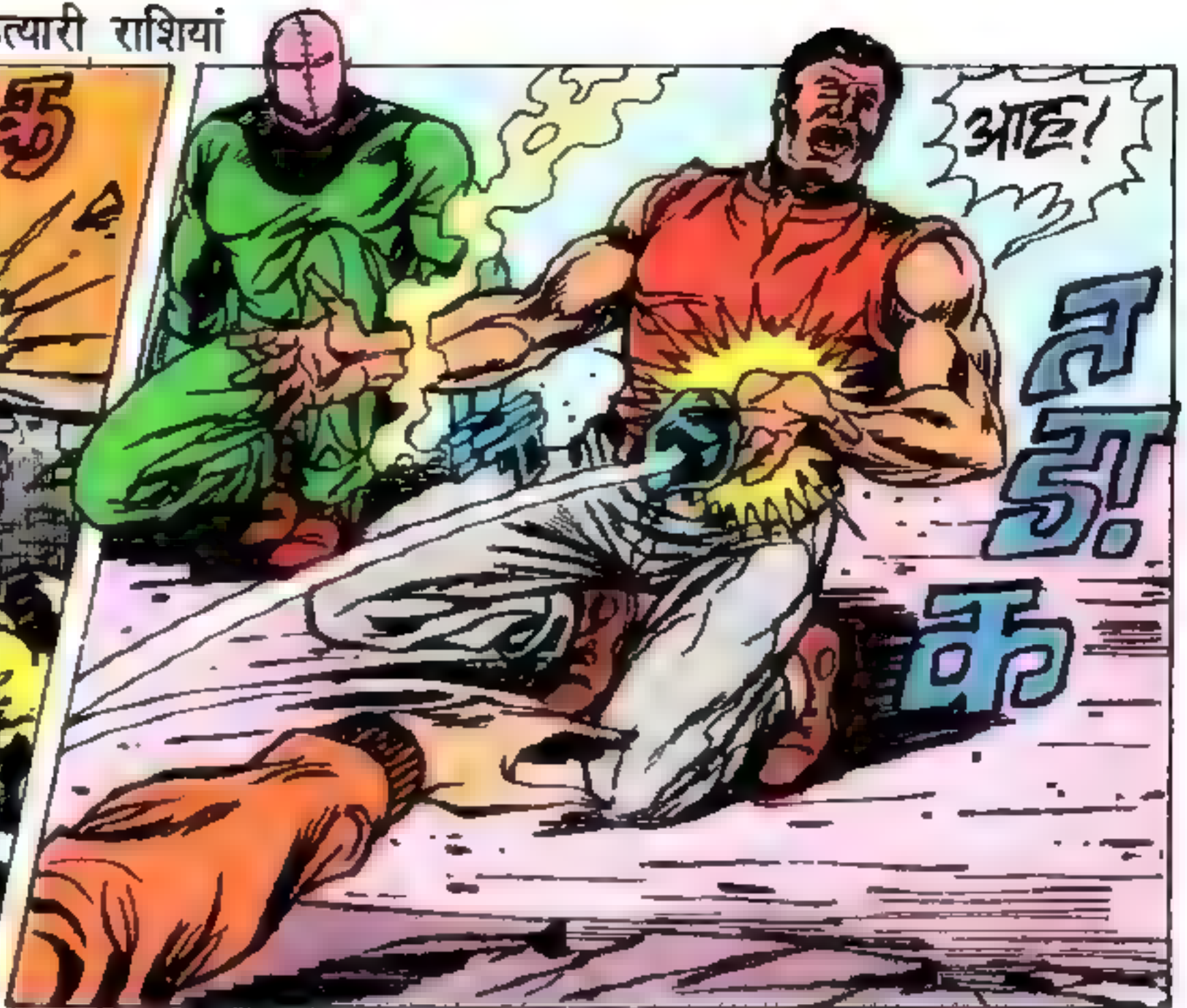


आंध्र आंध्र

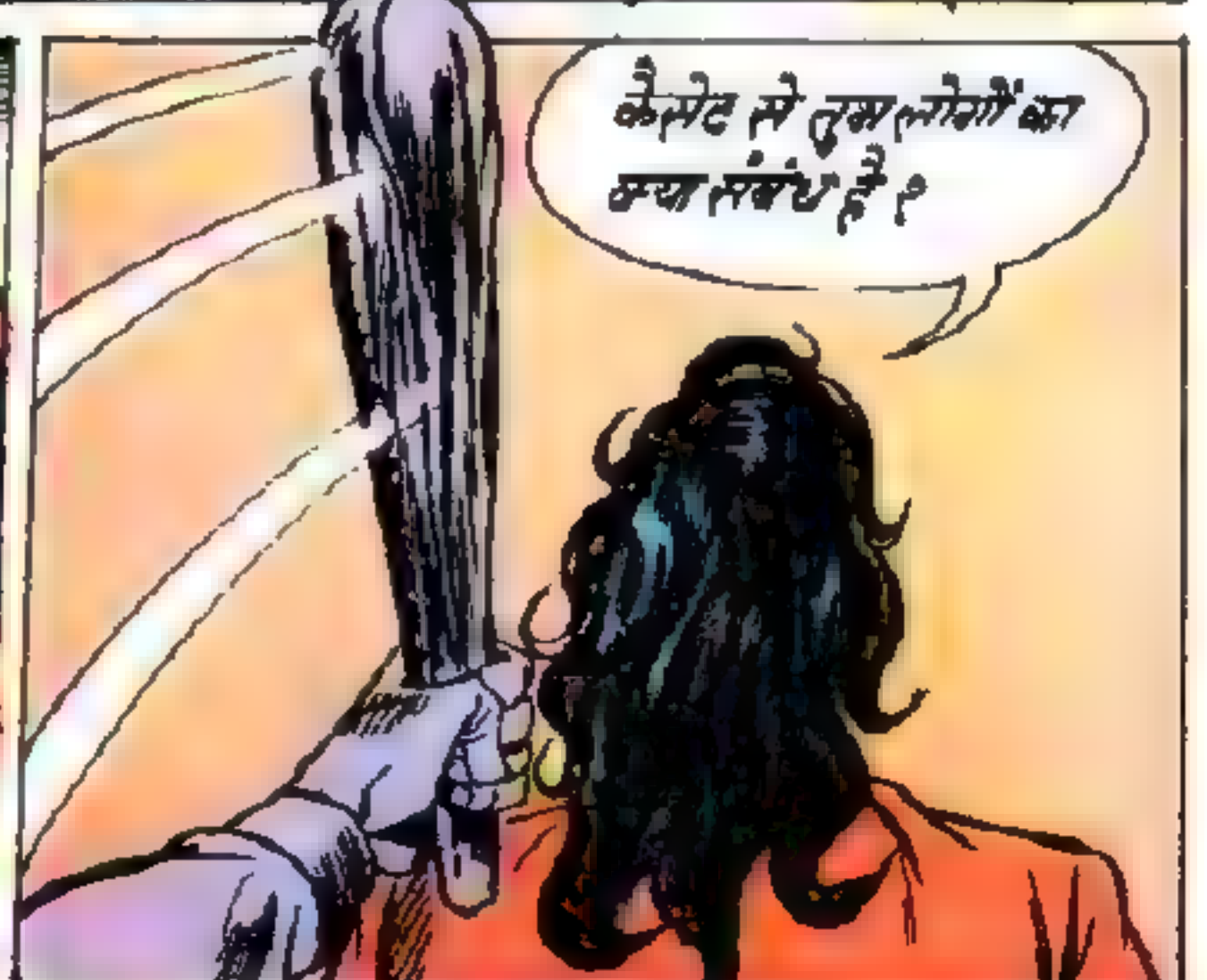
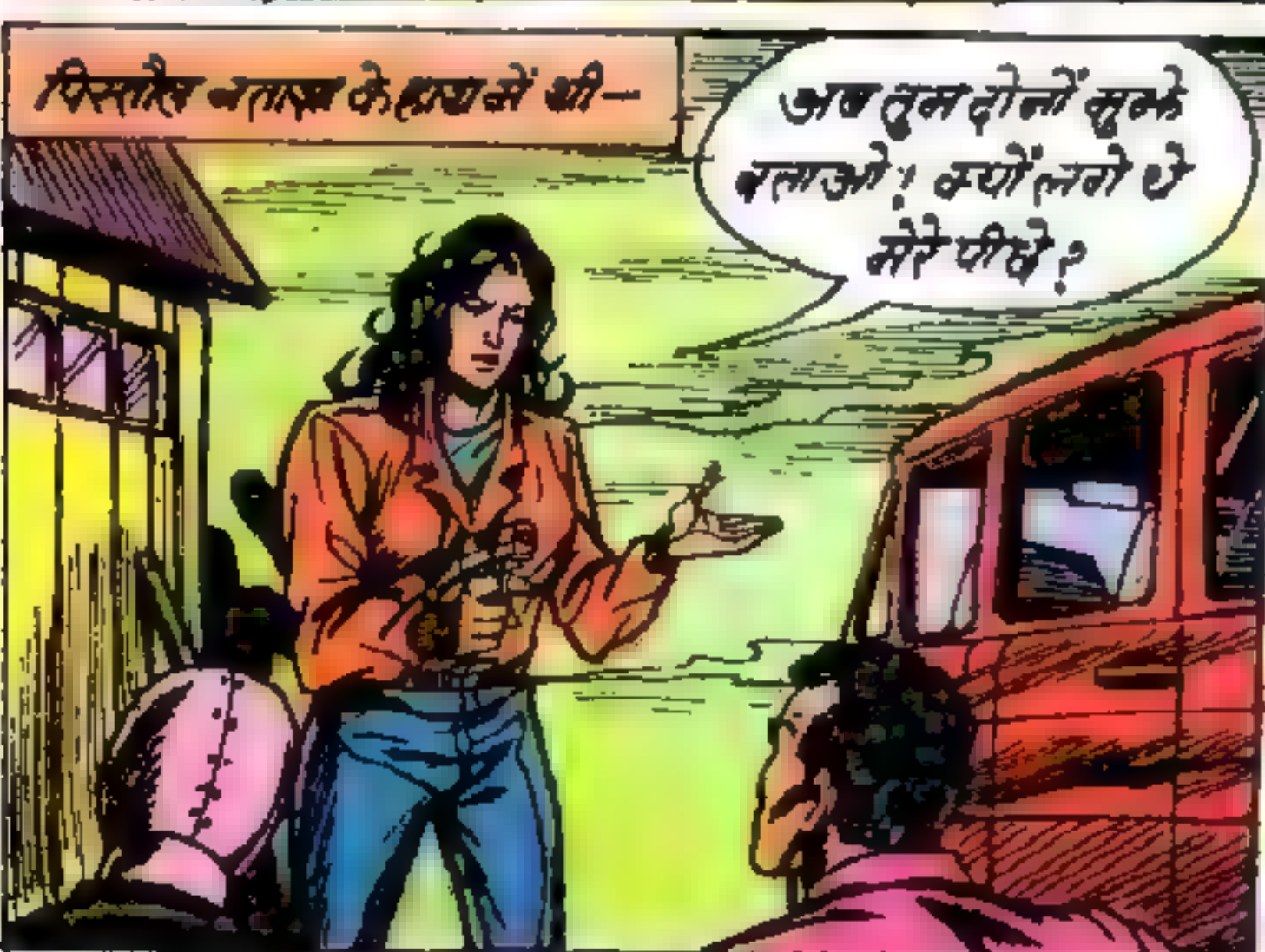
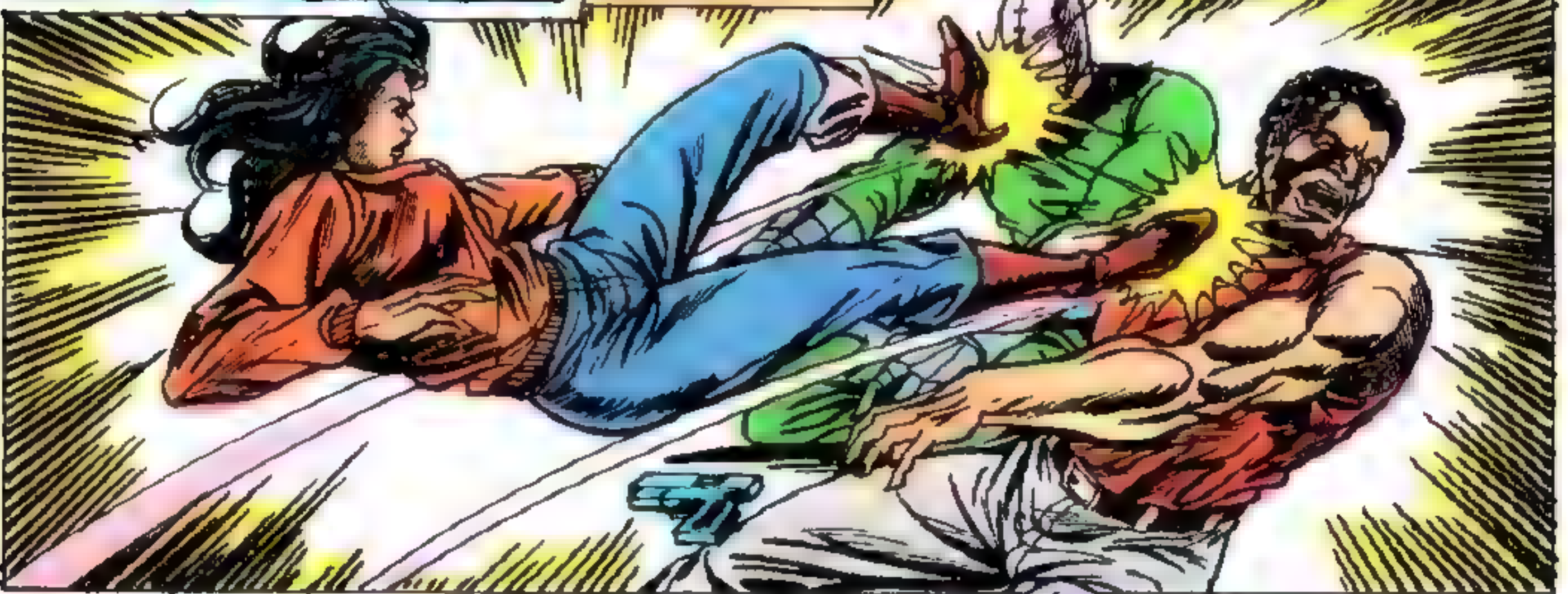


तूझा

कूझा



कुछ ही पलों में—



अचानक ही धल- जलाइया के लिए पर मानो पहाड़ टूट पड़ा-

धड़क



रखत कर दें इस लड़की को!

नहीं! इसको चेतावनी मिल चुकी है! इसको संभलाने का एक मौका मिलना चाहिए!

चलो, मूरखों! एक मकसूली रिपोर्टर लड़की से घिट गए!
तुम्हें मालूम था कि मेरी पीछा हो रहा है! और यह भी मालूम था कि तुम दोनों इस लड़की के पीछे लगे हो!

इसीलिए मैं यहां पर कपस आ गया... अटधा ही हुआ! वरना इस वक्त तुम दोनों पुलिस की हिरासत में होते!

दुंईकुंऊऊ

अभी यहां से चुपचाप फूटलो! वैसे की भाई तुम दोनों की रिपोर्ट पाकर मुझे नहीं होंगे!



रात का अंधेरा, धीरे- धीरे अपनी काली चादर में राजनगर को समेट रहा था-

यह है 'राजनगर ऑब्जर्वेटरी' के डॉक्टर डॉक्टर साहा का अपार्टमेंट!

हेली! डॉक्टर साहा ओं मुख! स्पीकिंग! आप... हां! हां... कौन?







ये सूर्य की शक्ति थी।
सम्राट जिसकी किरणों को
इस अंधाधी में लगा रत्न
सोखता है।

और फिर मेरी कलाई में
लगा रत्न यही कारण इन किरणों
की शक्ति को रत्न लाख गुना
बढ़ाकर घातक शक्ति वाला
बना देता है!



पागल हो गए हो क्या?
आग लगाओगे इस
बिल्डिंग में?

चलाओ मत! यह दूसरा
रत्न कुछ ग्रह की किरणों को
सोखता है। कुछ के बादल
और पानी इस आग को बुझा
देंगे!



ए... ये सब
तुम मुझे क्यों
दिखा रहे हो?

क्योंकि तूने ही मेरे नाम पर
चुका लगाया है। मैं शान्तिपूर्वक
ऑब्जरवेटरी में अपना प्रयोग कर
रहा था!

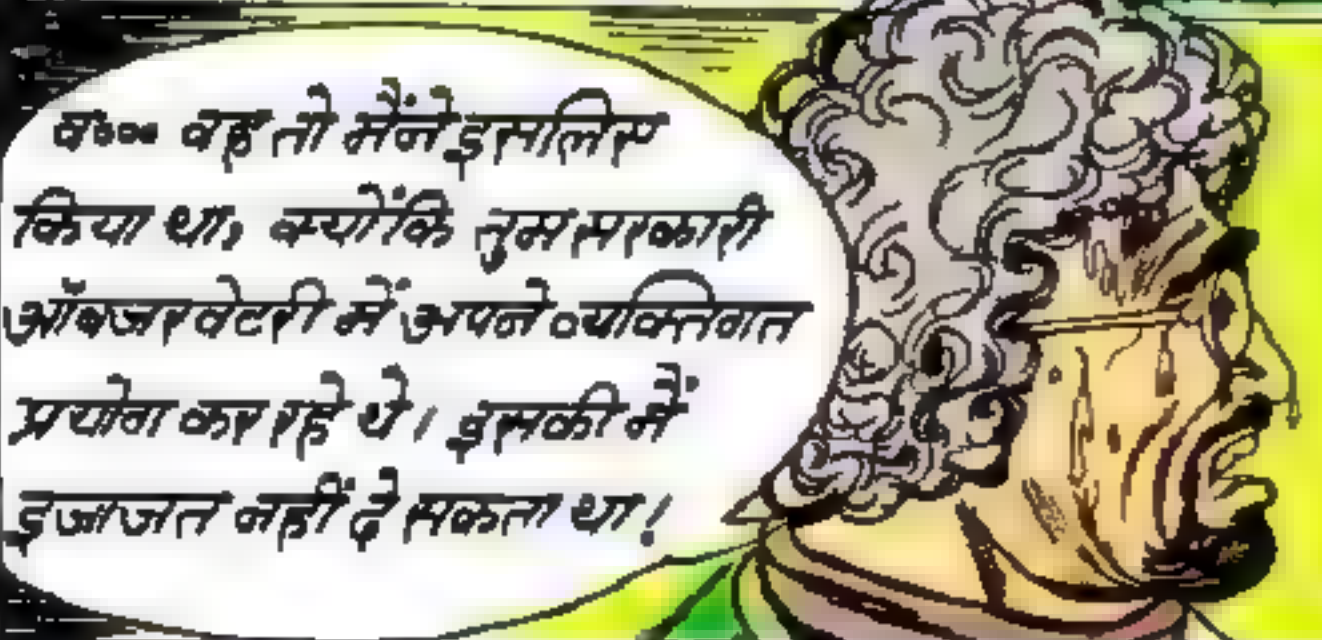
तूने मुझे ऑब्जरवेटरी से निकाल
दिया। यह कहकर कि यह पागलपन वाले
प्रयोग, इस ऑब्जरवेटरी में नहीं होंगे।



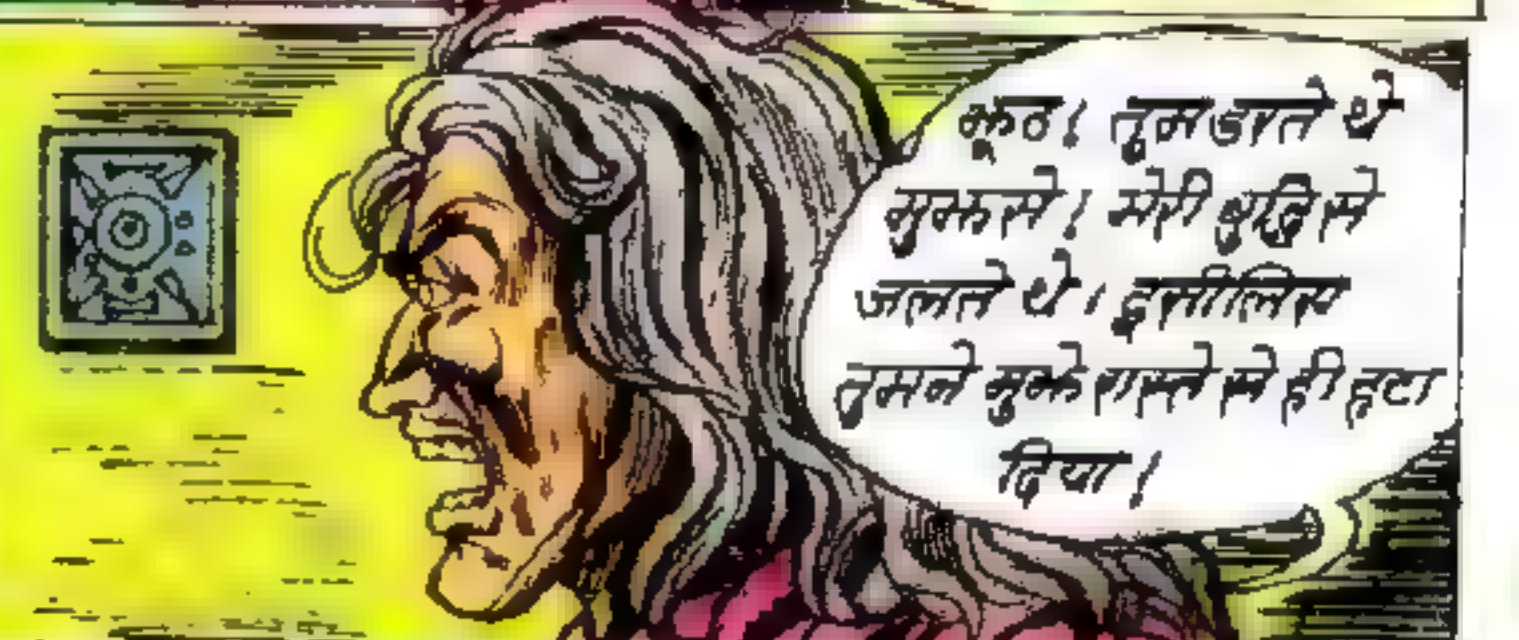
याद है? जब मैंने कहा
था कि ज्योतिष शास्त्र
भी स्वर्गाल शास्त्र का ही
एक अंग है...

... और स्वर्ग रत्न, स्वर्ग राशियों
की किरणों सोखते हैं, तब तू कितनी
जोर से हँसा था। पागल कहा था
तूने मुझे!

और फिर मुझको
यह कहकर
नौकरी से निकाल
दिया था कि यह
ऑब्जरवेटरी है, पागल-
स्वर्ग नहीं!



ए... वह तो मैंने इसलिये
किया था, क्योंकि तुम सरकारी
ऑब्जरवेटरी में अपने व्यक्तिगत
प्रयोग कर रहे थे। इसकी मैं
इजाजत नहीं दे सकता था!



कूट! तुम डालते थे
मुझसे! मेरी बुद्धि में
जलते थे। इसीलिये
तुमने मुझे रास्ते से ही हटा
दिया!

पर आज मैंने यह साबित कर दिया, कि मैं सही था और तू गलत !

और अब तू भी मेरी महानता को स्वीकार करेगा ! मेरे पैर छुसवा ! चल ! छु मेरे पैर ! चल !

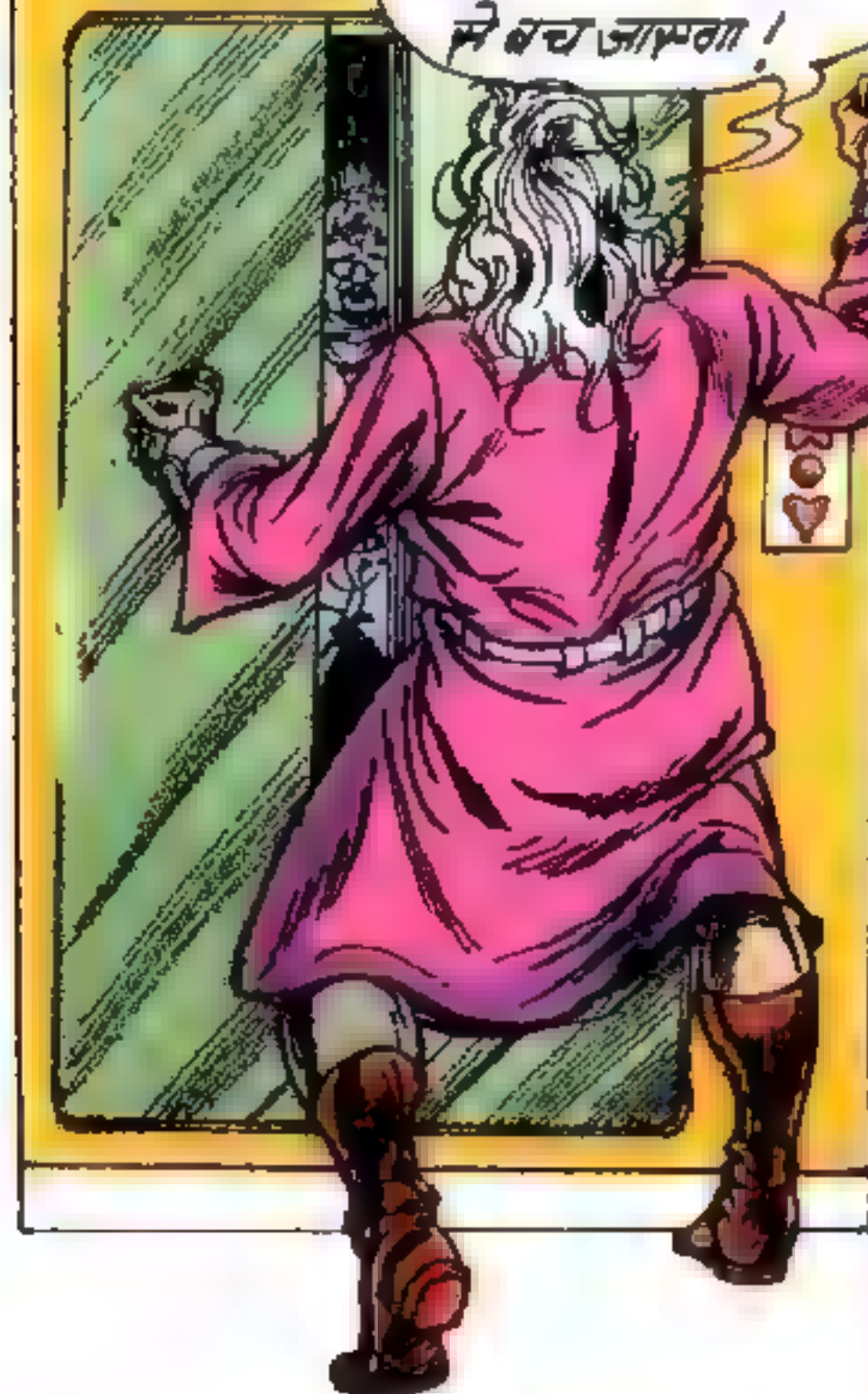
अब से थप-थप कांपते और भागने का रास्ता ढूंढ़ रहे डॉक्टर साहा ने यह मौका नहीं रबोछा—



मुझसे बचकर कहां जाएगा साहा ? भाग जितना भागना है !

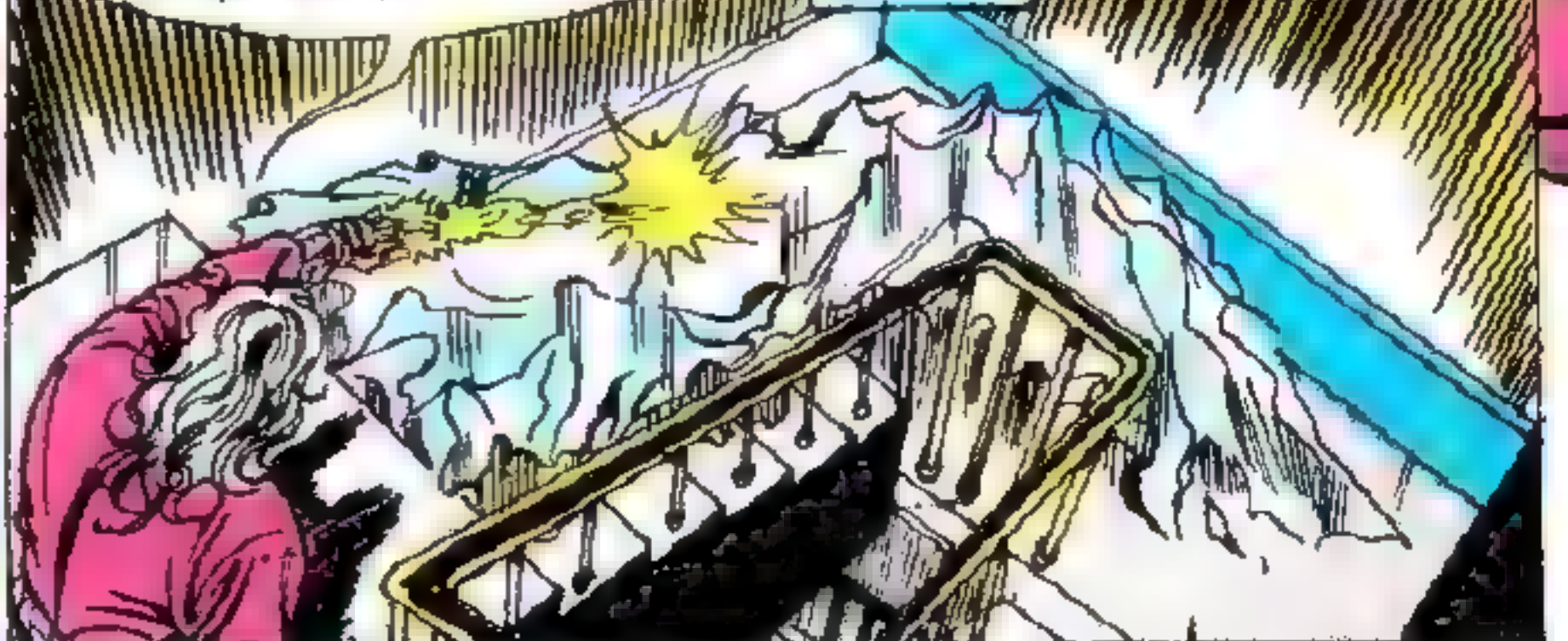
नाफ्रेदमस के बाहर निकलने तक लिफ्ट का दरवाजा बंद हो चुका था—

हाहाहा ! समझता है कि लिफ्ट से भागने से बच जाएगा !

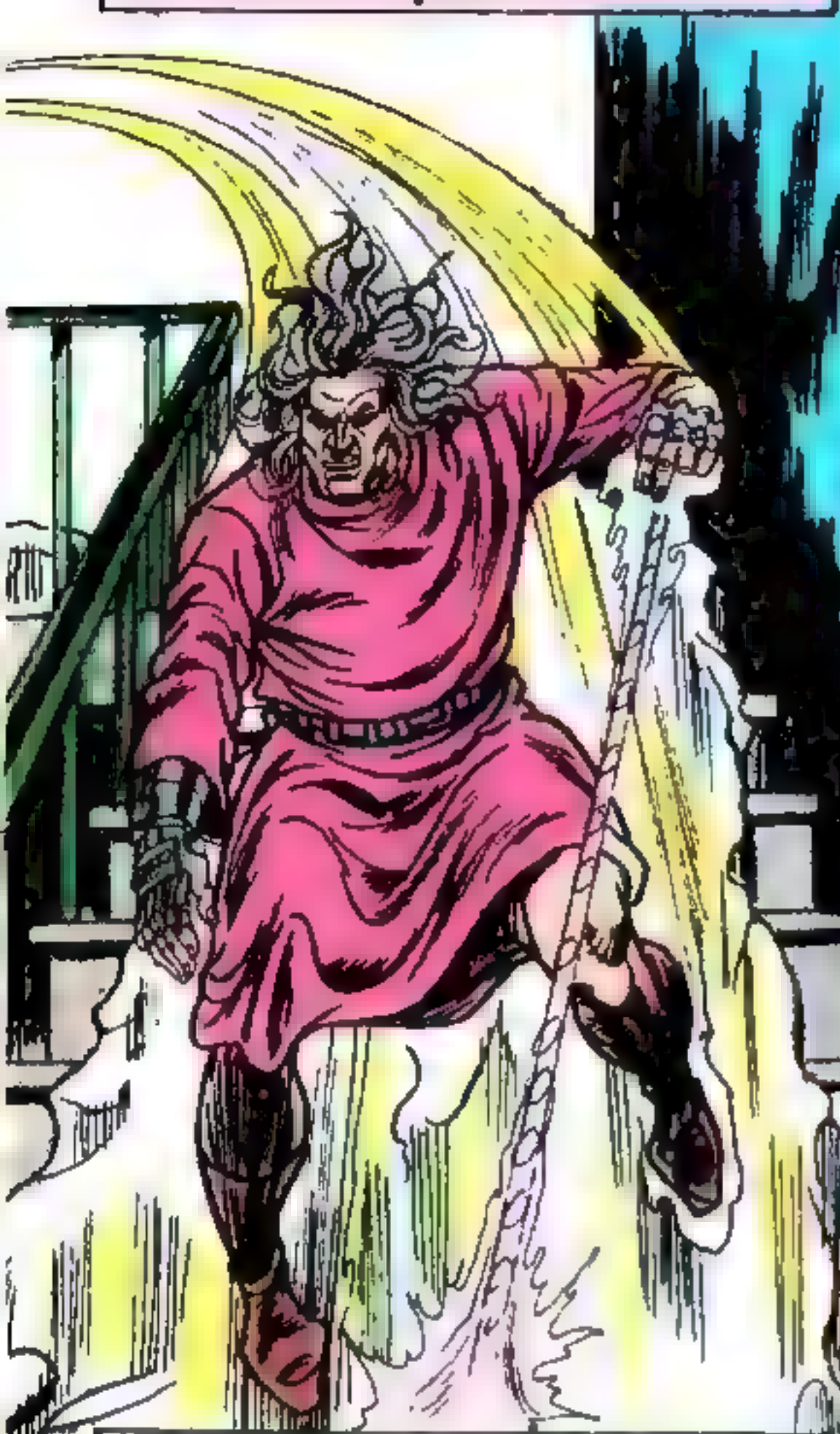


लेकिन इस मूर्ख को अभी नाफ्रेदमस की शक्तियों के बारे में दस परसेंट भी नहीं पता !

नाफ्रेदमस के हाथ से निकली बिजली तेजी से सीढ़ियों पर बर्फ जमाने लगी—

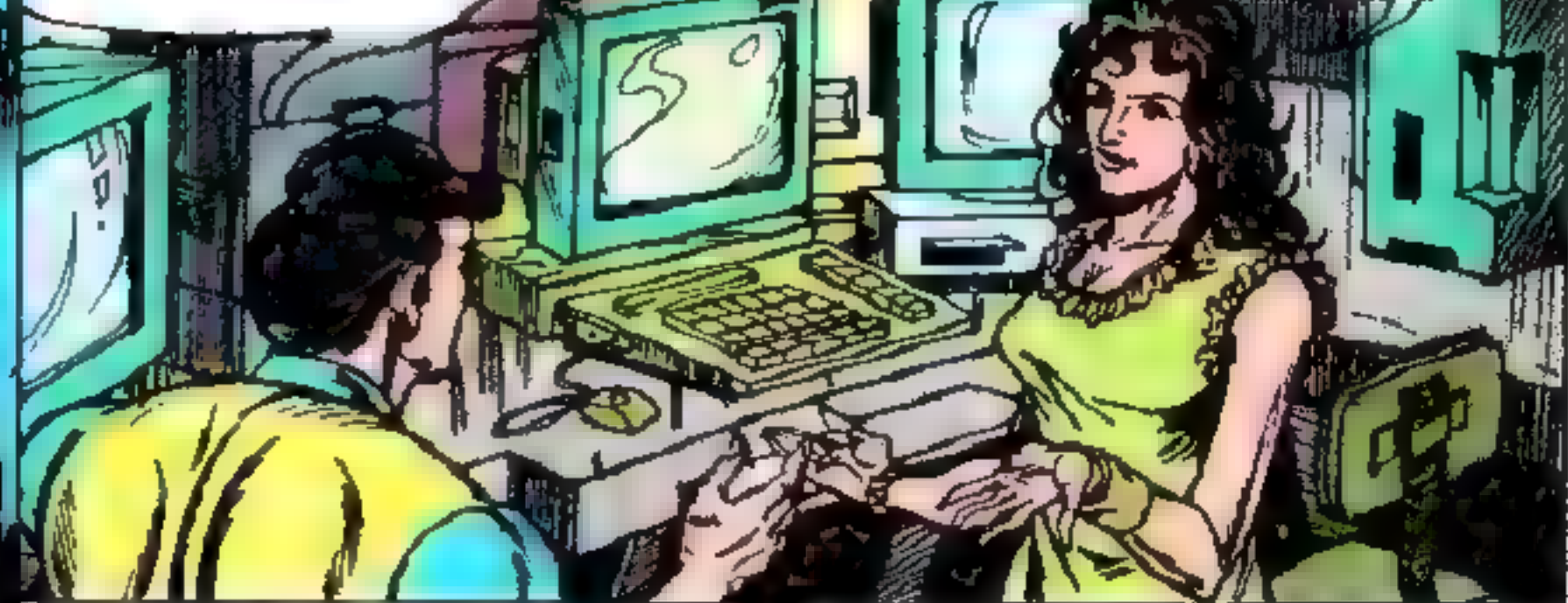


और बापूदेवस, उस घर फिसलता हुआ,
बीचे की तरफ बढ़ने लगा—



वहां से छोड़ी हीदर घर-रिचा के अपार्टमेंट में—

फर्स्ट क्लास!
तुमने तो पूरी कंप्यूटर
लेब बिठा ली है, रिचा!



मैंने नहीं... तुमने!
फाइनेंस तो आखिर
तुमने ही किया है इस
कंप्यूटर लेब को!

वैसे मुझे इन सारी
चीजों की ही जरूरत थी!

अब मैं इस कंप्यूटर
सिस्टम के जरिए कुछ भी
कर सकती हूँ, कुछ भी!

बेरी गुड! फिलहाल
मैं एक जरूरी काम से
जा रहा था। रास्ते में सोचा
कि तुमसे भी मिलता
चलूँ।



अभी मैं चलता
हूँ। फिर मिलते
हैं।

डॉक्टर साहू अब एक भी कदम आगे
बढ़ने की हालत में नहीं थे—



हफ... हफ...
हफ...

क्या हुआ
तुमको?



मैदता ज्वेलर्स

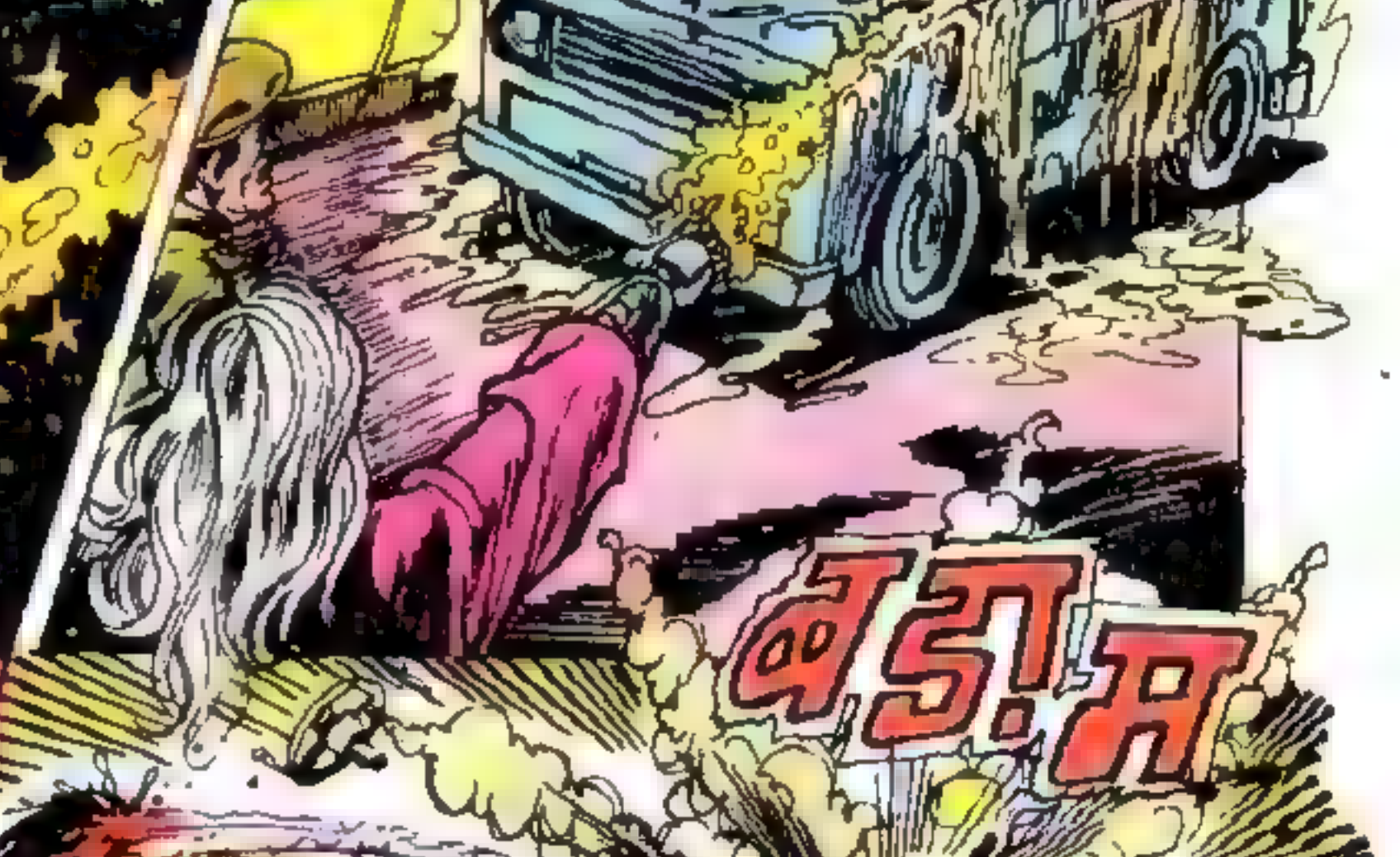
रो... रोको उसे। हफ-
हफ! वह... वह मुझे
मार डालेगा! हफ! हफ!



और अब मैं तुमको बुध ग्रह की शक्ति
 दिखाता हूँ। बुध ग्रह की एक सतह
 का तापमान शून्य से 272 डिग्री नीचे
 है। लेकिन दूसरी सतह का तापमान
 जो हमेशा सूर्य की तरफ रहती है...
 400 डिग्री है।

और इतने तापमान
 पर धातुएँ तक, पानी की
 तरह पिघलकर बहने
 लगती हैं...

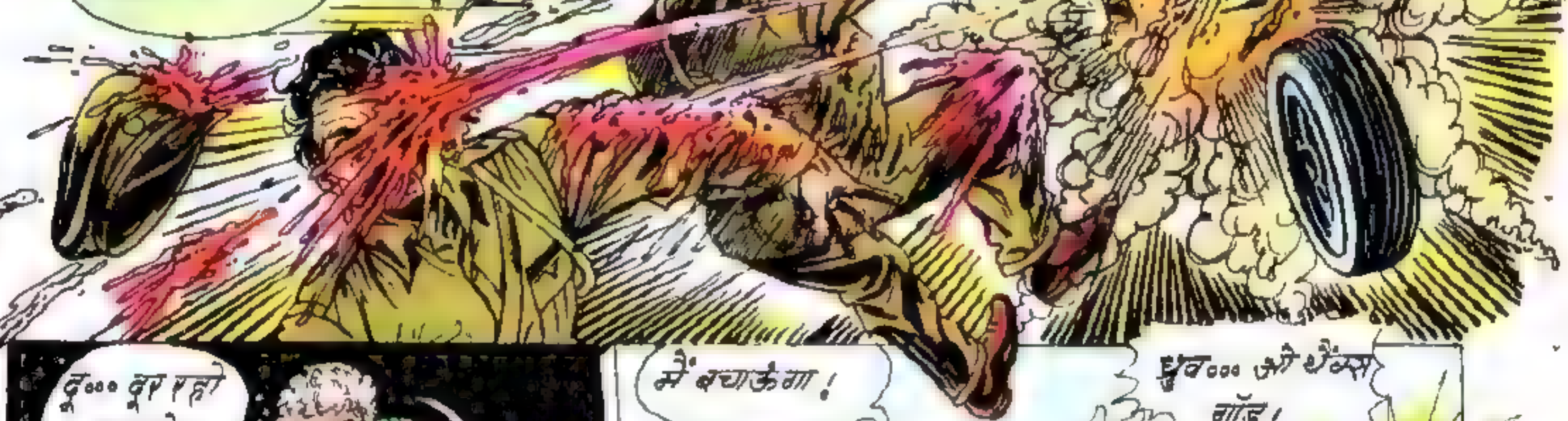
... जैसे तुम्हारी जीप...



बड़ा स

आगो! जीप फटने
 वाली...

अह!



दू... दूर रहो
 मुझसे!

मैं बचाऊंगा!

दुब... ओ ईसा
 नाउ!



हाहा हा अब तुम्हें मुझसे कौन
 हा हा! बचाएगा, साहा?



सुपर कमांडो धुव! मेरे आदमियों, ड्रुक और डानिने मुझे तुम्हारे बारे में सावधान

अच्छा हुआ कि तु अपने-आप मेरे हाथों से मरने के लिए यहां पर आ गया!

अब नास्त्रेदमस तेरी मौत कर तरीकर बुद्ध तय करेगा!



नास्त्रेदमस! तुम नास्त्रेदमस हो?

और वे ड्रुक और डानि तुम्हारे आदमी थे? तुम्हारा यानी वे सारे कीमती रत्न दूसरा जुर्म है? तुमने लूटे हैं...

अपने-आपको चुपचाप मेरे हवाले कर दो...

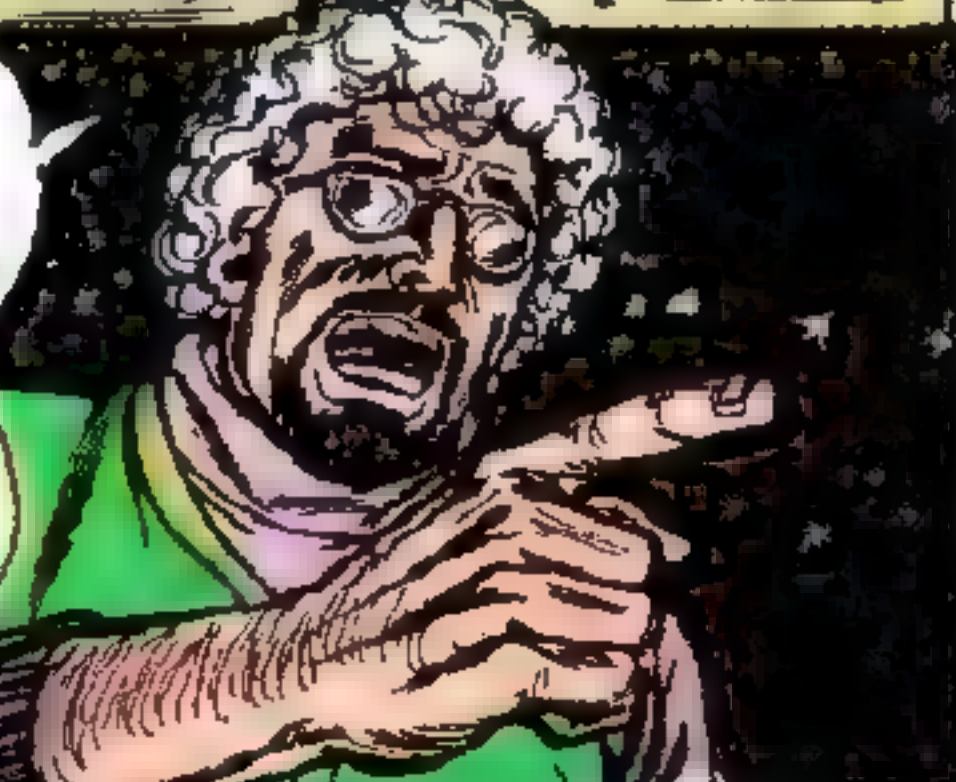
मैं तुम्हें मौत के हवाले और तु मुझे, अपने हवाले करके जा रहा हूं, बच्चे! काले की बात कर रहा है!

ओह! आश्चर्यजनक! इसकी उंबली से निकली किरणों ने जमीन में

आगिर यह मुक्त पर किस चीज से हमला कर रहा है?



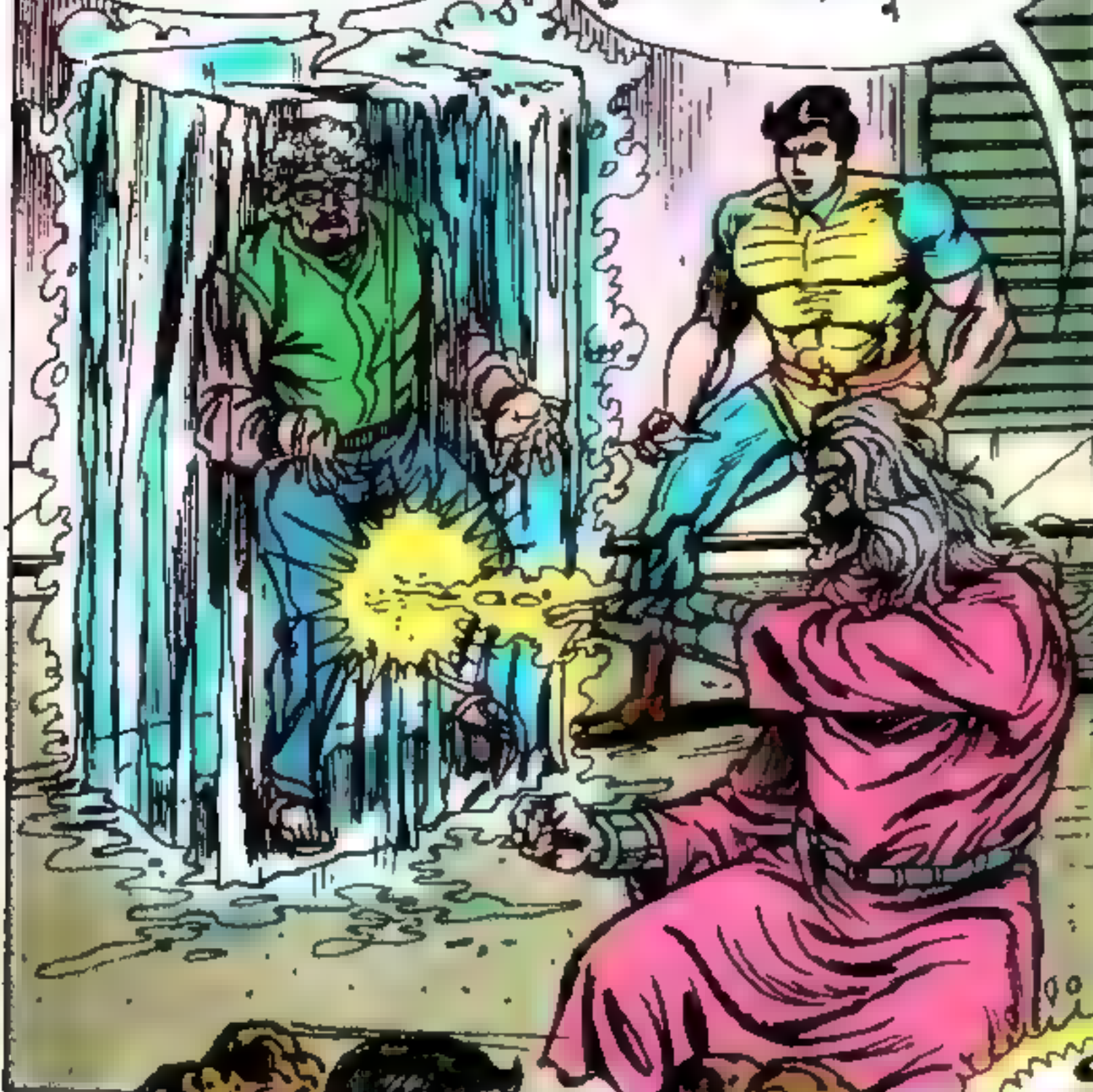
इसके हाथ की अंगुष्ठियों के रत्न अलग-अलग राहों की किरणें साबित हैं... और यह उन राहों की शक्ति से ही अक्रमण करता है धुव! ये किरणें काफी खतरनाक हैं!



... तुम अगर इसकी अंशु रिशों को किसी तरह से बेकार कर दो तो...

बहुत बोलता है दूसरा! गरमी बहुत है तुकमें! ले, मैं तुम्हें ठंडा कर देता हूँ...

है इसने डेक्कर साहा को बर्फ की भगवात! मिलनी में कैद कर दिया!



छबरा गया?
छूँछूँ!

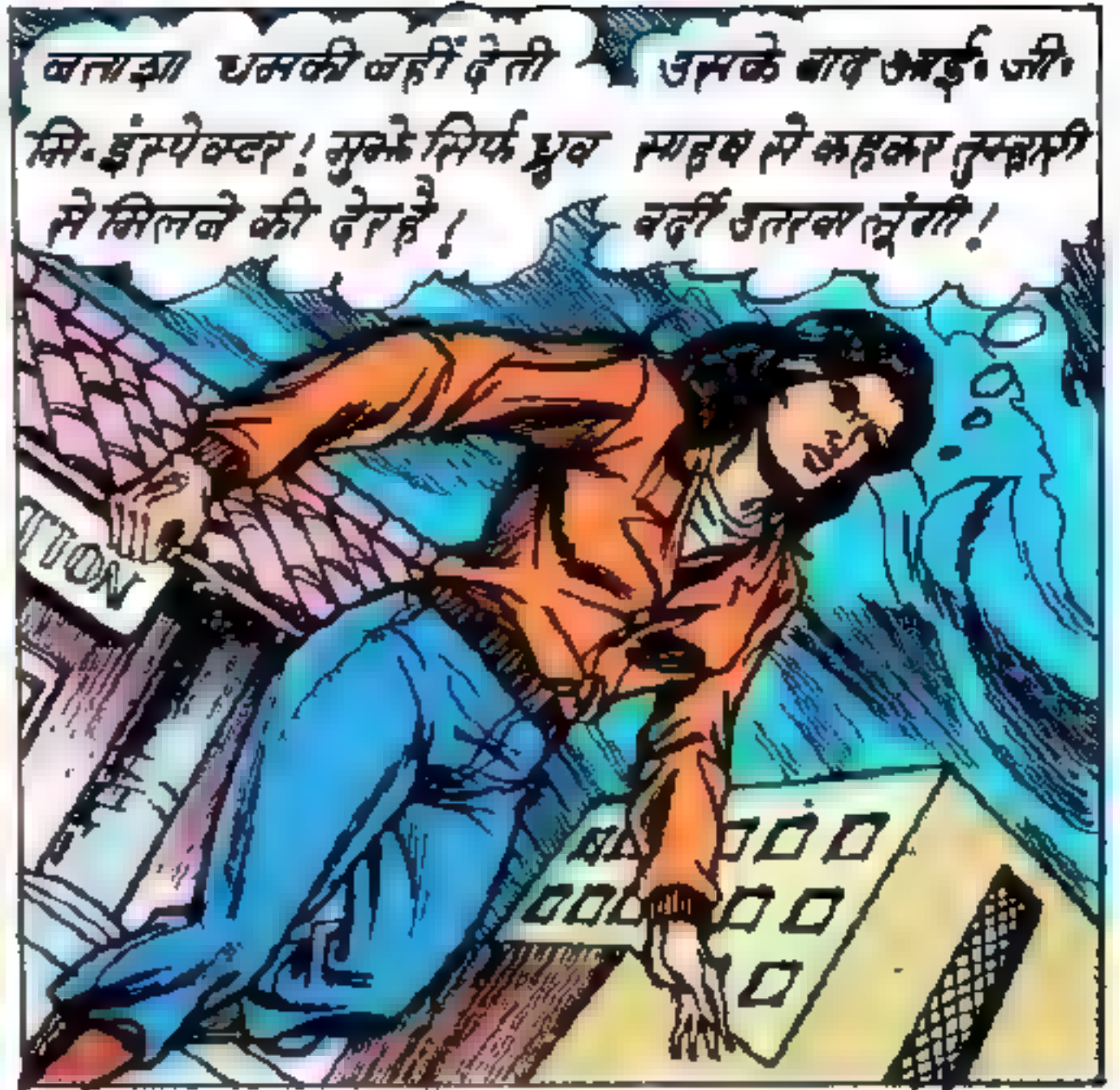
छबरा मत! मैंने तेरे लिए मौत का दूसरा तरीका चुना है!



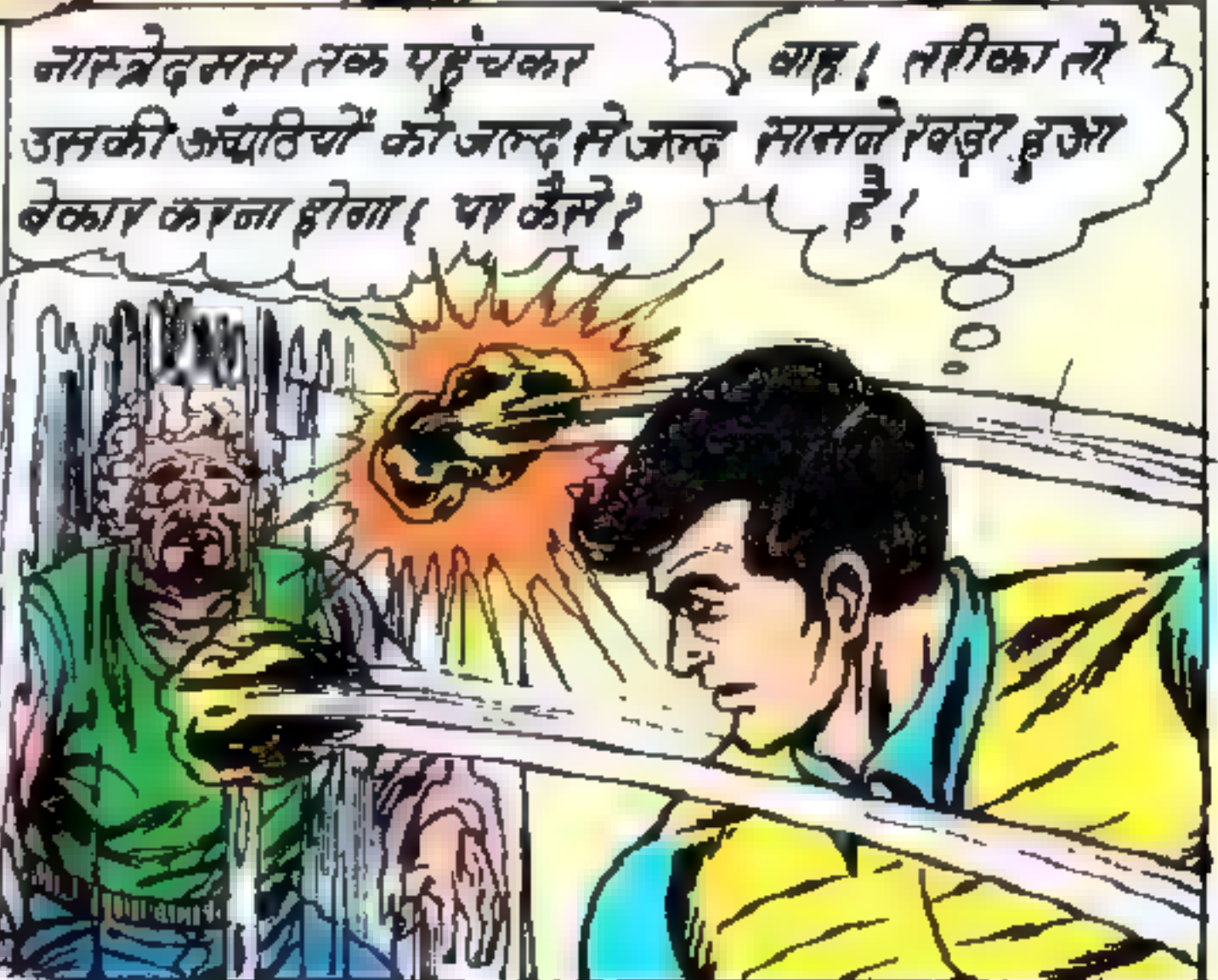
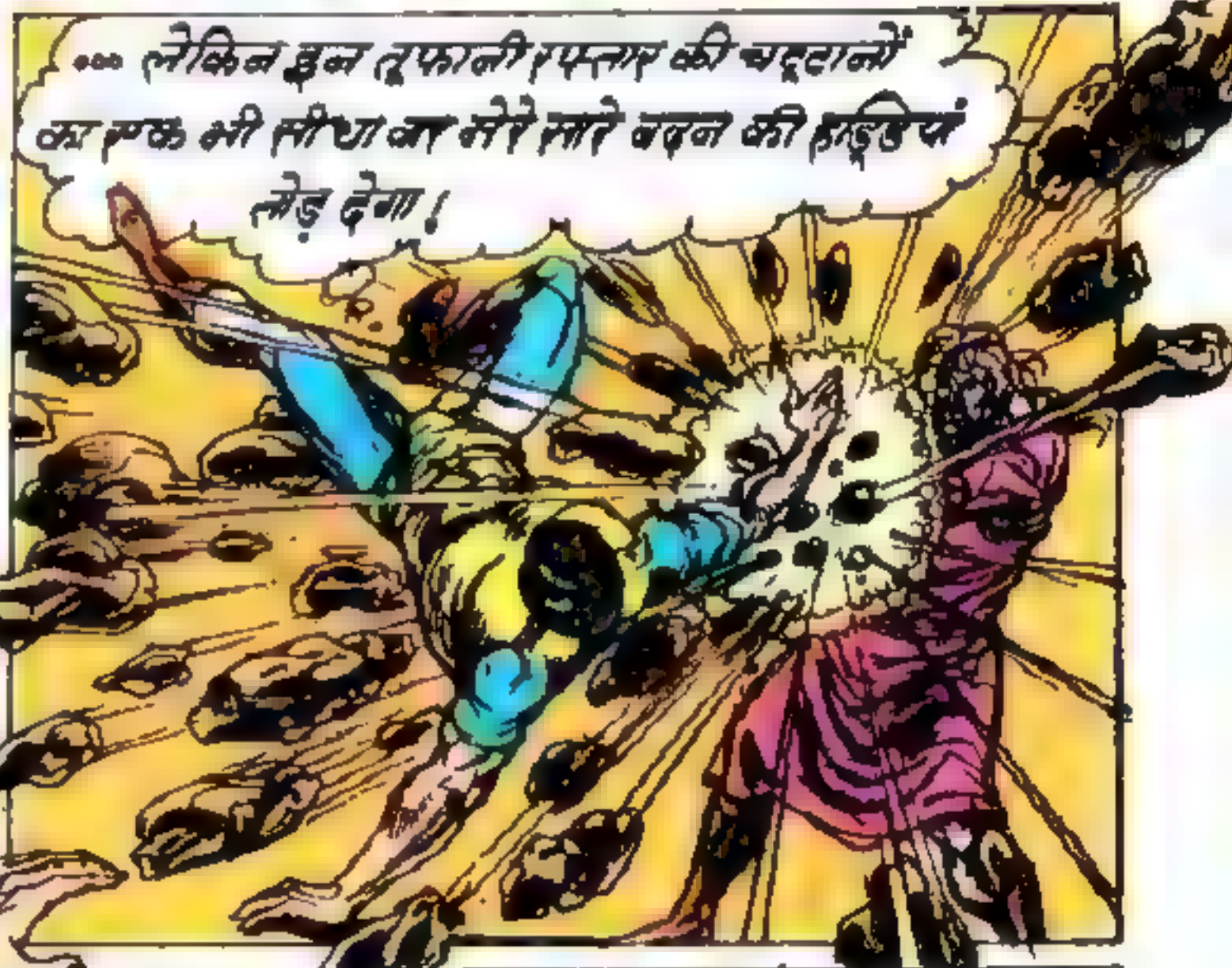
ये है मंगल और बृह-
स्पति ग्रह के बीच में तेरे
चट्टानी टुकड़ों की पट्टी!
स्पटेरोपड बेल्ट!

इस स्पटेरोपड बेल्ट की
शक्ति ही तेरी मौत का
कारण बनेगी लड़के!



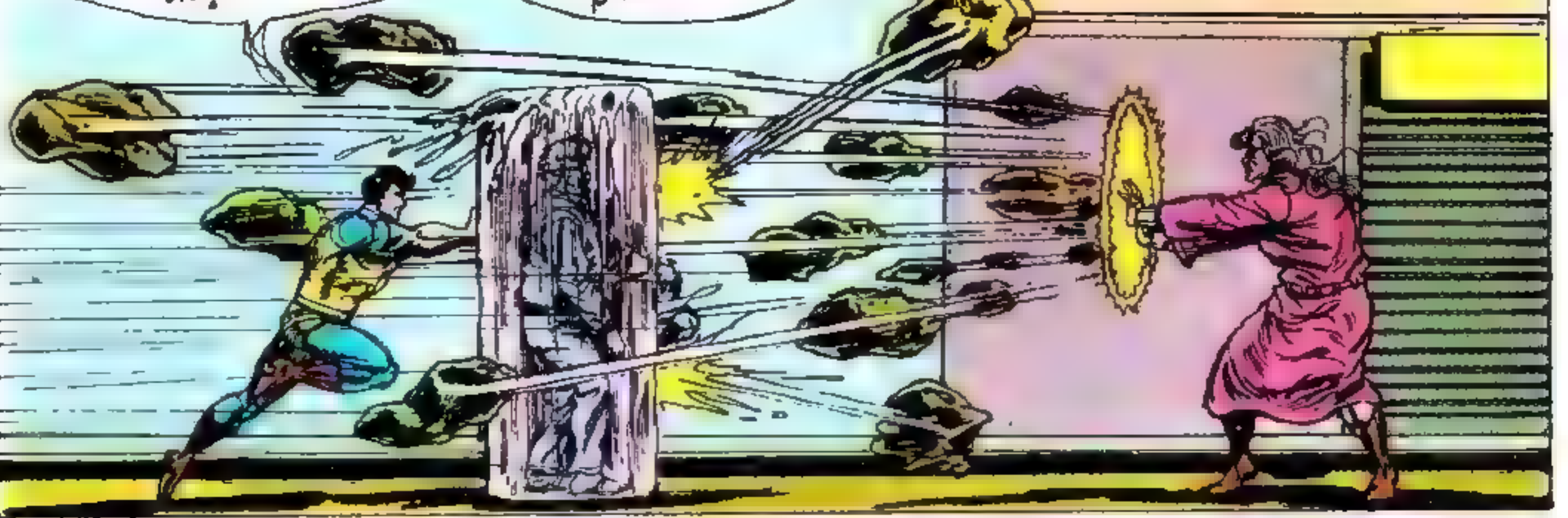


मालूम नहीं, जताऊँ के मिलने तक धुब की किस्मत में जिन्दा बचना था भी या नहीं—

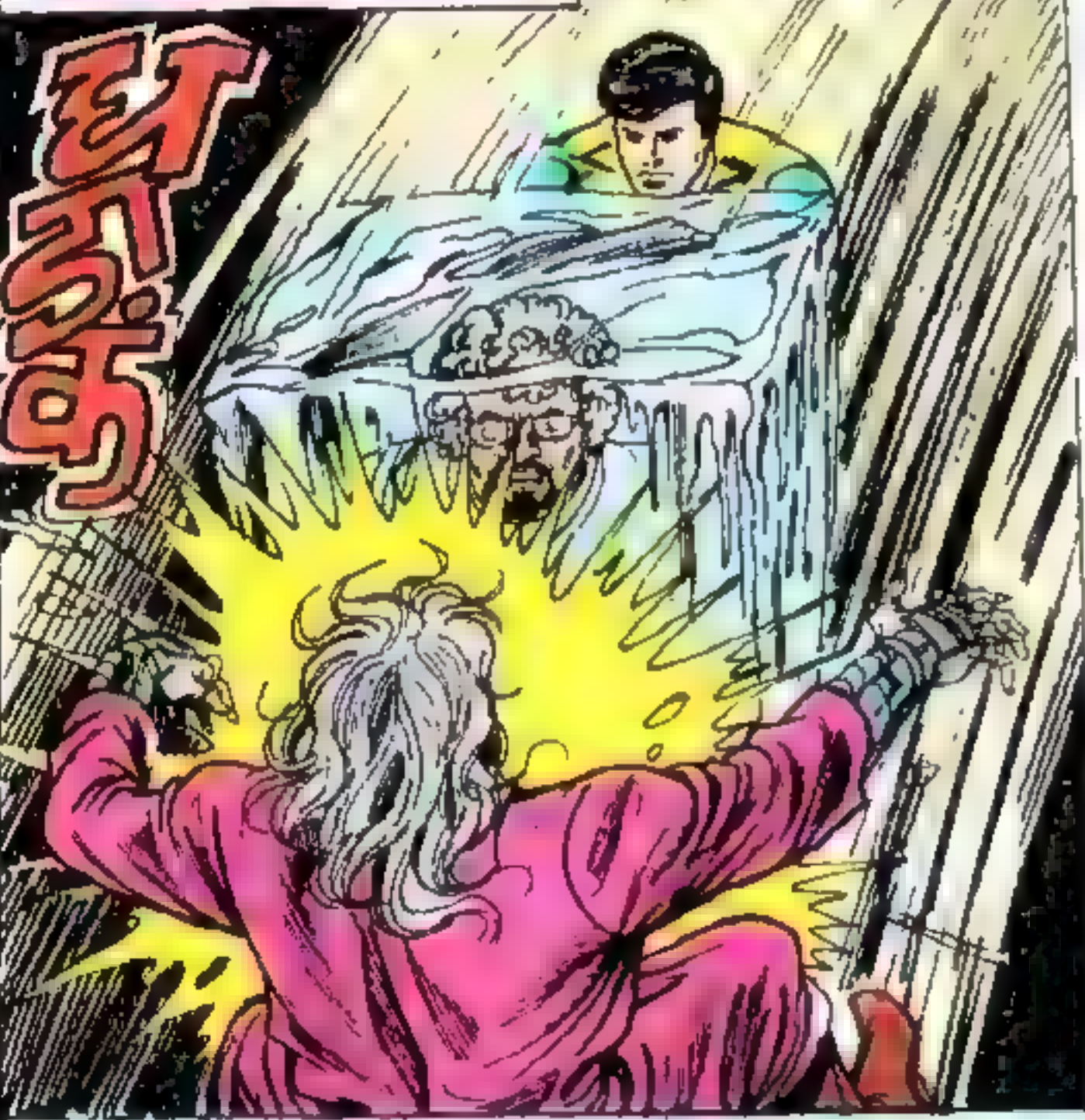


ये बर्फ की सिल्ली भी बृह की
शक्ति से बनी है, और ये चट्टानें
भी!

ये दोनों एक-दूसरे के
असर को काट सकते
हैं!

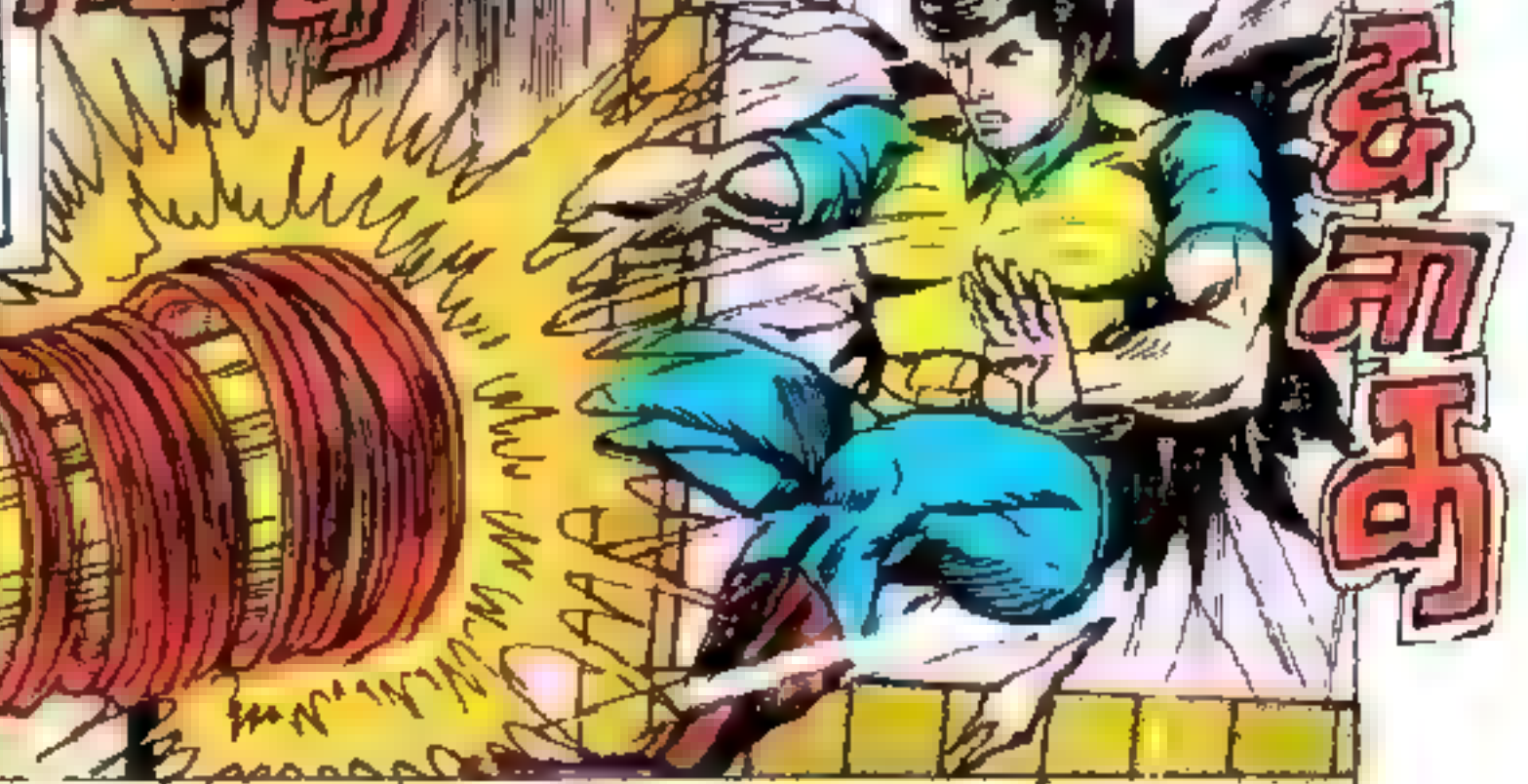


नास्त्रेदमस के संभल पाने से पहले ही बर्फ की सिल्ली
उसके शरीर से आटकराई—



चट्टानें उगलने वाला गोला गायब हो गया—

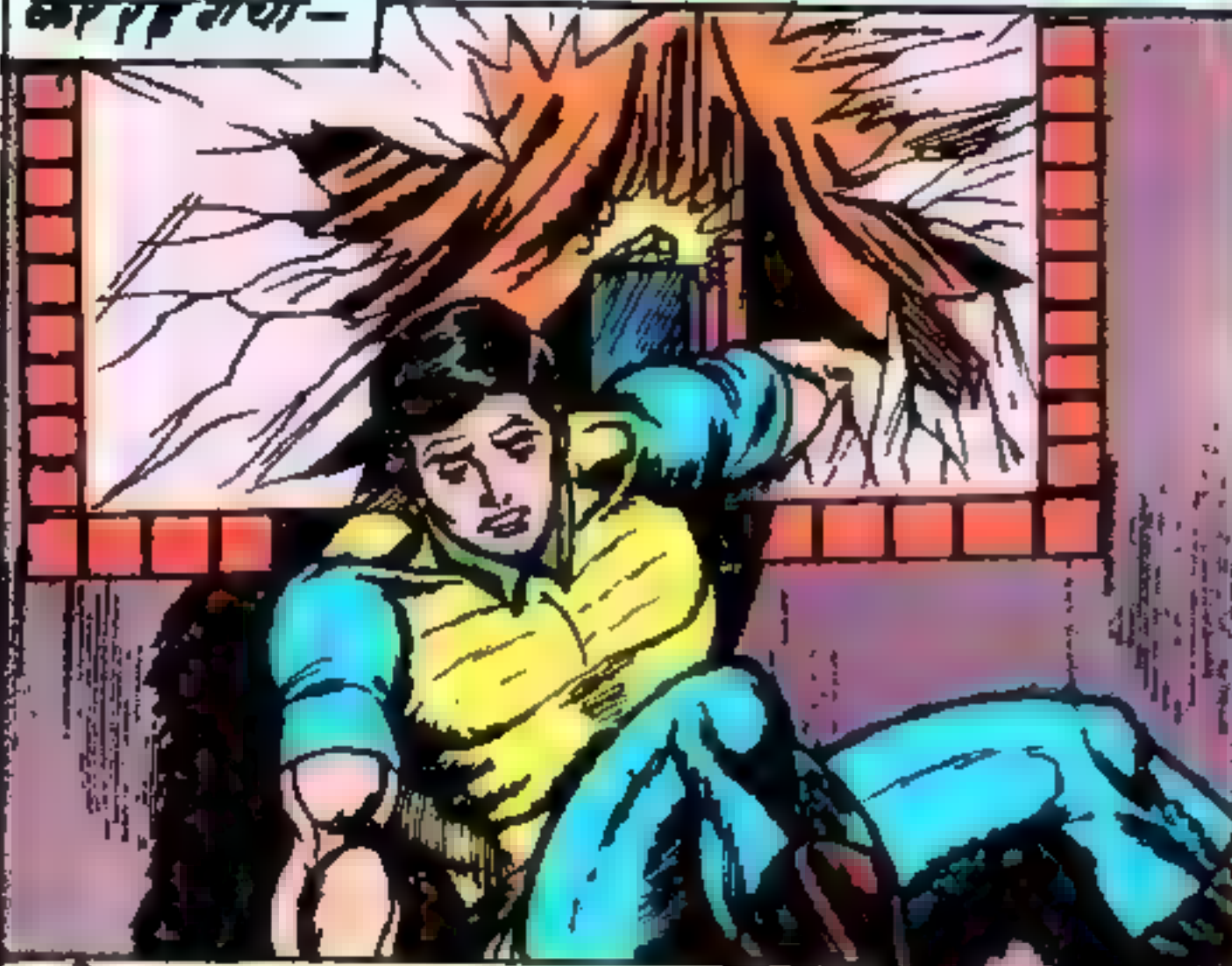
और नास्त्रेदमस क्रोध से पागल हो गया—



तुम्हें बृहस्पति बृह की
शक्तियों से माफंगा !
पहले संभल महाविद्यालय
बृह बृहस्पति की सतह पर
धूमते लाल तूफान को!

धुव का बदन उड़ता हुआ ज्वेलरी शॉप की शो बिण्डी से जा टकराया—

टक्कर झेलनी जोरदार थी कि कुत्तेदमूफ डीका भी चटक कर रह गया—



और धुव का दिमाग लुज्ज हो गया—

य... यह क्या हो गया?
मेरे पैर तक ... हिल नहीं
पा रहे हैं!

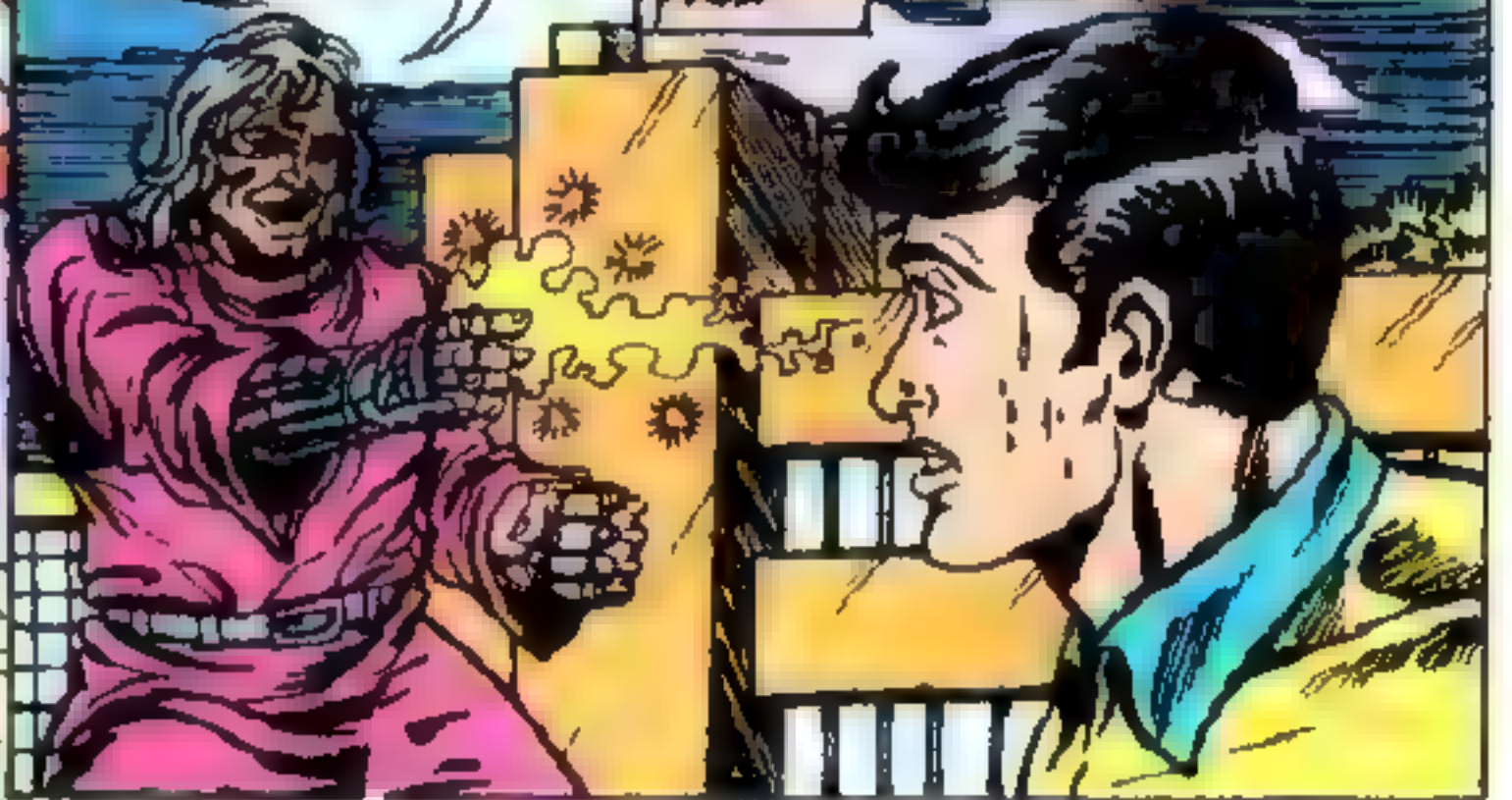


तू उधलता बहुत है
सबसे पहले इसी का
इंतजाम कर दूं।
बृहस्पति ग्रह की
गुरुत्वाकर्षण शक्ति
से!

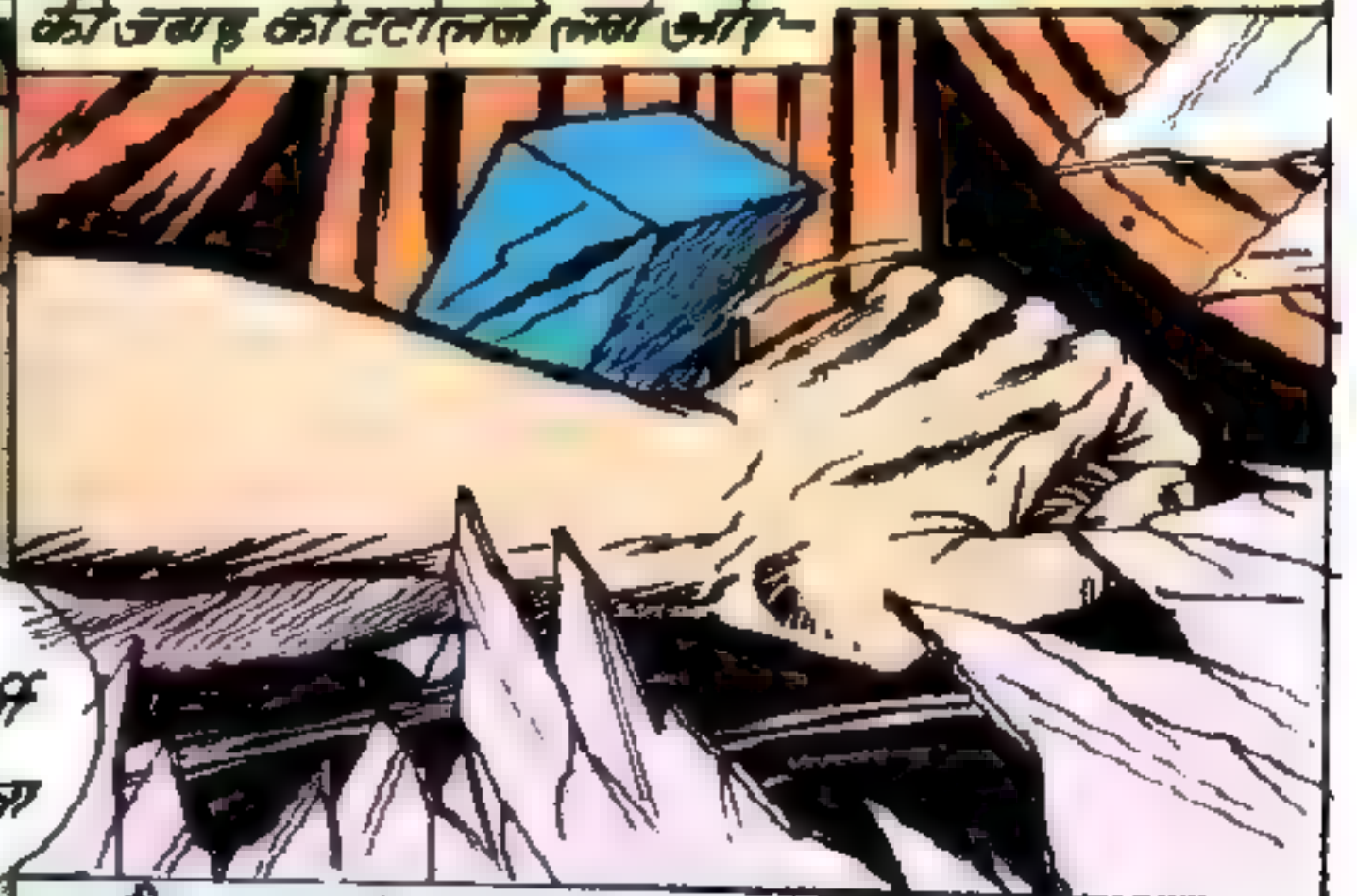


सोच! वह गर्मी तोरे
हाडू-मॉस के डरीप का
क्या हाल करेगी?

धुव की विस्फारित आंखों अपनी
तपक बढ़ती हत्थारी लगभगों को
देखने के आलस और कुछ न का
सकी—

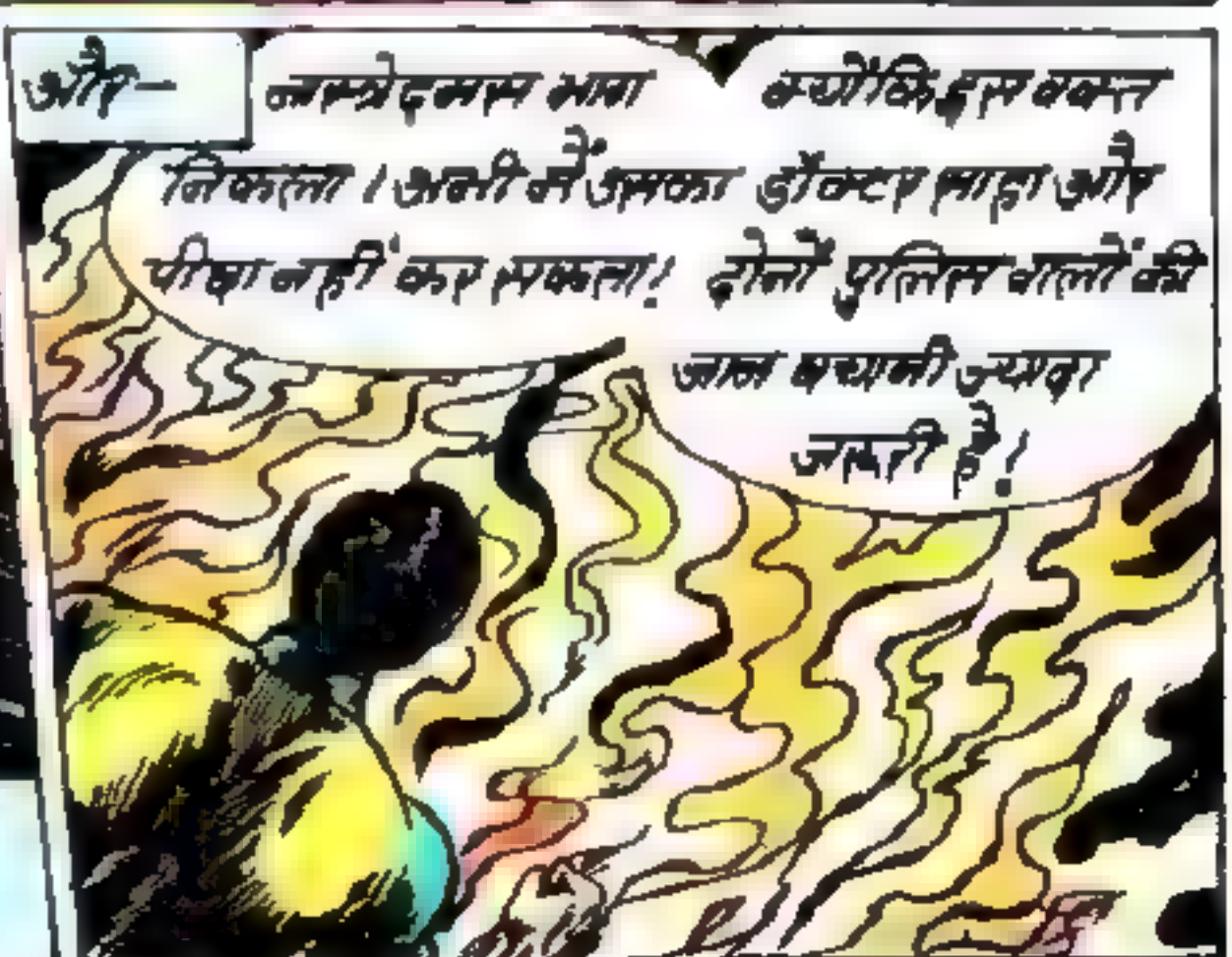
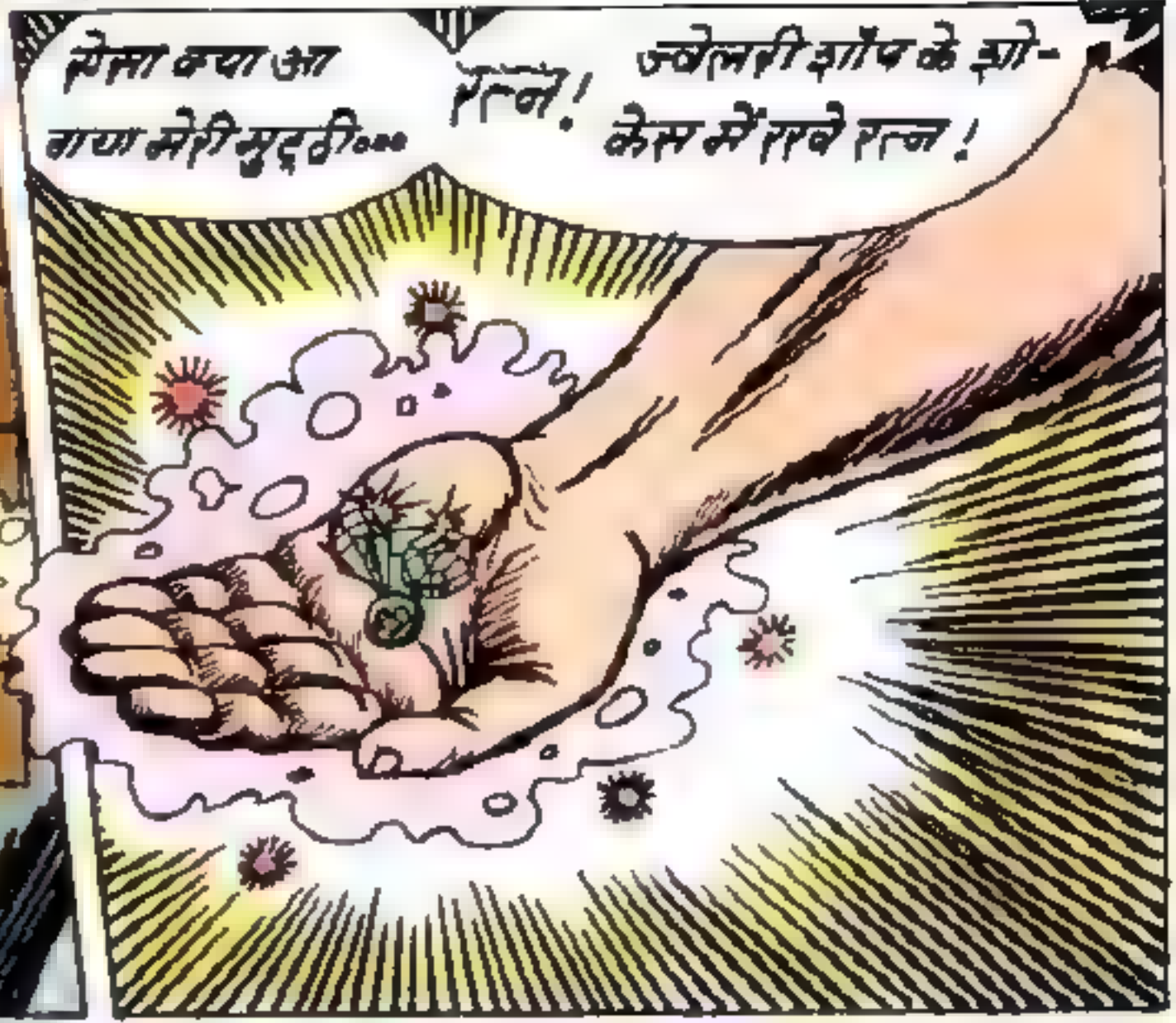
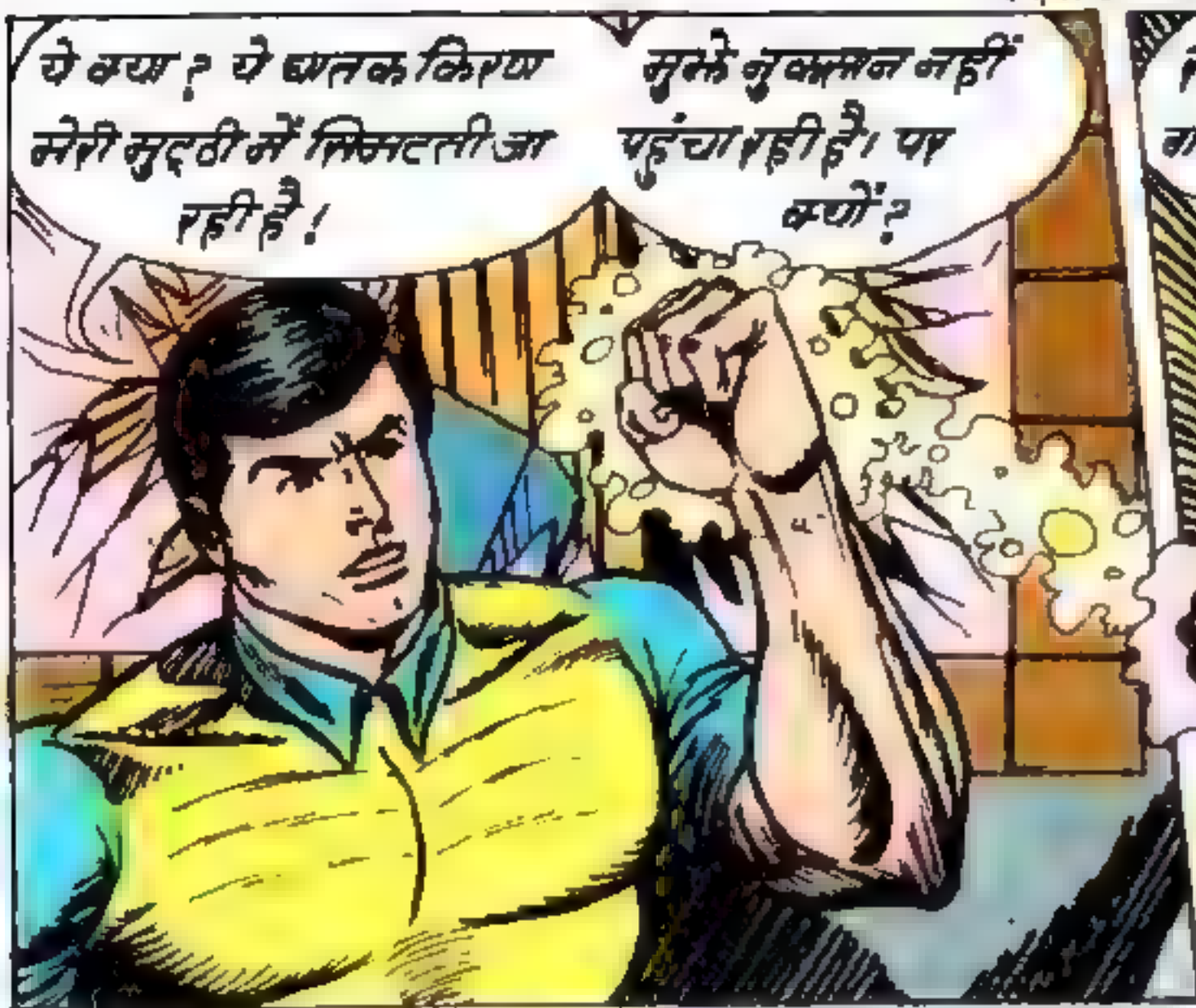


लेकिन उसके हाथ, अपने बचाव के लिए आस-पास
की जगह को टटोलते लगे और—



नहीं हिल पा रहे हैं
न? तूने बृह ग्रह की गर्मी
से जीप को पिघलते तो देखा
ही होगा!

और... उसके हाथों में कुछ आ गया—



सड़क पर जल लीक कोल भमक उठा। धुव और नास्त्रोदमस के बीच में आग की लकड़ी बार खड़ी हो गई-

और फिर-रिच के अपार्टमेंट में-

तुमको इस वक्त डिस्टर्ब करने के लिए माफी चाहता हूं रिच। लेकिन डॉक्टर साहा से मुझे कुछ जरूरी बातें पूछनी हैं...

माफी! मुझे इतिवृत्त मत किया करो, ध्रुव!

यह तो मेरी खुदाकिस्मती है कि मैं तुम्हारे कुछ काम आ सकी।

... और घटनास्थल से सबसे पास तुम्हारा ही अपार्टमेंट पड़ता है।

चलो देखें! डॉक्टर साहा बात-चीत करने की स्थिति में आ गए हैं या नहीं!

डॉक्टर साहा से भारी बातें जानने के बाद-

ओह! तो यह नास्त्रेदमस पहले ऑब्जरवेटरी में एक वैज्ञानिक थे!

वाह! यानी नास्त्रेदमस के कंप्यूटर-सिस्टम का बाहर के कंप्यूटर के जरिए नास्त्रेदमस के कंप्यूटर-सिस्टम को वहीं से बैठे-बैठे बेकार का सकती हैं!

तब तो मैं भी अपने कंप्यूटर के जरिए नास्त्रेदमस के कंप्यूटर-सिस्टम को वहीं से बैठे-बैठे बेकार का सकती हूँ!

हां, ध्रुव! ऑब्जरवेटरी से निकलने जाने के बाद इसने-कंपाला. ऑब्जरवेटरी के कंप्यूटर हिलम में अपनी एक ऑब्जरवेटरी सिस्टम से संपर्क बनाकर हमारी बनाई है। वहां पर इसने अपना कंप्यूटर सिस्टम भी लगाया है। और चोरी-छिपे हमारी कर्बगुप्त सूचनाओं को भी चुराया है।

तो करो रिच, करो! नास्त्रेदमस का रहस्य अभी भी राज-मगार पर संधारा रहा है!

यह इतना आसान नहीं है ध्रुव! नास्त्रेदमस के कंप्यूटर सिस्टम तक पहुंचने के लिए मुझे काफी मेहनत करनी पड़ेगी!



कितना समय लगेगा?

दो मिनट से लेकर दो साल तक लगा सकते हैं!



ओह! तब तुम अपने तरीके से नास्तेदमस को रोकने की कोशिश करो!

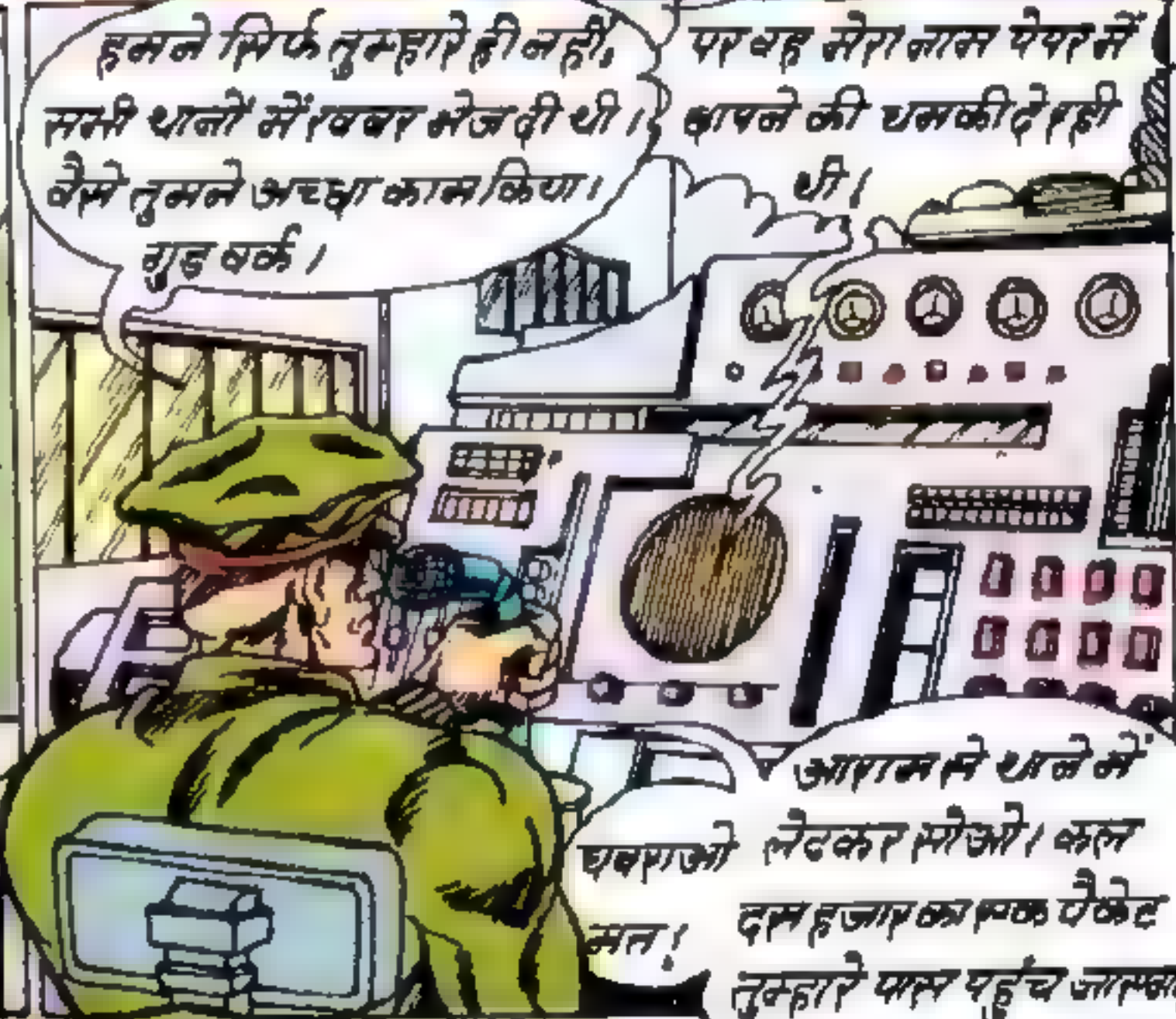
और मैं अपनी तरह से उसको रोकता हूँ।



इसी दौरान- पुलिस स्टेशन में-

कैप्टन! इंसपेक्टर शमशेर-सिंह हियर। हां, वह लड़की आई थी रिपोर्ट लिखवाने!

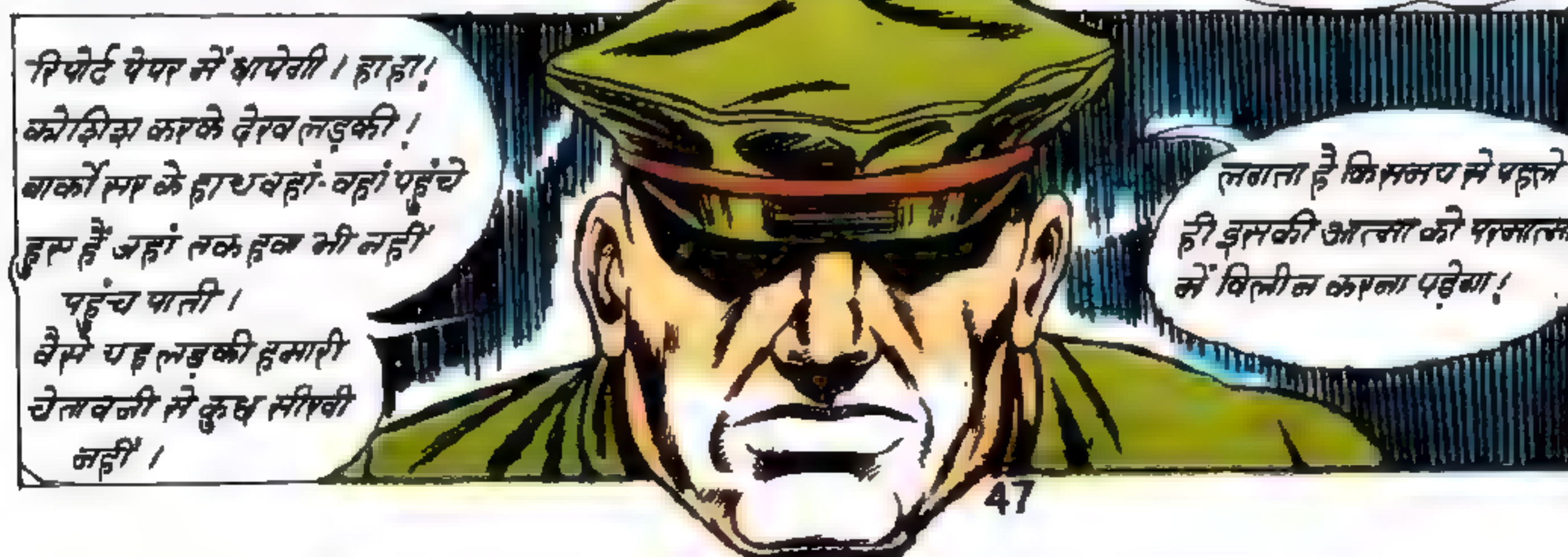
पर आपने मुझे पहले ही सतर्क कर दिया था। इसीलिए मैंने रिपोर्ट लिखी ही नहीं!



हमने सिर्फ तुम्हारे ही नहीं, सभी थानों में खबर भेज दी थी। वैसे तुमने अच्छा काम किया। गुड वर्क।

पर वह मेरा नाम येपर में बापले की धमकी दे रही थी।

आपस से थाने में घबराओ लेटकर सोओ। कल मत! दस हजार का एक पैकेट तुम्हारे पास पहुंच जाएगा!



रिपोर्ट येपर में बापेगी। हा हा! कोशिश करके देरब लड़की! बाकी सब के हाथ वहां-वहां पहुंचे हुए हैं जहां तक हक भी नहीं पहुंच पाती। वैसे यह लड़की हमारी चेतावनी से कुछ सीखी नहीं।

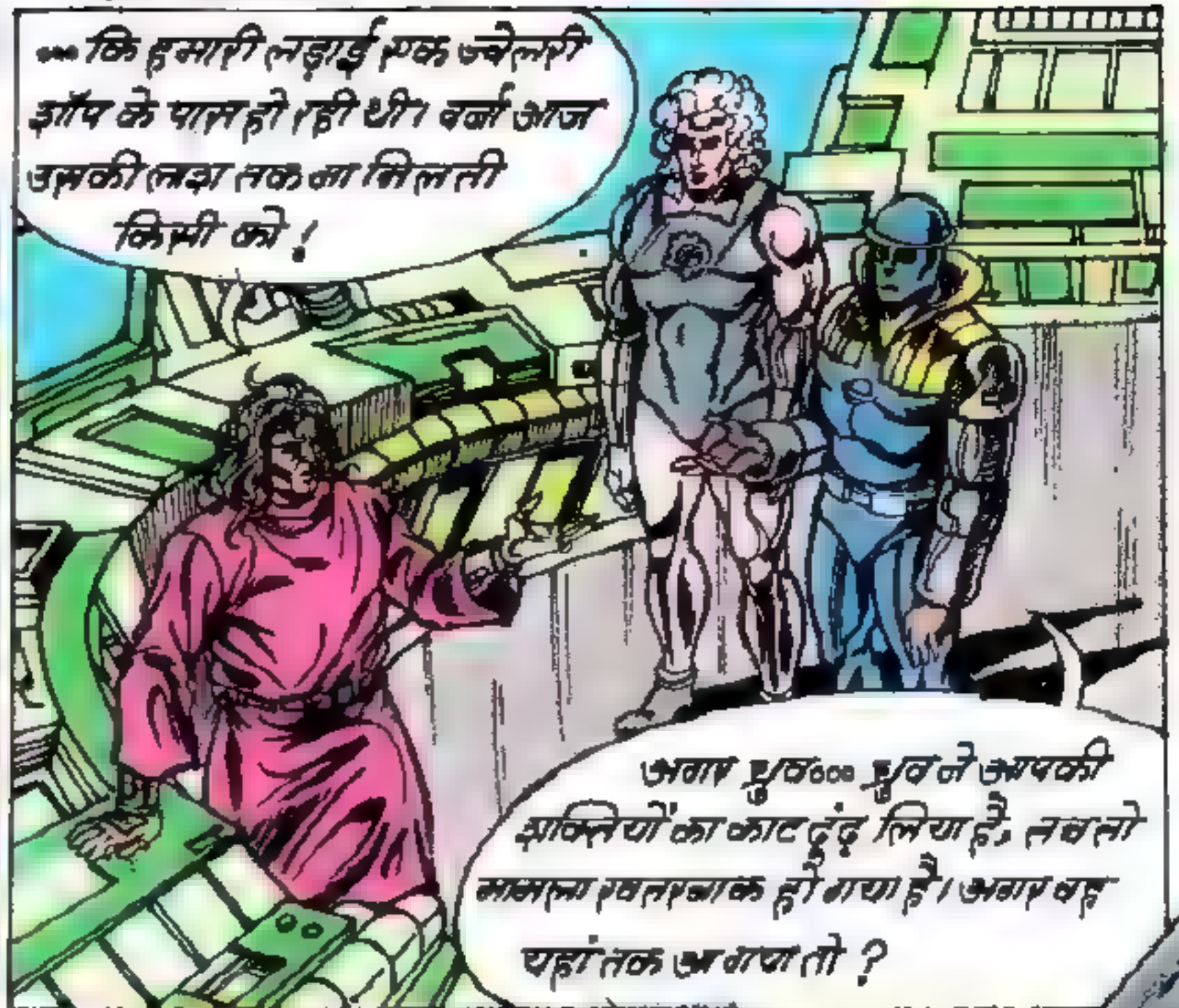
लगाता है किसलय से पहले ही इसकी आत्मा को परमात्मा में विलीन करना पड़ेगा!



कैपलॉ हिल-

क्या? धुव ने आपको भी भागने पर मजबूर कर दिया?

किस्मत तेज थी उसकी, डालि...



... कि हमारी लड़ाई एक ज्वेलरी शॉप के पास ही रही थी। वहाँ आज उसकी लड़ा तक का निलाली किसी को!

अगर धुव... धुव ने आपकी शक्तियों का काट दूँद लिया है, तब तो सामान्य स्वतन्त्रता ही गया है। अगर वह यहाँ तक आ गया तो?

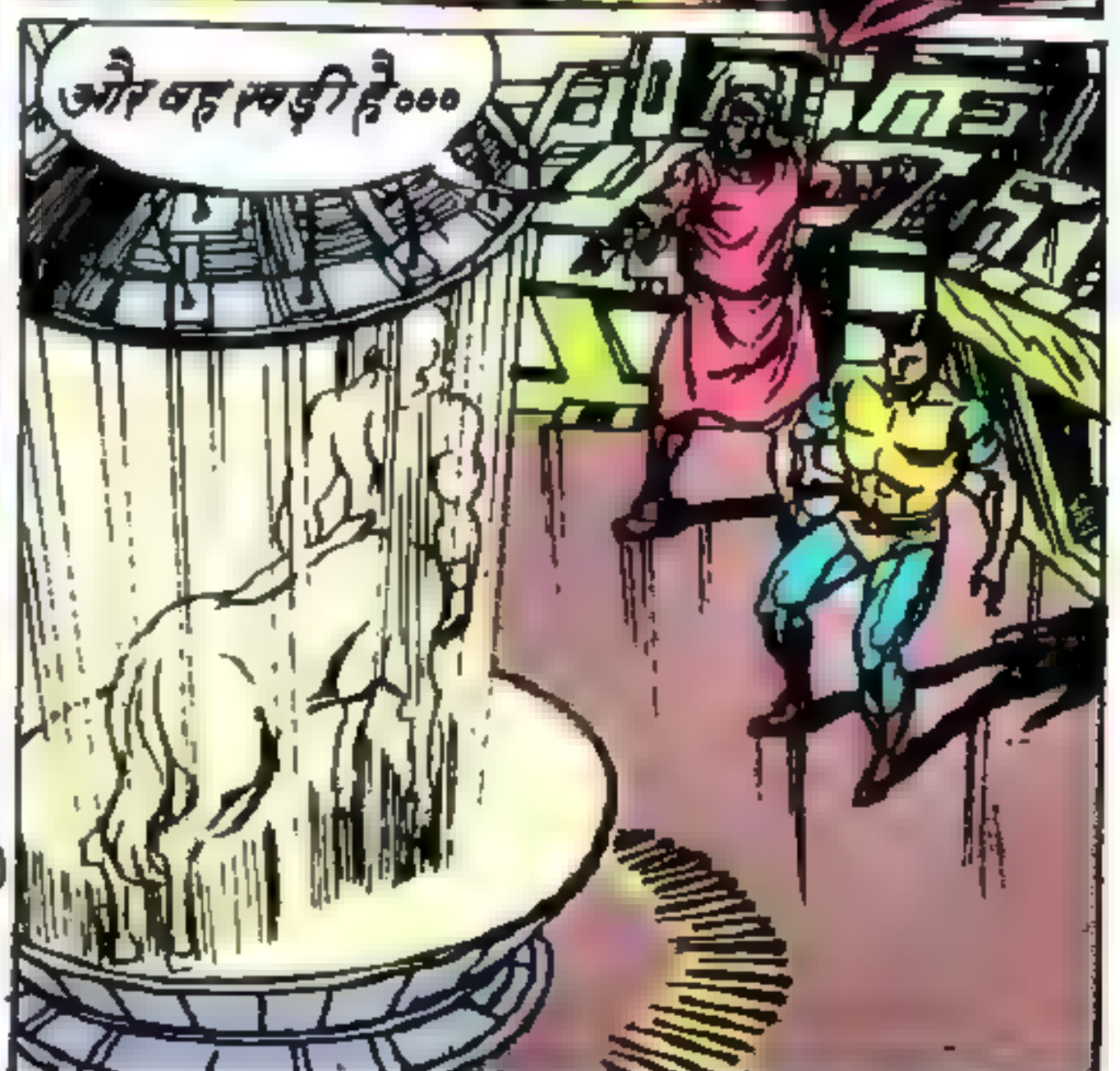
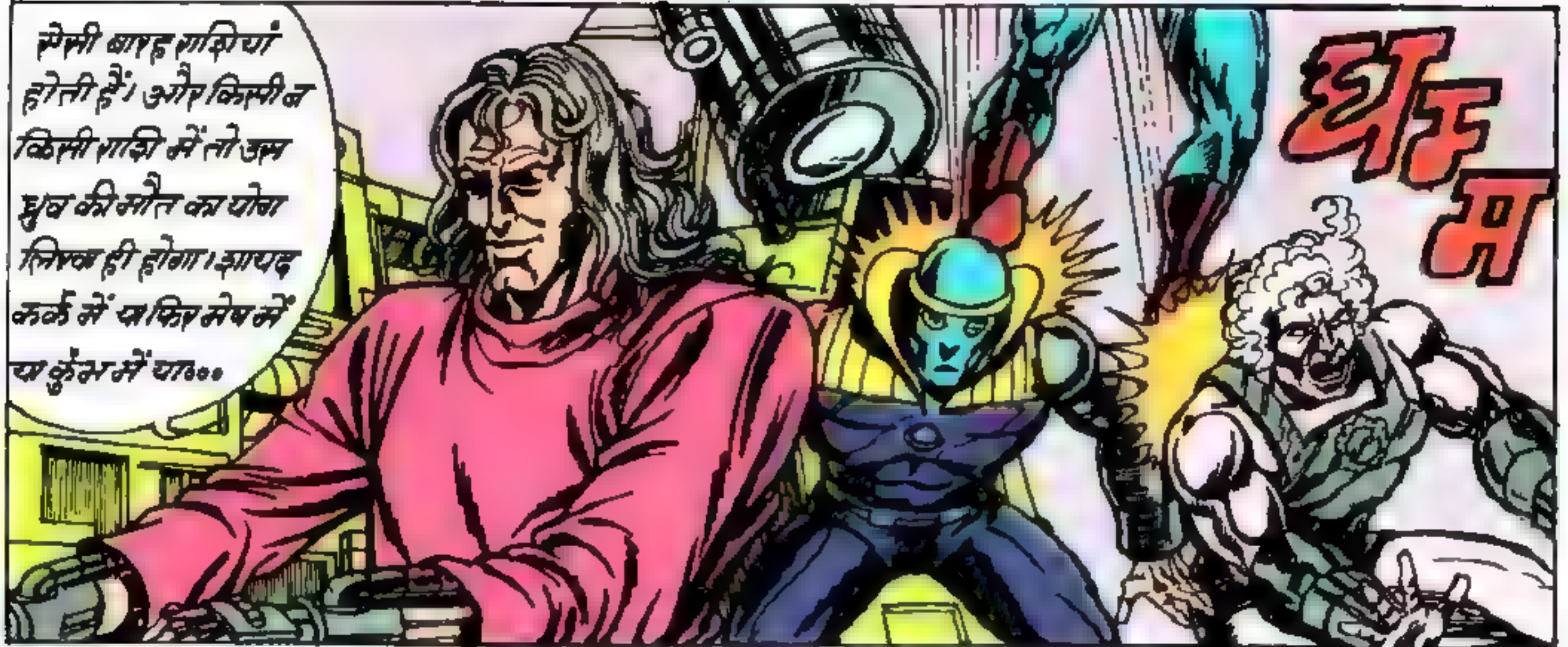
... ये 'स्पन्दोसाइम-क्रिप्टर'। यानी राशि निर्माता!

यहाँ तक तो वह अपना ही डालि! साहा उसके यहाँ का पता जरूर बताएगा। और वह यहाँ जरूर आएगा!

ये कंप्यूटराइज्ड क्रिप्टर ब्रह्माण्ड किरणों को इकट्ठा करके, उस वक़्त आकाश में जो भी राशियाँ उदित हो चुकी होंगी, उस राशि को इस अँधेरा घेदरी में सांकर और सजीव रूप में बना देगा!



लेकिन नाप्रेदमस के पास एक नहीं, कई शक्तियाँ हैं। और उनमें से ही एक है...





रिच, अपने कंप्यूटर से उत्पन्नी हुई थी-

ओह! मल्लामस पास-बर्फ और
कोड डाई कर चुकी हूं। लेकिन सारे
के सारे निबोटिव! सबसे 'मर' आ
रहा है!

जल्दी करो,
रिच! जल्दी करो!



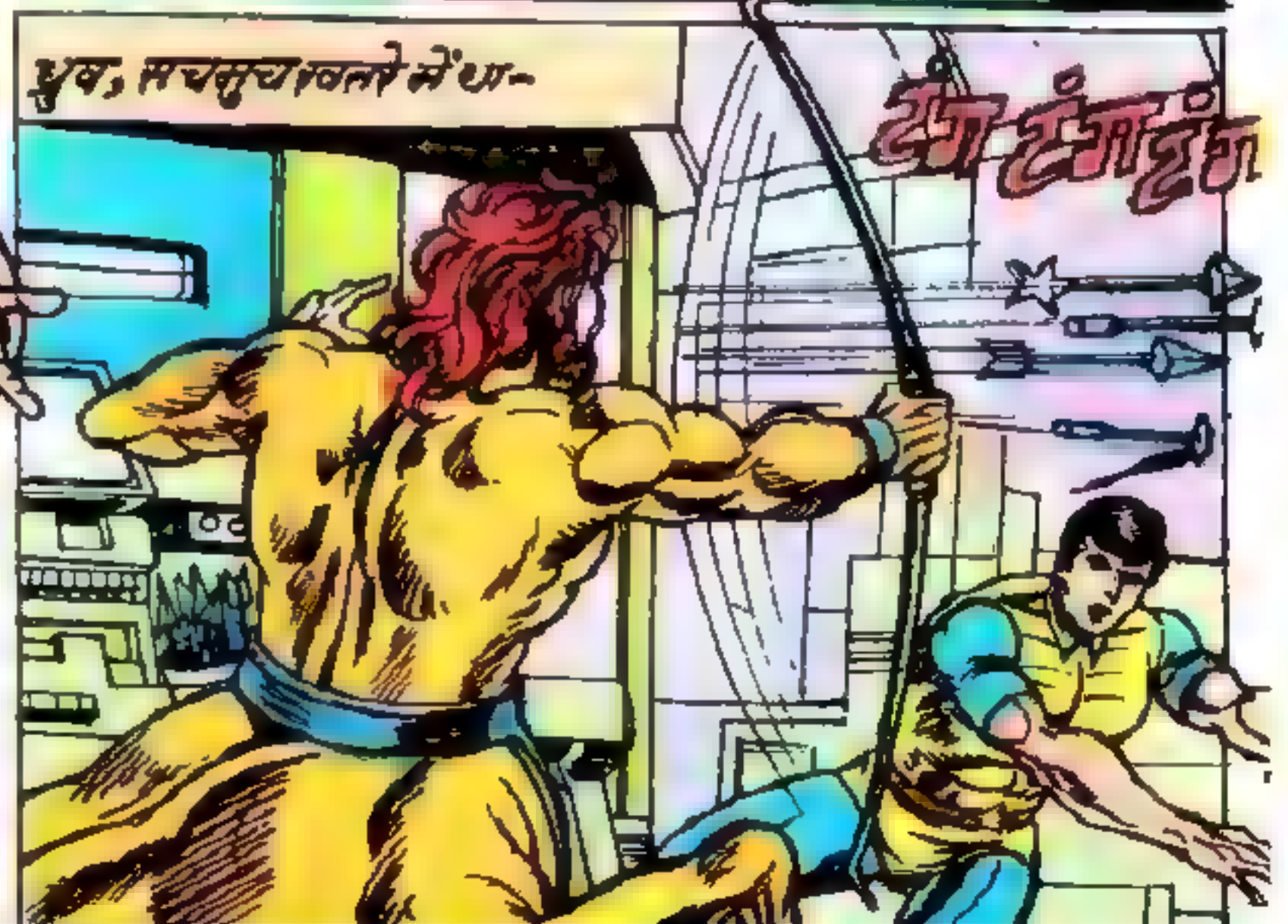
मल्लामस के कंप्यूटर-सिस्टम के अन्दर
पहुंचो! मैं जानता हूं, और यह अनुभव भी
कर चुका हूं... कि मल्लामस इस दुनिया का
सबसे खतरनाक जीनियस है...

धुव की जान
खतरे में है...



धुव, सचमुच खतरे में था-

टंग टंग टंग

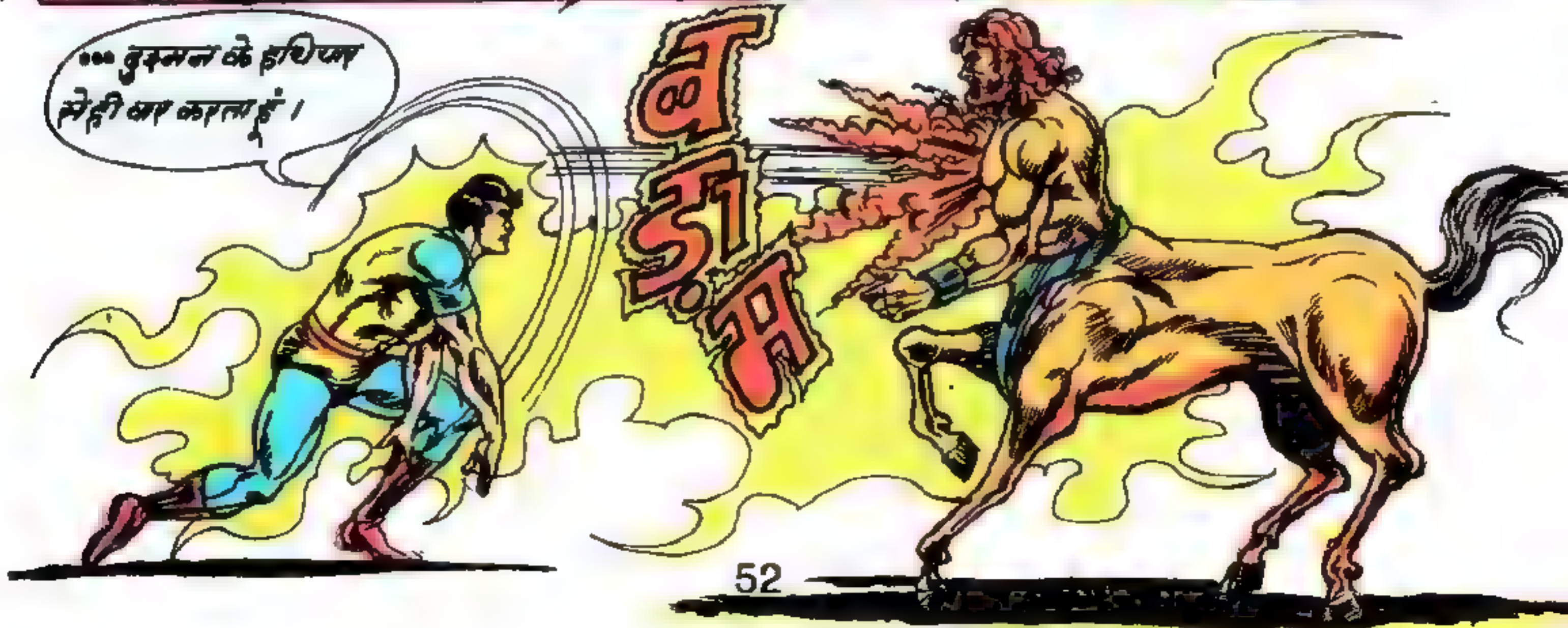




... क्योंकि इसके 'सौर-ऊर्जा' युक्त बाणों का सिर्फ एक बार तुम्हारा राम नाम सत कर देने के लिए काफी है!

मैं कभी अपने साथ कोई हथियार नहीं रखता! जानते हो क्यों? क्योंकि मैं बुद्धमन पर हनेवा ०००

... बुद्धमन के हथियार से ही कर करता हूँ।





अरे! इस पर कोई भी असर नहीं हुआ!

यह 'ब्रह्माण्ड-किरणों' से बना राक्षसी प्राणी है, धुब! यह चलता ही सौर ऊर्जा से है।

अगर ऐसा है तो फिर मुकाबला बराबरी का होना चाहिए!

अगर मेरे हाथ में हथियार नहीं है, तो फिर इसके हाथ में भी नहीं रहेगा!

तड़क

तुम खुद इस पर सौर-ऊर्जा युक्त ही सोचो! क्या भला क्या असर करेंगे?

ओह! याकी तुम मेरे 'राक्षसी-प्राणी' से शारीरिक बल वाला मुकाबला चाहते हो!

वेरी गूड! क्योंकि ब्रह्माण्ड-किरणों के इस क्षीर की लो-यूनिफ़ॉर्म कम भी नहीं भेद सकते...

धुब ने कोदिका की-

हहाहाहा!

...फिर भी, तुम कोदिका करके देख लो!

तड़क

और उसके दिमाग का जर्ज-जर्ज हिलकर रह गया—

संभल पाने से पहले
एक बार और हुआ-

और धुव का दिमाग धीरे-धीरे अंधकार
में डूबने लगा-



इससे ऐसे जीत पाना असंभव
है। इसको बेकार करने का एक ही
तरीका है कि इसको संचालित करने वाले
कंप्यूटर को बेकार कर दिया जाए।
और यह है सिर्फ...

... रिचा-

रिचा! जल्दी
करो! जल्दी!



कीप क्वाण्ट आप मुझे
मिस्टा डिस्टर्ब कर रहे
साहा! हैं।

धुव की तरफ, धनुषाक्षि के रूप उसको
कुशल देने के लिए बढ़ रहे थे-



ओफ़! हेम इट! नास्ट्रोदमस के
कंप्यूटर सिस्टम में 'ग्लैंड' करने
की मेरी सारी कोशिशों नाकाम
साबित हो रही हैं।
और जब तक मैं
कामयाब होऊंगी, तब
तक धुव का न जाने क्या
हाल हो चुका होगा!



तभी- धुव ने अपने-आपको संभाला-

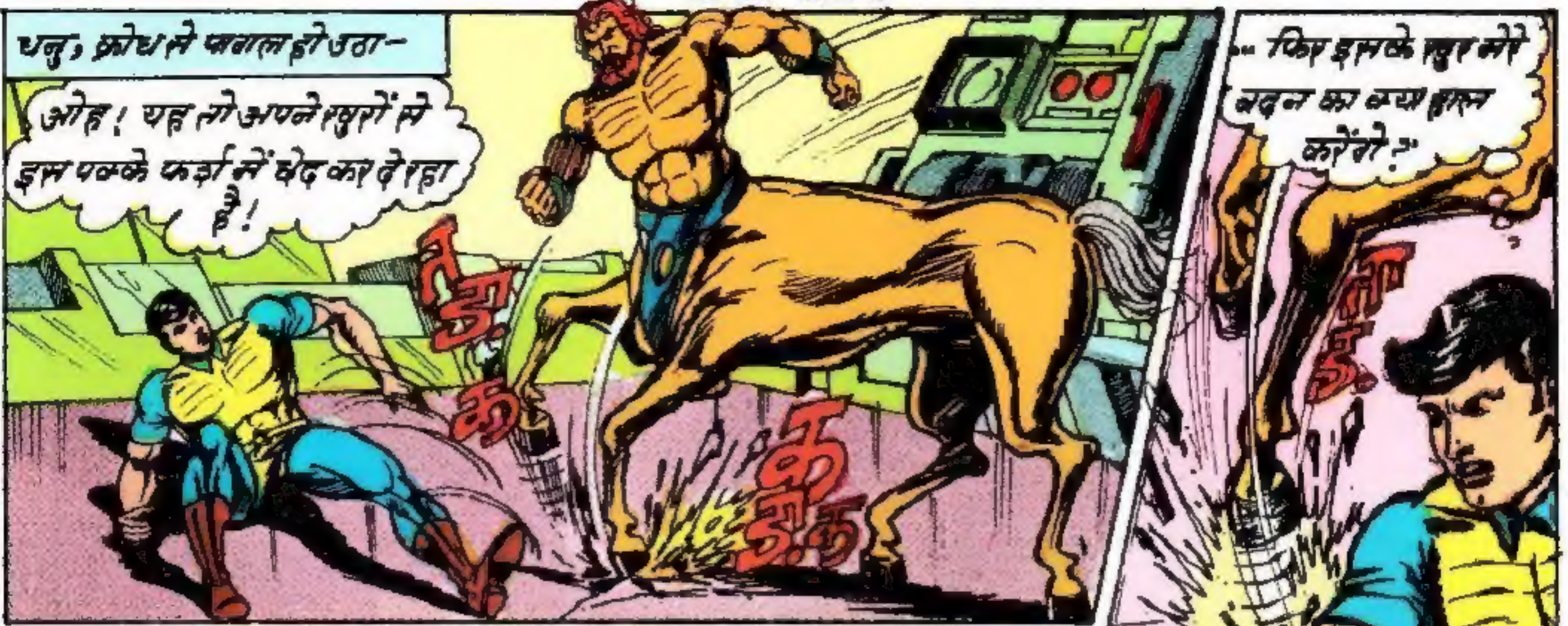


और--



धनु, क्रोध से खड़ा हो उठा—

ओह! यह तो अपने गुरों से इस पक्ष के फर्क में घेद कर दे रहा है!



... फिर इसके गुरों में बदल का क्या हुआ करेंगे?

और उधर—

ईया या या या या!!

क... क्या हुआ? कहां लगा गया क्या?



मैंने नास्रोदमन के कंप्यूटर सिस्टम में 'संलग्न' कर लिया है, डॉक्टर सहा!

वाह! तो बेकार का दो उस बड़बोले के कंप्यूटर सिस्टम को!

करती हूँ! अब सिर्फ एक मिनट और लगेगा!

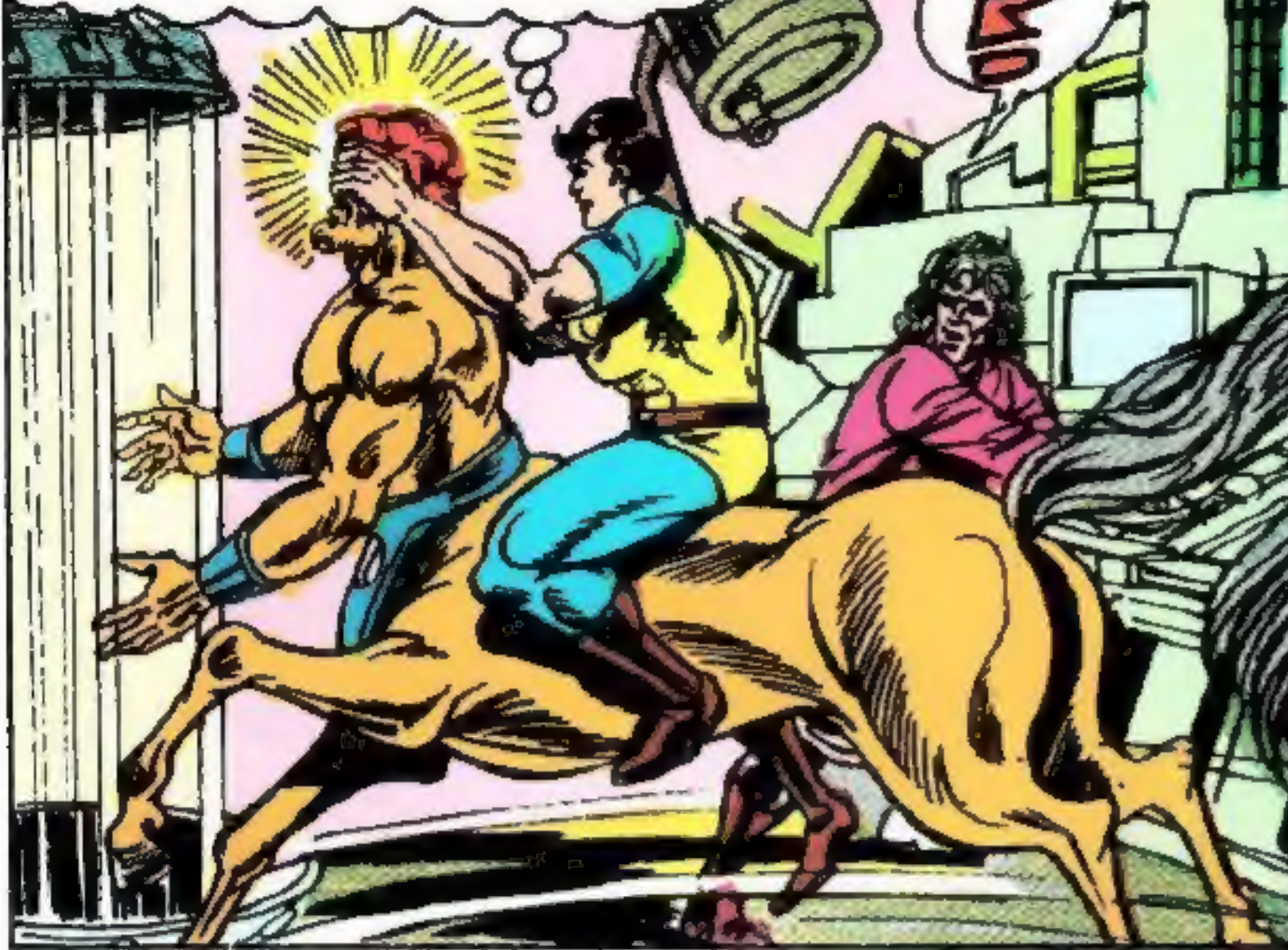


लेकिन धुव तो एक पल भी इंतजार नहीं कर सकता था—



अब मुझे इसको रोकने की नहीं, बल्कि समय में अब मुझे तो इसके गुरों से लोब-कौब तरीका! कमाने की जरूरत है!

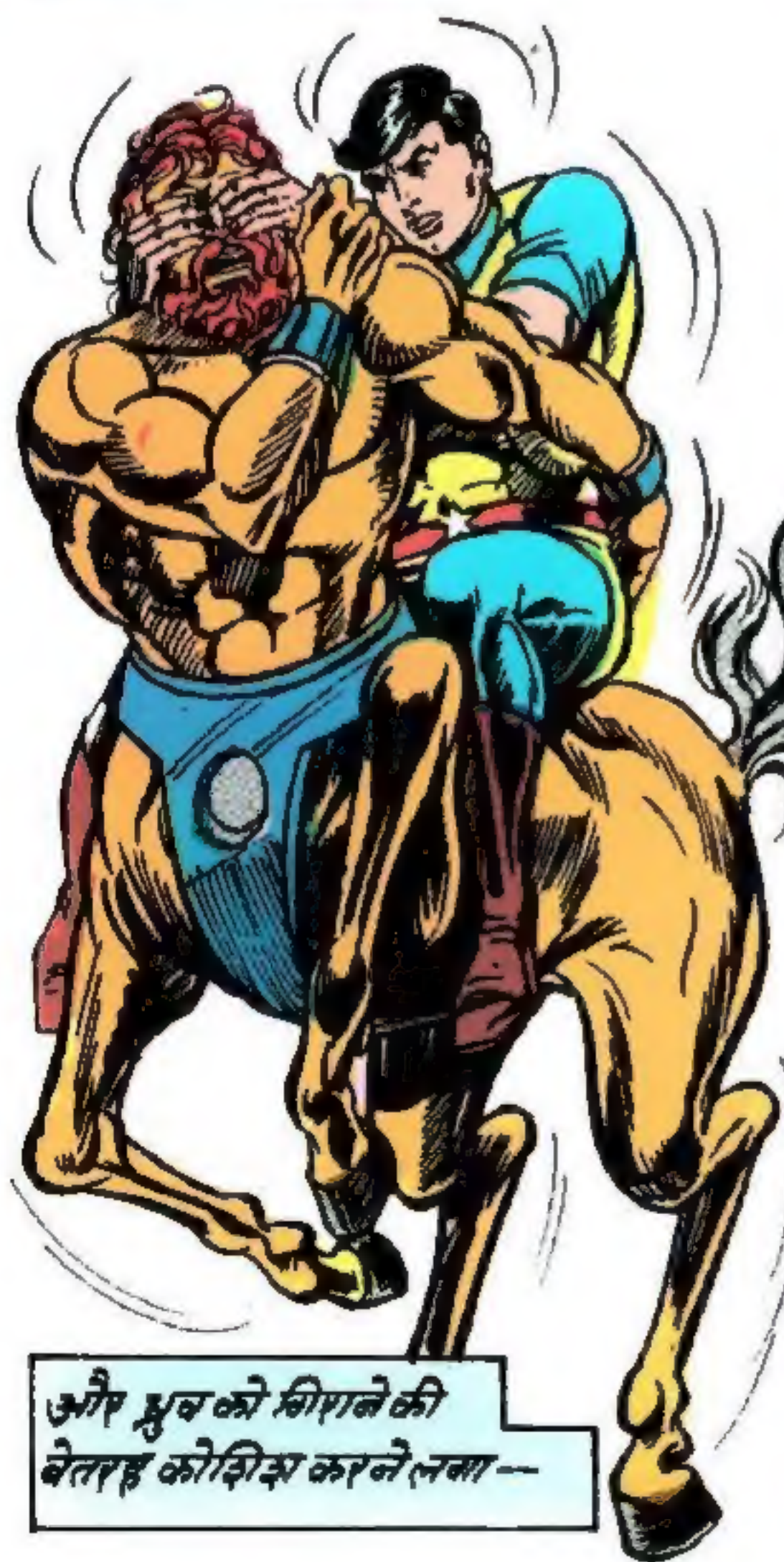
और इसके लिए मुझे सिर्फ इसकी
आंखों को बंद करने की जरूरत है...



... ताकि यह देव न पाए कि यह
कहां पर गए कर रहा है!



... धनु बौरवला उठा —



उसकी हर कोड़िया, नाफ्रेदमस के ताबूत की एक-एक कील बजती
जा रही थी—

अरे! यह बौरवला
कर मेरे कंट्रोल से
बाहर हो रहा है!
मेरे लो यह
मेरी पूरी लैब लोड
डालेगा!





